* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

26 मार्च, 2023
चैत्र, शुक्ल पक्ष, पंचमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 08, अंक 155

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

केंद्र का निर्देश- सभी राज्य कोरोना टेस्टिंग बढ़ायें, 24 घंटों में 1590 मरीज मिले

सांसदी गंवाने के बाद पहली बार मीडिया से बात की

सवाल करता रहूंगा, माफी नहीं मांगूंगा : राहुल गांधी

- समर्थन के लिए विपक्षी दलों के नेताओं को धन्यवाद दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद सदस्यता रद्द होने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को पहली बार मीडिया के सामने आये। उन्होंने इस दौरान भाजपा और खासकर प्रधानमंत्री पर जम कर आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि अगर पीएम को लगता है कि मुझे डरा कर, जेल में डाल कर, मार-पीट कर, अयोग्य कर चुप करा लेंगे, तो वह गलतफहमी में हैं। पीएम भयभीत हो गये हैं। उन्होंने विपक्ष को सबसे बड़ा हथियार दे दिया है। मुझे इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ता। भाजपा के माफी मांगने की मांग पर राहुल गांधी ने कहा, मैं गांधी हूं। गांधी कभी माफी नहीं मांगते।

कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने आपसे कई बार बोला है कि लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। मेरी स्पीच संसद से हटा दी गयी। मैंने नियम बताये और स्पीकर को डीटेल में चिठ्ठी भी लिखी, पर मुझे बोलने नहीं दिया गया। भाजपा वालों ने मुझे भारत विरोधी बताया। मेरा सदस्य के तौर पर सफाई देने का अधिकार है, मगर स्पीकर ने मुझे बोलने नहीं दिया।

सवालों के जवाब के दौरान राहुल ने मानहानि मुद्दे पर समर्थन के लिए सभी विपक्षी दलों के नेताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आगे साथ मिल कर काम करेंगे। यह पूछने पर कि क्या आपको अपने बयान पर अफसोस है, राहुल गांधी ने कहा कि अब यह लीगल मैटर है। इस पर बोलना ठीक नहीं है। मैं हिंदुस्तान के लिए लड़ूंगा। मैं लोकतंत्र के लिए लड़ूंगा।

राहुल गांधी ने कहा कि मैंने देश के खिलाफ कभी कुछ नहीं बोला। भारत जोड़ो यात्रा की मेरी कोई भी स्पीच देख लीजिए। मैंने हमेशा कहा है कि सब समाज एक है। नफरत, हिंसा नहीं होनी चाहिए। भाजपा ध्यान को भटकाने का काम करती है, कभी ओबीसी की बात करेगी, कभी विदेश की बात करेगी। इन लोगों से मुझे डर नहीं लगता। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि मैं संसद के अंदर हूं या बाहर हूं। मुझे अपनी तपस्या करनी है। मैं उसे करके दिखाऊंगा। मेरे खून में सच्चाई है। आप कुछ भी कर लें, सवाल पूछता रहूंगा। चाहे आप आजीवन जेल भेज दें या आजीवन चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दें।

भ्रष्टाचार और खनिज संपदा की लूट के खिलाफ भाजपा ने आंदोलन का बिगुल फूंका

11 अप्रैल को सचिवालय कूच करेंगे भाजपा कार्यकर्ता : बाबूलाल मरांडी

- बोकारो में एक दर्जन सांसद, विधायकों की बैठक में हुई घोषणा

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय बैठक सेक्टर 1 स्थित हंस मंडप में संपन्न हुई। बैठक में बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, धनबाद ग्रामीण के सभी प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा पदाधिकारी, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्ष, बूथ सशक्तिकरण की जिला टोली, राष्ट्रपति अभिभाषण की जिला टोली, मंडल अध्यक्ष महामंत्री उपस्थित रहे। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी, पशुपतिनाथ सिंह, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, जयप्रकाश भाई पटेल ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक की शुरुआत की। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष भरत यादव और बोकारो जिला पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया।

बाबूलाल मरांडी ने कहा किक हेमंत सोरेन की सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई ,चाहे वह युवा वर्ग, किसान वर्ग, महिला वर्ग सभी नाखुश हैं। हेमंत सोरेन अपने किये गये चुनावी वादों को पूरा करने में विफल साबित हुए हैं। इनके कार्य काल में विकास हुआ, तो सिर्फ खनिज संपदा लूटने वालों का, भ्रष्टाचारियों का। सत्ताधारी दल के कई विधायकों ने खुद ही सरकार के कार्यकलापों पर सवाल उठाया है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लूट, भ्रष्टाचार, खनिज संपदा की लूट आदि मुद्दों पर झारखंड प्रदेश भाजपा द्वारा 11 अप्रैल को सचिवालय के समक्ष विशाल प्रदर्शन किया जायेगा। इस प्रदर्शन में झारखंड के सभी जिलों से भाजपा कार्यकर्ता सचिवालय कूच करेंगे। अपराधियों ,भ्रष्टाचारियों के खौफ से जनता में भय का माहौल है। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू और धन्यवाद ज्ञापन बोकारो जिलाध्यक्ष भरत यादव ने किया।

प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू ने जिला वॉर, जिला अध्यक्ष से मंडल वार संगठन के कार्यों की जानकारी ली। मन की बात, बूथ सशक्तिकरण, राष्ट्रपति का अभिभाषण पर विशेष जानकारी ली गयी। बैठक में पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय, रवींद्र पांडेय, मनीष जयसवाल, नीरा यादव, अपर्णा सेन गुप्ता, दुल्लू महतो, राज सिन्हा, केदार हाजरा, निर्भय शाहाबादी, नागेंद्र महतो, योगेश्वर महतो बाटुल, सरोज सिंह, लक्ष्मण सिंह, मनोज यादव, गणेश मिश्रा, योगेंद्र प्रताप, विनय लाल, रोहितलाल सिंह, हरिप्रकाश लाटा, शशिभूषण ओझा, रमा सिन्हा, ऋतुरानी सिंह, अर्चना सिंह, जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, अशोक यादव, राज रंजन सिन्हा, महादेव दुबे, दिलीप श्रीवास्तव कमलेश राय, अर्चना सिंह, लीला देवी, अनिल स्वर्णकार, संजय त्यागी, जयदेव राय, विक्रम पांडेय, जयनारायण मरांडी, गौर रजवार, अशोक कुमार, पप्पू माथुर, मंडल महेंद्र राय, अतानु चौधरी, राघवेंद्र, मंडल अध्यक्ष और महामंत्री आदि मौजूद रहे।

सीबीआइ ने तेजस्वी यादव से की पूछताछ

- इडी के सामने पेश हुई लालू की बेटी सह सांसद मीसा भारती
- पूछताछ के बाद पत्नी से मिलने अस्पताल पहुंचे तेजस्वी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। रेलवे की जमीन के बदले नौकरी घोटाले की जांच कर रही सीबीआइ ने शनिवार को बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से लंबी पूछताछ की। वह इस मामले के आरोपी हैं। उधर तेजस्वी की बहन सह राज्यसभा सांसद डॉ मीसा भारती से भी प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने पूछताछ की।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तेजस्वी सुबह सीबीआइ मुख्यालय पहुंचे। यहां पहुंचने के थोड़ी देर बाद ही उनसे पूछताछ शुरू हो गयी। सीबीआइ मुख्यालय से निकलने के बाद तेजस्वी यादव अपनी पत्नी के पास अस्पताल चले गये। तेजस्वी की पत्नी गर्भवती हैं और दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती हैं, जहां डॉक्टरों द्वारा उनकी देखभाल की जा रही है।

राजद नेता ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल के एक-एक सदस्य ने एजेंसियों का सहयोग किया। हालात ऐसे हैं कि आज वही एजेंसियां हम पर आरोप लगा रही हैं। अभी हम डरे नहीं हैं, हम लड़ेंगे और जीतेंगे। उन्होंने बताया कि सीबीआइ अब तक तीन बार पेशी के लिए समन भेज चुकी है। पत्नी गर्भवती है। अभी समय ऐसा है कि उनका ध्यान रखना बहुत जरूरी है। यही कारण था कि समन के बाद सीबीआइ से मिल नहीं पा रहा था। अब तीसरी बार समन आया, तो सीबीआइ ने पूछताछ की और उनके जो भी सवाल थे, उनका जवाब भी दिया।

मीसा भारती से इडी की टीम ने पूछताछ की

वहीं दूसरी तरफ इडी ने तेजस्वी की बहन मीसा भारती से पूछताछ की। बता दें कि रेलवे में जमीन के बदले नौकरी मामले में मीसा का अहम रोल बताया जा रहा है। यही वजह है कि इडी ने उनको समन देकर पूछताछ के लिए बुलाया है। इडी के अनुसार जब तक उनके सवालों का ठीक से जवाब नहीं मिलेगा, तब तक पूछताछ जारी रहेगी।

राजीव अरुण एक्का से इडी की पूछताछ 27 को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का से इडी की टीम 27 मार्च को पूछताछ करेगी। इससे पहले इडी ने उन्हें 15 मार्च को पेश होने के लिए समन भेजा था, लेकिन एक्का ने विधानसभा सत्र का हवाला देते हुए उस दिन हाजिर होने में असमर्थता जतायी थी। इसके बाद इडी ने उन्हें 27 मार्च को सुबह 11 बजे हाजिर होने को कहा है। इडी द्वारा साहिबगंज के अवैध खनन घोटाले में की गयी छापामारी के दौरान बरामद दस्तावेज के सिलसिले में उनसे पूछताछ होनी है।

राजीव अरुण एक्का पर सीएम के प्रधान सचिव के पद पर रहते हुए विशाल चौधरी के निजी ऑफिस में बैठ कर सरकारी फाइलें निबटाने का आरोप लगा था। इसके बाद ही उन्हें इस पद से हटा दिया गया था।

इडी ने दाहू यादव के पिता को किया गिरफ्तार

इस बीच इडी ने पंकज मिश्रा के करीबी दाहू यादव के पिता पशुपति यादव को साहिबगंज से गिरफ्तार कर लिया है। इडी ने दाहू यादव के फरार होने के बाद उसके परिजनों को आरोपी बनाया है। इसके बाद उसके पिता को गिरफ्तार किया गया है। दाहू यादव पंकज मिश्रा का काफी करीबी माना जाता है। मनी लाउंड्रिंग मामले में इडी ने पहले पंकज मिश्रा से पूछताछ की। इसके बाद उसके करीबी दाहू यादव को पूछताछ के लिए बुलाया था। दाहू यादव ने अंतिम बार 18 जुलाई को इडी के हीनू क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिरी लगायी। इसके बाद से वह फरार है। इडी के नोटिस के बाद भी जब दाहू यादव हीनू क्षेत्रीय कार्यालय नहीं पहुंचा, तब इडी ने उसके परिवार के सदस्यों को आरोपी बनाया।

पूजा सिंघल की डिस्चार्ज याचिका पर इडी कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

इस बीच निलंबित आइएएस पूजा सिंघल की डिस्चार्ज याचिका पर रांची स्थित इडी की विशेष अदालत में शनिवार को सुनवाई हुई। खूंटी मनरेगा घोटाला से जुड़े मनी लाउंड्रिंग केस में पूजा सिंघल की याचिका पर विशेष न्यायाधीश प्रभात शर्मा ने सुनवाई की। इसमें बहस पूरी हो गयी। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि पिछले साल ही पूजा सिंघल को इडी ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि खूंटी में मनरेगा घोटाला में उन्होंने करोड़ों रुपये की कमाई की।

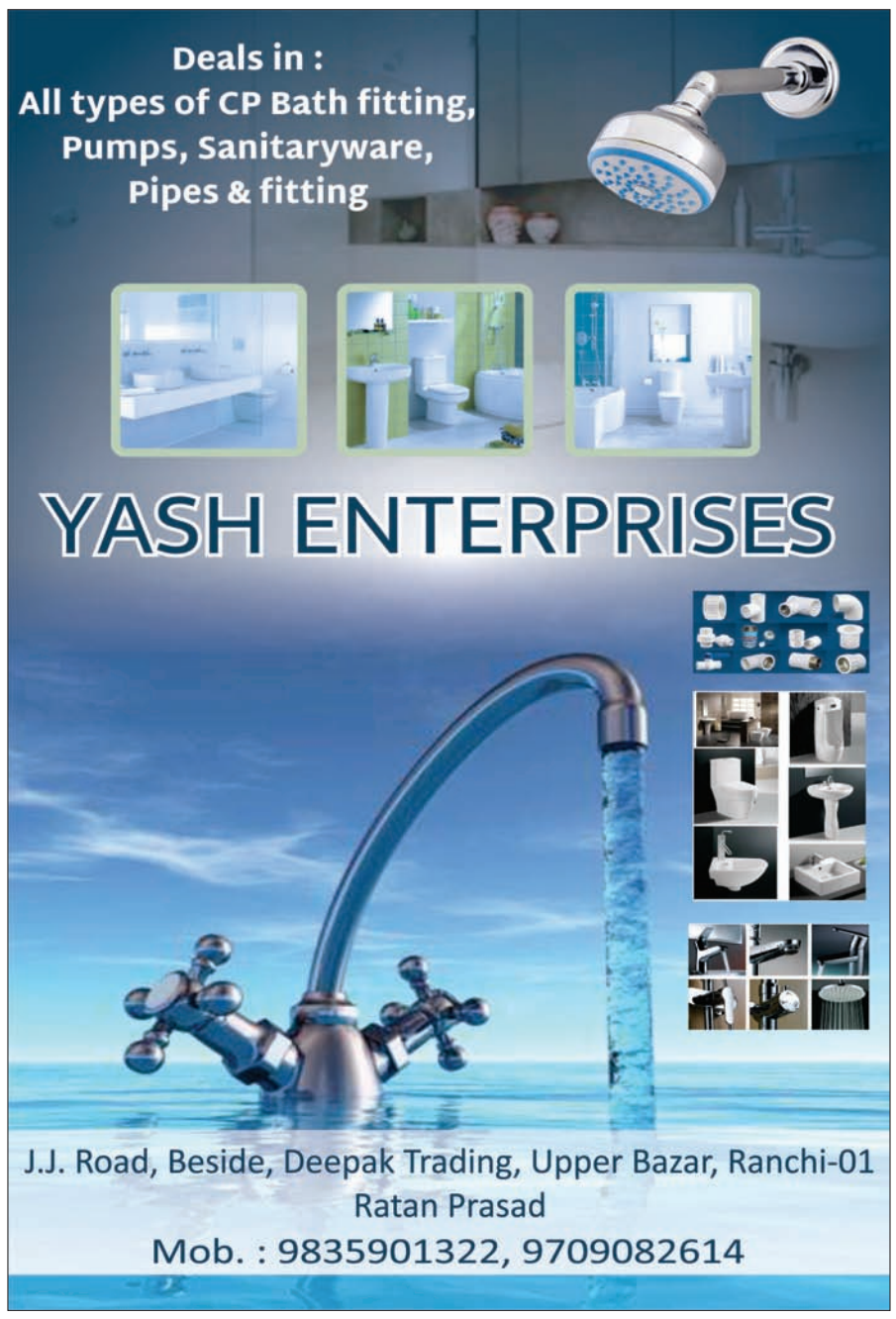

बेंगलुरु के दावणगेरे में पीएम ने किया रोड शो, बड़ी संख्या में उमड़े लोग

कांग्रेस कर्नाटक को अपने नेताओं के लिए एटीएम बनाना चाहती है: मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु के दावणगेरे में शनिवार को रोड शो किया। इसमें बड़ी संख्या में लोग उमड़े। पीएम मोदी ने बेंगलुरु में एक जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज विजय संकल्प रैली हो रही है। उसी समय हमारे कर्नाटक के कलबुर्गी में, जो कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कर्मभूमि है, आज वहां मेयर, उप-मेयर का चुनाव था और वहां भाजपा के मेयर, उप-मेयर जीत गये। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के घर में

भाजपा का विजय डंका बज गया। यह एक प्रकार से विजय संकल्प रैली का शुभ संकेत है कि विजय यात्रा आरंभ हो चुकी है। यह नतीजा साफ दिखा रहा है कि डबल इंजन सरकार की धमाकेदार वापसी का निर्णय कर्नाटक ने कर लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कर्नाटक ने अवसरवादी और स्वार्थी गठबंधन की सरकारों का लंबा दौर देखा है। ऐसी सरकारों से कर्नाटक को हमेशा नुकसान हुआ है। इसलिए कर्नाटक के तेज विकास के लिए भाजपा की पूर्ण बहुमत की स्थिर सरकार बहुत जरूरी है। भाजपा कर्नाटक को भारत के विकास की उभरती ताकत बनाना चाहती है, जबकि कांग्रेस राज्य को अपने नेताओं के लिए एटीएम बनाना चाहती है। पीएम मोदी ने विजय संकल्प यात्रा महासंगम को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग कहते हैं कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी, लेकिन वे नहीं जानते कि कर्नाटक के लोगों का एक सपना है कि मोदी तेरा कमल खिलेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कल मैंने कर्नाटक का एक वीडियो देखा। एक पार्टी के बड़े नेता, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री अपनी ही पार्टी के एक कार्यकर्ता को सार्वजनिक रूप से थप्पड़ मारने का आनंद ले रहे थे। जो अपने कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं कर सकते, वे जनता जनार्दन का सम्मान क्या करेंगे। कर्नाटक भाजपा का हर कार्यकर्ता, मेरे लिए मेरा एक मजबूत साथी है। यहां का हर कार्यकर्ता मेरा परम मित्र है, मेरा सहोदर है।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 56,400 रु./10 ग्राम
चांदी 72,500 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 26 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in

चार प्रदेश अध्यक्षों को बदलने के पीछे है भाजपा का बड़ा गेमप्लान

■ राजस्थान में वसुंधरा राजे को साधा, तो बिहार में कुशवाहा समाज को

■ दूरगामी रणनीति के तहत किया गया है दिल्ली-ओड़िशा में बदलाव

दो दिन पहले भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान और बिहार समेत चार राज्यों में नये प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किये। इनमें से राजस्थान में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इसलिए इस बदलाव को आगामी लोकसभा और इस साल कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी का बड़ा दांव माना जा रहा है। इस बदलाव को करते हुए पार्टी ने सभी राजनीतिक नफा-नुकसान को ध्यान में रखा है। दरअसल भाजपा ने 2024 के आम चुनाव को ध्यान में तो रखा ही है, साथ ही राजस्थान की सत्ता को दोबारा हासिल करने के लिए अपना सब कुछ झोंकने को तैयार है। लेकिन वसुंधरा राजे और सतीश पूनिया के बीच में फंसी पार्टी के लिए राह मुश्किल दिख रही थी। इसी कारण से भाजपा ने पूनिया को हटा कर दिग्गज ब्राह्मण नेता सीपी जोशी पर दांव लगाया है, जिससे वसुंधरा खेमे को साधने में उसे सफलता हासिल हो गयी है। उधर बिहार में डॉ संजय जायसवाल के स्थान पर सम्राट चौधरी को कमान सौंप कर भाजपा ने राज्य के कुशवाहा समाज को अपनी तरफ खींचने की योजना पर एक बड़ा कदम उठाया है। इसके अलावा भाजपा ने ओड़िशा और दिल्ली के प्रदेश अध्यक्षों को बदल कर अपने मिशन 2024 के लक्ष्यों को साधने की दिशा में कदम बढ़ाया है। आखिर भाजपा को इन चार प्रदेश अध्यक्षों को बदलने की जरूरत क्यों हुई और आगामी चुनावों में इस बदलाव का क्या असर पड़ेगा, यह जानना दिलचस्प हो सकता है। क्या है इसके पीछे भाजपा का पूरा गेमप्लान, बता रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

करीब एक साल बाद होनेवाले लोकसभा चुनाव और इस साल कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी ने चार राज्यों में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव किये। इसके तहत पार्टी ने बिहार विधान परिषद में पार्टी के नेता सम्राट चौधरी को बिहार इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया, जबकि चित्तौड़गढ़ से सांसद सीपी जोशी को भाजपा की राजस्थान इकाई की जिम्मेदारी सौंपी गयी। इनके अलावा दिल्ली भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा को प्रोन्नत करते हुए प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया और ओड़िशा के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता मनमोहन सामल को राज्य इकाई के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। यहां बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर भाजपा को इस समय यह बदलाव करने की जरूरत क्यों महसूस हुई। इस बदलाव के पीछे उसका कोई खास गेमप्लान है या फिर महज बदलाव के लिए ही यह सब किया गया है।

इन सवालों को जानने से पहले भाजपा की संगठनात्मक कार्यप्रणाली को जानना जरूरी है। अब यह साफ हो चुका है कि दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का कोई भी फैसला अकारण नहीं लिया जाता। पीएम मोदी, अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा पार्टी का हर कदम सोच-विचार कर उठाते हैं। इसलिए पार्टी आज लगभग अपराजेय स्थिति में आ चुकी है।

राजस्थान में बदलाव के पीछे प्लान 2023

बात शुरू करते हैं राजस्थान से, जहां इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। पिछले चुनाव में यहां भाजपा को सत्ता गंवानी पड़ी थी, लेकिन इस बार पार्टी कोई रिस्क लेना नहीं चाहती। कांग्रेस के भीतर जारी गहलोत बनाम सचिन पायलट की कलह का फायदा उठाने के क्रम में भाजपा को सहसा महसूस हुआ कि उसके भीतर की स्थिति भी लगभग वैसी ही है। वसुंधरा राजे बनाम प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया की दुश्मनी कहीं इस बार भी पार्टी को भारी न पड़ जाये। इसलिए पार्टी नेतृत्व में चित्तौड़गढ़ के सांसद सीपी जोशी को कमान सौंपने का फैसला किया। ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले सीपी जोशी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भारी मतों से जीत दर्ज की और दूसरी बार संसद पहुंचे। वह प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कितने कारगर साबित होंगे, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी नियुक्ति का सतीश पूनिया और वसुंधरा राजे, दोनों ने स्वागत किया है। पूनिया ने जोशी को बधाई देते हुए कहा, हम सब कृतसंकल्प हैं कि मिल कर 2023 में राजस्थान को कांग्रेस मुक्त बना कर भाजपा की बहुमत की सरकार बनायेंगे। उन्होंने आभार जताया कि उनके जैसे साधारण, किसान के घर में जन्मे एक कार्यकर्ता को तीन वर्षों तक जिम्मेदारी देकर पार्टी ने उन्हें सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि इन तीन वर्षों में संगठनात्मक रचना और आंदोलन द्वारा पार्टी को पूरी ताकत से धरातल पर सक्रिय करने में योगदान दे पाया। एक कार्यकर्ता के रूप में पार्टी के निर्देशानुसार जीवनपर्यंत काम करता रहूंगा। पूनिया ने कहा कि उनके कार्यकाल में सदन से लेकर सड़क तक भाजपा ने विपक्ष की भूमिका का निर्वहन ईमानदारी से किया और आज भाजपा राजस्थान में धरातल पर 50 हजार बूथों तक पहुंची है। वसुंधरा राजे ने भी सीपी जोशी को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर बधाई दी और उनके कार्यकाल की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। जोशी कभी राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के बेहद करीबी माने जाते थे। हालांकि उनके बारे में पार्टी के एक वर्ग का मानना है कि वह राजस्थान में भाजपा के किसी गुट के नहीं हैं। बता दें कि पूनिया के वसुंधरा से कभी अच्छे संबंध नहीं रहे। राजस्थान में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। प्रदेश भाजपा के एक नेता ने कहा कि उनकी नियुक्ति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे गुलाब चंद कटारिया को राज्यपाल नियुक्त कर दिया गया है, लिहाजा, उदयपुर संभाग में उनकी कमी को पूरा करने के लिए भाजपा को एक मजबूत नेता की जरूरत है, ताकि आगामी चुनावों में पार्टी को इन क्षेत्रों में कोई नुकसान ना हो।

बिहार में कुशवाहा समाज को संदेश

भाजपा ने बिहार प्रदेश की कमान सम्राट चौधरी के हाथों में सौंपी है। उन्हें वैश्य समाज से आनेवाले डॉ संजय जायसवाल के स्थान पर नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कुशवाहा (अन्य पिछड़ा वर्ग) समाज से आनेवाले सम्राट चौधरी बिहार के दिग्गज नेता रहे शकुनी चौधरी के पुत्र हैं। शकुनी चौधरी सात बार विधायक रहे हैं। जायसवाल ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में निश्चित ही संगठन नयी बुलंदियों को प्राप्त करेगा। सम्राट चौधरी बिहार भाजपा के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह 1999 में कृषि मंत्री और 2014 में शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। चौधरी 54 वर्ष के हैं और 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद उनके कद में लगातार इजाफा हुआ है। कभी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद के करीबी रहे सम्राट चौधरी ने वर्ष 2014 में राजद छोड़ कर जदयू का दामन थाम लिया था। इसके बाद वह भाजपा में आये थे। उनकी नियुक्ति कर भाजपा ने एक तीर से दो शिकार किया है। एक तरफ तो उसने राज्य में करीब पांच प्रतिशत कुशवाहा आबादी को अपनी तरफ खींचने की कोशिश की है और दूसरी तरफ नीतीश कुमार से हाल ही में अलग हुए उपेंद्र कुशवाहा को साफ संदेश दे दिया है कि भाजपा उनके किसी झांसे में नहीं आनेवाली है। इसके अलावा राजद और जदयू में सम्राट चौधरी के संपर्कों को भी भाजपा अपना हथियार बनाना चाहती है, ताकि समय आने पर नीतीश कुमार को सामने से चुनौती दी जा सके।

दिल्ली-ओड़िशा में बदलाव के पीछे खास प्लान

भाजपा ने दिल्ली और ओड़िशा में भी नये प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की है। वीरेंद्र सचदेवा को दिल्ली और मनमोहन सामल को ओड़िशा की कमान सौंपी गयी है। सचदेव को पिछले साल दिसंबर में दिल्ली भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। उन्होंने आदेश गुप्ता की जगह ली थी। कार्यकारी अध्यक्ष का पद संभालने के बाद सचदेवा दिल्ली में बेहद सक्रिय रहे और उन्होंने केजरीवाल सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा नेताओं के मुताबिक पंजाबी समुदाय से आने वाले सचदेवा को उनके कार्य का इनाम दिया गया है। इतना ही नहीं, पंजाब की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और दिल्ली के पंजाबी मतदाताओं को भी ध्यान में रखा गया है। सचदेव के बारे में कहा जाता है कि वह संगठन की हरेक कमजोरी को अच्छी तरह जानते हैं और बूथ मैनेजमेंट में माहिर हैं। मनमोहन सामल को ओड़िशा का प्रदेश अध्यक्ष बना कर भाजपा ने 2024 पर ध्यान लगाया है। वह समीर मोहंती का स्थान लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मोहंती का तीन साल का कार्यकाल इसी साल जनवरी में समाप्त हुआ था। सामल पूर्व में भी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वह प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री और राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। संगठन के कार्यों में उनकी कुशलता और लोक संपर्क के मोर्चे पर उनकी विशेषज्ञता का पार्टी लाभ उठाना चाहती है।

शिक्षक नियुक्ति पर फिर लगी रोक

जिलावार आरक्षण रोस्टर क्लियर होने पर ही होगी नियुक्ति

405 उत्कृष्ट और मॉडल स्कूलों में तीन हजार शिक्षकों की होनी थी नियुक्ति, फिर निकलेगा विज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची राज्य में होनेवाली शिक्षक नियुक्ति पर एक बार फिर रोक लग गयी है। ऐसा जिलावार आरक्षण रोस्टर क्लियर नहीं होने की वजह से हुआ है। ये नियुक्तियां राज्य के 80 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, 325 प्रखंड स्तरीय मॉडल स्कूल और 28 बालिका आवासीय विद्यालय में होनी थी। अब इन स्कूलों में नियुक्ति का विज्ञापन फिर से निकाला जायेगा। वहीं इन नियुक्तियों के लिए जिला वार आरक्षण रोस्टर क्लियर करने के लिए सभी जिलों को झारखंड शिक्षा परियोजना निर्देश भेजने वाला है।

क्यों नियुक्ति प्रक्रिया पर लगी रोक

दरअसल, जब इन स्कूलों में नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया गया था, तब राज्य सरकार ने आरक्षण की नीतियां क्लियर नहीं की थीं। इस बीच इन स्कूलों में जिलावार नियुक्ति का विज्ञापन जारी कर दिया गया। बीते एक हफ्ते पहले राज्य सरकार ने जिलावार आरक्षण रोस्टर क्लियर कर दिया। पूर्व में जिलवार नियुक्ति में इडब्ल्यूएस कोटे का जिक्र नहीं था, पर नये आरक्षण रोस्टर में इडब्ल्यूएस आरक्षण को जोड़ दिया गया। इसी वजह से नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए, फिर से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है।

तीन हजार से अधिक शिक्षकों की होनी है नियुक्ति

राज्य के 80 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, 325 प्रखंड स्तरीय मॉडल स्कूल और 28 बालिका आवासीय विद्यालय में लगभग तीन हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति होनी थी। नियुक्ति की प्रक्रिया 10 अप्रैल तक क्लियर कर लेने को कहा गया था। अब फिर से प्रक्रिया शुरू होने की स्थिति में मई अंत तक शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है। विद्यालयों में कांट्रैक्ट के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति होनी है। प्लस टू विद्यालय के लिए 27500 और हाइस्कूल के लिए 26250 प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किया गया है।

अब क्या होगा

अगले सप्ताह नये सिरे से नियुक्त को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया जायेगा। स्कूलों में कांट्रैक्ट के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति की जायेगी। उत्कृष्ट विद्यालय और प्रखंड स्तरीय मॉडल स्कूल में नियुक्ति के लिए फिर आरक्षण रोस्टर क्लियर किया जायेगा। अब सरकार के निर्णय के अनुरूप 10 फीसदी आरक्षण इडब्ल्यूएस कोटि के अभ्यर्थियों को दिया जायेगा। बता दें कि प्लस टू और हाइस्कूल दोनों नियुक्ति में जिला स्तरीय आरक्षण रोस्टर का पालन किया जायेगा।

28 बालिका विद्यालय में भी नियुक्ति पर रोक

राज्य के 28 झारखंड बालिका आवासीय विद्यालयों में भी शिक्षकों की नियुक्ति पर फिलहाल रोक लगा दी गयी है। इन विद्यालयों में भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने को लेकर पिछले दिनों झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा जिलों को दिशा-निर्देश दिया गया था। अब इसके लिए भी फिर से जिलों को पत्र जारी किया जायेगा। एक विद्यालय में कुल 11 शिक्षकों की नियुक्ति होगी। इनमें से चार शिक्षक की नियुक्ति कक्षा छह से आठ और सात शिक्षक की नियुक्ति कक्षा नौवीं से 12वीं के लिए की जायेगी।

एडीजे पद पर दुमका के पारस सिन्हा का चयन

बचपन का सपना हुआ पूरा, अधिवक्ता संघ ने दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

दुमका। बचपन से जज बनने का सपना देख पढ़ाई करनेवाले पारस सिन्हा को आखिरकार मुकाम मिल ही गया। वह अपर जिला जज (एडीजे) के तौर पर चयनित हुए हैं। इससे पहले दो बार झारखंड और बिहार न्यायिक सेवा के उच्च न्यायिक सेवा में इंटरव्यू तक पहुंचने में वह सफल रहे थे। इस बार इनका चयन अंतिम रूप से हुआ है। पारस सिन्हा के पिता प्रदीप कुमार सिन्हा दुमका व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ता हैं। इनके दादा भी अधिवक्ता थे। पारस की शुरूआती पढ़ाई संत जोसेफ हाइस्कूल, गुहियाजोरी से हुई। स्नातक एसपी कॉलेज से और वर्ष 2006 में एलएलबी की पढ़ाई दिल्ली विश्वविद्यालय से पूरी की। इस बार अपर जिला जज का एग्जाम दिया, तो वह पास हो गये। इस परीक्षा में उनका तीसरा रैंक है। पारस सिन्हा ने माता-पिता और पत्नी को इस सफलता के लिए धन्यवाद दिया। उनका कहना है कि माता-पिता और पत्नी का पूरा सहयोग रहा। शादी के बाद पढ़ाई कर पाना थोड़ा मुश्किल होता है, लेकिन सभी के सहयोग से इस मुकाम पर पहुंच पाया।

दुमका अधिवक्ता संघ ने दी बधाई

दुमका अधिवक्ता संघ के महासचिव राकेश कुमार ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि इस संघ से पहली बार किसी अधिवक्ता का चयन अपर जिला जज में हुआ। संघ के अध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि इससे नये अधिवक्ताओं में प्रतियोगिता परीक्षा के प्रति रुझान बढ़ेगा।

मुगमा में अवैध खनन के दौरान चट्टान गिरने से युवक की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

निरसा (धनबाद)। इस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड की मुगमा क्षेत्र स्थित खुसरी आउटसोर्सिंग परियोजना में शुक्रवार को अवैध कोयला खनन के दौरान पत्थर की चट्टान गिरने से एक युवक की मौत हो गयी। वहीं, गांव के दो लोग घायल हो गये, जिनका इलाज कराया जा रहा है।

चट्टान गिरने से बेलटिकरी गांव के 26 साल के राम तुरी की मौत हो गयी। इधर, इसीएल की खुसरी परियोजना के प्रबंधक सुनील चौरसिया ने ऐसी किसी भी घटना से इनकार कर दिया है। पुलिस ने भी घटना की पुष्टि नहीं की है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां 50 से अधिक महिला-पुरुष खुसरी आउटसोर्सिंग परियोजना में घुस कर कोयला काट रहे थे। राम भी उन लोगों के साथ कोयला काटने में लगा था। अचानक 40 फीट ऊंचाई से मलबे के साथ चट्टान नीचे गिरी। इसमें दबने से राम की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी।

तस्करों ने करवा दिया अंतिम संस्कार, खौफ में परिजन

मलबे की चपेट में आने से कोयला काट रहे दो अन्य लोग भी घायल हो गये। घटना होते ही अवैध खनन कर रहे लोगों में हड़कंप मच गया। उन्होंने घायलों और राम को निकाला, तब तक राम की जान जा चुकी थी। इसके बाद घायलों और शव को लेकर लोग भाग निकले।

तस्करों ने परिजनों से करवाया अंतिम संस्कार

इधर, तस्कर के गुर्गों ने परिजनों से बात कर राम तुरी के शव का अंतिम संस्कार भी करवा दिया। मरनेवाले की दो महीने की एक बेटी है। घटना के बाद से परिजन डरे हुए हैं। वे न तो आंसू बहा पा रहे, न ही कुछ बोल रहे। उनको तस्कर और उनके गुर्गों का भी खौफ है।

सीआइएसएफ की सुरक्षा, पर नहीं थम रहा अवैध खनन

सूत्रों ने बताया कि यहां अवैध खनन से निकाला गया कोयला संगठित गिरोह के सदस्य स्कूटर, साइकिल और मोटरसाइकिल से पास के जंगल में एकत्रित करते हैं। वहां से रात में मिनी ट्रक या पिकअप वैन से गोविंदपुर के बरवा, देवली और अन्य क्षेत्र में चल रहे कोयला भट्ठों में पहुंचाया जाता है। कुछ लोग कोयला जामताड़ा भी ले जाते हैं। परियोजना की सुरक्षा के लिए सीआइएसएफ और इसीएल की सिक्योरिटी टीम है, बावजूद अवैध खनन थम नहीं रहा। निरसा थाना के थानेदार दिलीप कुमार यादव ने कहा कि कोट खुसरी ओसीपी में अवैध खनन में मौत की तो कोई जानकारी नहीं है। हमारे पास कोई स्वजन भी ऐसी शिकायत करने नहीं आया। फिर भी पुलिस अपने स्तर से पता करेगी।

पलामू टाइगर रिजर्व में बाघ ने युवक पर किया हमला

घायल युवक को रिम्स में कराया गया भर्ती

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। पलामू टाइगर रिजर्व में बाघ के हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे राजधानी रांची के रिम्स में भर्ती कराया गया है। छिपादोहर पूर्वी क्षेत्र के चुंगरु गांव अंतर्गत कोरवामड़ई जंगल में बाघ ने एक युवक पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वन विभाग की सात टीम को बाघ की तलाश में लगाया गया है। इस टीम में 40 वनकर्मी हैं।

बेतला के रेंजर ने की बाघ के हमले की पुष्टि

बेतला के रेंजर शंकर पासवान ने इस बात की पुष्टि की है कि हमला बाघ ने ही किया है। उन्होंने बताया कि छिपादोहर पूर्वी के कोरवा मड़ई जंगल में शुक्रवार की शाम बाघ ने युवक पर हमला किया था।

युवक का वन विभाग की निगरानी में रिम्स में समुचित इलाज कराया जा रहा है। साथ ही माइकिंग और पर्चा के माध्यम से लोगों को लगातार सतर्क किया जा रहा है।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.7 ℃	19.2 ℃
सूर्यास्त (आज)	:	18.02 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.49 बजे

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 26 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in

आस्था : श्री शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद् देवी भागवत कथा के चौथे दिन मनुश्री महाराज के प्रवचन व भजन ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

नवरात्र मतलब रात्रि की उपासना, जिसने साध लिया, सब साध लिया : मनुश्री महाराज

चौथे दिन हुई मां भगवती के चौथे स्वरूप मां कुष्मांडा की पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जय-जय मां, जय-जय मां, जय-जय मां, हे कल्याणी जय-जय मां। जय-जय मां, जय-जय मां, हे रूद्राणी जय-जय मां। वृंदावन से पधारे संत मनुश्री महाराज ने जैसे ही इस भजन से कार्यक्रम की शुरुआत की, पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। उन्होंने हनुमान चालीसा का भी गायन मनमोहक अंदाज में किया। भजन गायन पर सभी भक्त झूमने को विवश हो गये।

कार्यक्रम था रांची के हेहल स्थित रूपा शाहदेव के पैतृक भूखंड पर चल रहे श्री शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद देवी भागवत कथा के आयोजन का। इस महायज्ञ का चौथा दिन भागवत भक्ति, शक्ति आराधना के नाम रहा। वाराणसी से आये यज्ञाचार्य नागेंद्र नाथ ओझा व सह यज्ञाचार्य निरंजन दास मिश्र ने जहां अपने वैदिक मंत्रों से पूरे वातावरण को भक्तिमय किया, वहीं वृंदावन वाले संत मनुश्री महाराज के भजन व प्रवचनों ने श्रद्धालु भक्तों को झूमने को विवश कर दिया। मां भगवती के जय-जयकारे से पूरा परिसर गूंजता रहा।

मनुश्री महाराज ने भजन-सत्संग के दौरान नवरात्र का मतलब समझाया। उन्होंने कहा कि नवरात्र का मतलब रात्रि की उपासना है। जिसने साध लिया, सब साध लिया। यह नवरात्र है, नव दिवस नहीं। इसमें दिन का महत्व नहीं, रात्रि का महत्व है। नवरात्रि, कालरात्रि व शिवरात्रि। ये रात्रियां विशेष हैं। जिसने भी साध लिया, सब साध लिया। साधना वाले दिन में सोते हैं व रात्रि में जगते हैं। आज भी लोग अनभिज्ञ हैं और दोपहर में माता का पूजन कर अपना काम पूरा समझते हैं, लेकिन नवरात्रि में जो सो गया, वो खो गया। यह शक्ति उपासना का पर्व है। जिसके पास शक्ति जितना ज्यादा है, उसी का बोलबाला है। संत मनुश्री महाराज ने एक-एक कर नवरात्र पूजन विधि, शक्ति की आराधना, कन्या पूजन की विधि व भोग की विधि को श्रद्धालुओं के बीच विस्तार से समझाया। उनकी अमृत वाणी से भक्त सराबोर हुए। भजन-सत्संग के बाद भक्तों ने खिचड़ी के भोग का प्रसाद ग्रहण किया और अपने-अपने घर चले गये।

मां कुष्मांडा की विधि-विधान से हुई पूजा

सुरासम्पूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च। दधारा हस्तपद्माभ्यां कुष्मांडा शुभदास्तु में। श्री शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद् भागवत कथा यज्ञ में बने भव्य यज्ञ मंडप में मां दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कुष्मांडा की विधि विधान से पूजन हुई। यजमानों के साथ पुरोहित यज्ञाचार्य नागेंद्र नाथ ओझा व सह यज्ञाचार्य निरंजन दास मिश्र ने वैदिक मंत्रों से मां का आह्वान किया और समस्त संसार के सुखों की कामना की। आचार्यों ने बताया कि कहते हैं, जब संसार में चारों तरफ अंधियारा छाया था, तब मां कुष्मांडा ने ही अपनी मधुर मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की थी। मां दुर्गा का यह स्वरूप अपने भक्त को आर्थिक ऊंचाइयों पर ले जाने में निरंतर सहयोग करता है। यज्ञ मंडप में मां के पूजन के बाद आहुति हुई और उसके बाद मां की आरती की गयी।

ये रहे अतिथि

महायज्ञ के चौथे दिन अतिथि के रूप में पूजा पंडाल में विधायक सीपी सिंह, पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शाहदेव, यशवर्धन नाथ शाहदेव, विवेकानंद चतुर्वेदी व उदय प्रताप सिंह मुन्ना पहुंचे थे। उन्हें मुख्य मंच पर मौजूद संत मनुश्री महाराज ने सम्मानित भी किया।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष कठिन परिश्रम-प्रयत्न से महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी, शत्रुबाधा से छुटकारा मिलेगा।

वृष नौकरी-व्यापार में सफलता मिलेगी, प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से महत्वपूर्ण काम बनेगा।

मिथुन आजीविका की स्थिति में सुधार होगा, बकाये रकम की प्राप्ति होगी, वस्त्र-आभूषण मिलेंगे।

कर्क धार्मिक-सामाजिक क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर मिलेगा।

सिंह क्रोध-जोश-उतावलेपन में वृद्धि होगी, वाहन की सवारी सावधानी से करें।

कन्या नौकरी में स्थानातंरण-पदोन्नति होने की संभावना, महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा।

तुला परिवार में संतान का विवाह मांगलिक कार्य संपन्न होगा, स्वजन-मित्रों का सहयोग।

वृश्चिक संतान पक्ष से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी,व्यवसाय की स्थिति में सुधार।

धनु इच्छित कार्य सफल होगा, महत्वपूर्ण समाचारों की प्राप्ति होगी,विरोधियों पर विजय।

मकर आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण बनेगा।

कुंभ दिमागी तनाव, इष्ट-मित्रों-स्वजनों से मार्मिक पीड़ा, परिश्रम-प्रयत्न से आवश्यक काम पूरा होगा।

मीन आयु-आरोग्य की रक्षा होगी, बकाये रकम की प्राप्ति, रोजी-रोजगार में उन्नति होगी

राज्य में रामनवमी पर पांच हजार होमगार्ड होंगे तैनात

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रामनवमी पर विधि व्यवस्था को दुरूस्त रखने के लिए राज्य के 24 जिलों में 5000 होमगार्डों की तैनाती होगी। इस संबंध में एडीजी अभियान ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन सभी जवानों की तैनाती 28 मार्च से एक अप्रैल तक के लिए होगी। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने स्वीकृति आदेश में कहा है कि रामनवमी पर्व पर विधि व्यवस्था के संधारण के लिए सभी जिलों के लिए 28 मार्च से लेकर 4 अप्रैल तक पांच दिन के लिए पांच हजार होमगार्ड जवानों की तैनाती पूरे प्रदेश में की जायेगी। 28 मार्च को सभी होमगार्ड अपने-अपने जिलों में योगदान देंगे, जहां से सभी पुलिस अधीक्षकों के जरिए उन्हें जिले की सुरक्षा और विधि व्यवस्था के संधारण के काम में लगाया जायेगा।रांची- 500, खूंटी- 100, रामगढ़- 100, लोहरदगा- 200, गुमला- 200, सिमडेगा- 100, जमशेदपुर- 300, चाईबासा- 200, सरायकेला- 150, धनबाद- 300, बोकारो- 300, पलामू- 250, गढ़वा- 250, लातेहार- 100, हजारीबाग- 500, चतरा- 200, कोडरमा- 100, गिरिडीह- 200, दुमका- 150, जामताड़ा- 300, साहिबगंज- 250, गोंदा- 100 और देवघर जिले में 150 होमगार्ड जवानों की तैनाती करने करने का आदेश है। हजारीबाग और राजधानी रांची में सबसे ज्यादा 500-500 होमगार्ड की तैनाती की जा रही है। क्योंकि, हजारीबाग की रामनवमी बेहद संवेदनशील होती है। अन्य जिलों में योगदान देने के बाद सभी होमगार्ड को जिलों के एसपी संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों पर अन्य सुरक्षा बलों के साथ तैनात करेंगे। कुछ स्थानों पर इन्हें ट्रैफिक व्यवस्था में भी लगाया जायेगा।

टाटा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बनायी योजना

कोल्हान में 4000 करोड़ निवेश करेगी टाटा कंपनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। टाटा समूह वित्तीय वर्ष 2025-26 तक जमशेदपुर सहित पूरे कोल्हान में 4000 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रहा है। इसमें 2000 नये लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें 75% स्थानीय युवाओं को मौका मिलेगा। अप्रैल में निवेश कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे। सूत्रों की मानें, तो नयी बहाली में कंपनी के सेवारत कर्मचारियों के बच्चों को भी नियोजन का मौका मिलेगा।

इन जगहों पर होगा निवेश

सबसे बड़ा निवेश टाटा स्टील की सहयोगी कंपनी टिनप्लेट में होनेवाला है। यहां करीब 1300 करोड़ का निवेश होगा। उत्पादन क्षमता 3.79 लाख टन से बढ़ा कर 6.79 लाख टन करने का लक्ष्य है। कंपनी जेम्को के पास करीब 40 एकड़ जमीन पर 0.5 मिलियन टन प्रति वर्ष उत्पादन का प्लांट लगाने वाली है। नया रॉड मिल स्थापित किया जायेगा। इसमें करीब 200 करोड़ का निवेश होगा।

गम्हरिया के टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट प्लांट का विस्तार होगा। तार कंपनी का विस्तार किया जाना है। इसमें नया वायर एंड रॉड मिल स्थापित होगा। ट्यूब डिवीजन का भी विस्तार होने वाला है। स्ट्रक्चरल पाइप के लिए नये प्लांट को स्थापित किया जाना है।

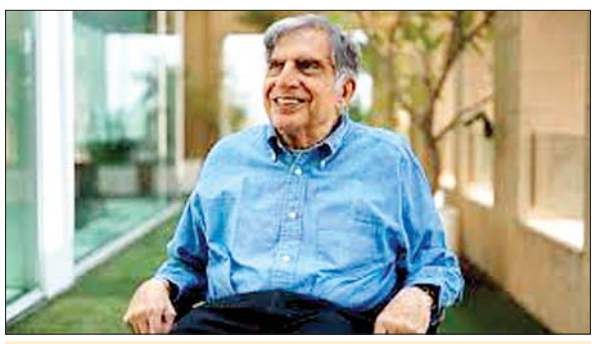

जेम्को कंपनी का भी विस्तार किया जायेगा

टाटा स्टील के भीतर करीब 1200 करोड़ का निवेश होने वाला है। अगले तीन साल में नयी प्रौद्योगिकी और नये मैटेरियरल की तलाश को लेकर टाटा स्टील करीब 1200 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। इसके जरिये ही ग्राफीन उत्पाद को तैयार किया गया है। ग्राफीन के अलावा नये तरीके के उत्पाद पर काम चल रहा है। चार तरह के नये उत्पाद को टाटा स्टील तैयार कर रही है, जिसमें मेडिकल से जुड़े उत्पाद भी हैं। फिलहाल ग्राफीन का कारोबार 500 करोड़ का हो चुका है।

27 मार्च को जमशेदपुर में आजसू पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 27 मार्च को जमशेदपुर में आजसू पार्टी की केंद्रीय समिति की एक अहम बैठक होगी। बैठक में अगले वर्ष होनेवाले चुनाव को लेकर कई अहम फैसले भी लिये जाने की उम्मीद है। पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि गोल्डन लीफ रिसार्ट, पाराडीह काली मंदिर, जमशेदपुर में पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक पार्टी अध्यक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम सुदेश महतो की अध्यक्षता में होनी है। इसमें राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात की समीक्षा होगी। रामगढ़ उपचुनाव के बाद पार्टी में बढ़े ऊर्जा संचार और भावी योजनाओं पर भी चर्चा होनी है। संगठन को मजबूत करने के अलावे अगले वर्ष 2024 में होनेवाले चुनाव के लिए नये सिरे से इसकी तैयारी में लगने को लेकर कई अहम फैसले लिये जायेंगे, साथ ही इस बैठक में केंद्रीय महाधिवेशन की बैठक की घोषणा भी किये जाने की उम्मीद है। समिति की बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय समिति के सभी सदस्य, आमंत्रित सदस्य, विधानसभा प्रभारी, जिला अध्यक्ष, कार्यकारी जिला अध्यक्ष और महासचिव के अलावे अन्य भी शामिल होंगे।

एनआइए ने नक्सली अमन गंझू और जतरू खेरवार बुलबुल को रिमांड पर लिया

रांची। एनआइए ने कुख्यात नक्सली कमांडर अमन गंझू और जतरू खेरवार को रिमांड पर लिया है। अगले तीन दिन तक अमन और जतरू से एनआइए बुलबुल जंगल में आइइडी ब्लास्ट को लेकर पूछताछ करेगी।

एनआइए की तरफ से दोनों ही कुख्यात नक्सलियों से पूछताछ के लिए पांच दिनों की रिमांड की अवधि की डिमांड की गयी थी। हालांकि अदालत ने फिलहाल मात्र दो दिनों तक की ही रिमांड को मंजूर किया है। दोनों नक्सली कमांडर रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद हैं।

युवा कांग्रेस ने पीएम मोदी का पुतला फूंका

युवा नेताओं ने कहा- राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त होना लोकतंत्र के लिए काला दिन है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। युवा कांग्रेस महानगर कार्यकारी अध्यक्ष कुमार विक्की के नेतृत्व में शनिवार को सैकड़ों युवाओं ने हरमू चौक पर काली पट्टी बांध कर केंद्र सरकार के रवैये का विरोध किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। मौके पर कुमार विक्की ने कहा कि हमारे नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद की सदस्यता खत्म करना हाइपर एक्टिव डिसीजन है। न्यायालय मोदी के इशारे पर कार्य कर रहा है।

भारत जोड़ो यात्रा से डर कर भाजपा इस तरह का कार्य कर रही है। युवा नेताओं ने कहा कि सदस्यता समाप्त होना लोकतंत्र के लिए काला दिन है, देश अमृतकाल नहीं आपातकाल की ओर अग्रसर है। चोर, लुटेरे बेफिक्र घूम रहे हैं और सजा केवल आवाज उठाने वाले को मिल रही है। सदस्यता खत्म करवाना एवं चुनाव के लिए आयोग्य ठहराने वाली कार्रवाई से भाजपा का चेहरा साफ नजर आ गया है, जिसे जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। यह लोकतंत्र का अपमान है और तानाशाही के अंत की शुरुआत है।

केंद्र सरकार ने देश की सभी एजेंसियों को विपक्ष के पीछे लगा दिया है, ताकि विपक्ष की आवाज को दबाया जा सके। कांग्रेस न तो कभी रुकी है और ना ही कभी रुकेगी।

कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस संगठन प्रभारी रवींद्र सिंह, ओबीसी अध्यक्ष अभिलाष साहू, प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अजयनाथ शाहदेव, प्रदेश सचिव अमरेंद्र सिंह, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश सिन्हा सन्नी, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप रवि, प्रदेश महासचिव प्रियंका सिसोदिया, प्रदेश सचिव सदाब खान, महानगर अध्यक्ष जामिल अख्तर, महासचिव मोहम्मद एनयतुला, रांची विधानसभा अध्यक्ष गौरव सिंह, हटिया विधानसभा अध्यक्ष रवि सिंह, हटिया विधानसभा के उपाध्यक्ष अंकित सिंह राठौर, कांके विधानसभा के उपाध्यक्ष हुसैन अंसारी, चांदनी, आशिक अंसारी, पवन कुमार, तालिब, साहिल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

शाबाश : किराये पर लिये थे कपड़े, गांव की बेटियों के लिए प्रेरणा

ट्रक ड्राइवर की बेटी सुषमा बनी मिस आइकन इंडिया

अनोज शर्मा

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। रांची के ओरमांझी ब्लॉक में एक गांव है रोला। इस गांव की बेटी सुषमा ने 'मिस आइकॉन ऑफ इंडिया' का खिताब जीता है। इस प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़ में हुआ था। एक साधारण परिवार से आने वाली सुषमा आम लड़कियों के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है। सुषमा के पिता राजेंद्र महतो ट्रक ड्राइवर हैं और मां उर्मिला खेतीबारी करती हैं। सुषमा बचपन से ही मॉडल बनना चाहती थी। सपना अब पूरा हुआ। यह उन लड़िकयों के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं। यही नहीं, सुषमा ने कस्तूरबा बालिका विद्यालय से मैट्रिक किया है। आरटीसी स्कूल, बूटी मोड़ से इंटर और अभी रांची विश्वविद्यालय के मासकॉम में प्रथम वर्ष की छात्रा है।

एंकरिंग ने दिखायी राह

सुषमा कहती है कि बचपन से ही एंकरिंग का शौक था। कई कार्यक्रमों में एंकरिंग करती हूं। ग्लैमर प्रोडक्शन हाउस, दिल्ली ने मिस आइकान आफ इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए फोन किया, तो हमें विश्वास ही नहीं हुआ। मैं एक गांव की रहनेवाली हूं। घर-परिवार बहुत सामान्य।

फिर प्रोडक्शन हाउस ने बताया कि आपको एंकरिंग करते हुए देखा है और आप इसमें शामिल हों, तब थोड़ा विश्वास हुआ। प्रोडक्शन हाउस ने कार्यक्रम में भाग लेने और कार्यक्रम स्थल के बारे में जानकारी दी।

किराये पर लिये कपड़े

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मेरे पास कपड़े नहीं थे। पिता के पास भी इतने पैसे नहीं थे कि नया कपड़ा ले सकूं। कहीं पढ़ रखा था कि रांची के अरगोड़ा के पास किराये पर कपड़े मिलते हैं। गुगल पर सर्च किया तो पता चल गया। फोन किया तो बोला, आकर आप देख लें। इसके बाद यहां आकर कपड़ा पसंद किया।

पिताजी ने मुझे 3500 रुपये दिये थे, तो मैंने दो हजार रुपये तक के वस्त्र भाड़े पर लिये। छत्तीसगढ़ आने-जाने में 1200 खर्च होना था और खाने-पीने और आटो भाड़ा के लिए तीन सौ बचा लिये थे। इस तरह रांची से छत्तीसगढ़ का सफर तय हुआ।

फिनाले में तीस का हुआ था चयन

सुषमा ने बताया कि फिनाले में तीस का चयन हुआ था। ये तीस लड़कियां बड़े-बड़े शहरों से ताल्लुक रखने वाली थीं। उनकी पढ़ाई भी अच्छे स्कूल-कालेज में हुई थी, जबकि मैं सरकारी स्कूल से थी। फिर भी हौसला कम नहीं हुआ। जब 5 मार्च को फिनाले की घोषणा हुई तो कान पर विश्वास नहीं हुआ। खिताब मेरे सिर पर बंध गया था। वह आगे कहती है कि इतनी बड़ी खुशी की उम्मीद नहीं थी। आंखों से आंसू छलक उठे। यह किसी बड़े सपने के सच होने जैसा था। मां-पिता सभी खुश थे। गांव-घर सब। एक सपना देखा था, वह सच हुआ। मेहनत बेकार नहीं गयी।

मिस इंडिया प्रतियोगिता में जाने की इच्छा

अब, सुषमा मिस इंडिया प्रतियोगिता में जाने की इच्छा रखती है। अगला लक्ष्य मिस इंडिया प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करने का है। उसने बताया कि आगे जो भी अवसर मिलेगा, आगे बढ़ेंगे। इसके लिए विशेष तैयारी करेंगे।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 26 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in
04

प्रदीप यादव ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

स्कूल टाइमिंग में बदलाव करने का किया आग्रह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिख कर स्कूलों के समय में बदलाव की मांग की है। उन्होंने सरकारी औरसरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में गर्मी के समय में कक्षा संचालन के समय में बदलाव करने की बात कही है। दरअसल, विभाग द्वारा जो समय जारी किया गया है, उसको बदलने का आग्रह किया गया है। सरकारी विद्यालयों को 1 अप्रैल से 30 जून तक सुबह सात बजे से 2 बजे दिन तक चलाने को कहा गया है, जिसे विधायक ने सुबह सात बजे से बारह बजे तक ही रखने की मांग की है। बता दें कि विभाग ने 15 मार्च को आदेश जारी किया था।

कोई भी हादसा हो सकता है

विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवधि में कक्षा संचालन के लिए विभाग ने जो आदेश जारी किया है, उसमें सरकारी विद्यालयों को एक अप्रैल से 30 जून तक प्रातः सात बजे से दो बजे तक चलाने को कहा गया है। इसके साथ ही 1 बजे से दो बजे तक खेल गतिविधियां शामिल हैं। इसे ही विधायक प्रदीप यादव ने अव्यावहारिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि गांव के बच्चे सुबह भूखे पेट स्कूल चले जाते हैं। गर्मी के दौरान कोई भी हादसा हो सकता है। इसलिए बारह बजे तक ही स्कूल रखा जाना चाहिए। बच्चों के हित को देखते हुए प्रदीप यादव ने सरकार से समय में बदलाव का अनुरोध किया है।

आस्था : खरना रविवार को कृतिका नक्षत्र में होगा

नहाय-खाय के साथ चैती छठ महापर्व शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नहाय खाय के साथ चैती छठ महापर्व शनिवार से शुरू हो गया है। खरना रविवार को कृतिका नक्षत्र में होगा। इस दौरान प्रीति एवं रवियोग रहेगा। वहीं, सोमवार को संध्याकालीन अर्घ्य शाम 06.02 बजे और प्रातःकालीन अर्घ्य मंगलवार की सुबह 05.48 दिया जायेगा। 27 मार्च को आयुष्मान योग, रोहिणी नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्धि योग में अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा, जबकि 28 मार्च को मृगशिरा नक्षत्र, सौभाग्य और सर्वार्थ सिद्धि योग में उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती पुण्य प्राप्त करेंगे। चैती छठ महापर्व में खरना के दिन कुमार कार्तिकेय की माता देवी स्कंदमाता की पूजा होती है। वहीं, संध्या अर्घ्य के दिन माता कात्यायनी और प्रातः अर्घ्य के दिन माता कालरात्रि की पूजा होती है। चैत्र नवरात्र के दौरान जो श्रद्धालु चैती छठ का व्रत रखते हैं, उन्हें छठ मैया के साथ इन देवियों का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस व्रत से बल, आरोग्य, समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति होती है।

रमेश सिंह का जन्मदिन मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति, भुतहा तलाब में महासमिति के मुख्य संरक्षक रमेश सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चैती दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना की गयी। उसके बाद प्रसाद वितरण किया गया और जन्मदिन बनाया गया। उसके बाद प्रत्येक शनिवार की तरह इस शनिवार भी भोग वितरण किया गया। इसमें खिचड़ी, अचार, चीप्स और आलू चोखा बांटा गया। इसमें मुख्य रूप से उपस्थित महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू, रमेश सिंह, मिंटू चौबी, बंटी शर्मा, संजय सिंह (लल्लू सिंह), राहुल सिंह, नमन भारतीय, करण सिंह, मोहित रजक, आकाश रजक, अर्जुन सिंह, रोहन सिंह, आशीष रजक, प्रियांशु वर्मा, सौरभ रजक, शेखर रजक, आयुष वर्मा, यश वर्मा आदि उपस्थित थे।

सफल आयोजन के लिए बबलू मुंडा ने जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शनिवार को केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि प्राकृतिक धार्मिक और सांस्कृतिक महापर्व सरहुल शोभायात्रा के सफल आयोजन के लिए रांची जिला प्रशासन, रांची जिला प्रशासक, रांची जिला स्वास्थ्य विभाग, तमाम सरना समिति, महावीर मंडल रांची, गुरुद्वारा कमेटी अंजुमन इस्लामिया कमेटी, सभी धार्मिक सामाजिक संगठनों को सरहुल शोभायात्रा का केंद्रीय सरना समिति की ओर से धन्यवाद और बधाई दी और आभार प्रकट किया। मुंडा ने कहा कि सरहुल शोभायात्रा के सफल आयोजन के लिए रांची के उपायुक्त रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक एवं उनकी पूरी टीम ने रात दिन मेहनत करके सरहुल शोभायात्रा का सफल आयोजन हुआ है। रांची में सभी समुदाय के लोगों ने सरहुल शोभायात्रा को हर्ष उल्लास एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में प्रकृति महापर्व सरहुल को मनाया है आगामी आने वाला रामनवमी भी हर्षोल्लास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनायेंगे।

कोल इंडिया मैराथन में साढ़े पांच हजार से अधिक धावक होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड के तत्वाधान में सीसीएल द्वारा आयोजित कोल इंडिया मैराथन में देशभर से लगभग साढ़े पांच हजार से अधिक लोग/धावक ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है। मैराथन को लेकर लोगों में काफी उत्साह एवं जोश देखा जा रहा है। जिला प्रशासन, राज्य सरकार, स्कूल, कॉलेजों आदि सभी का सहयोग मिल रहा है। इस बहुप्रतिक्षित मैराथन में हर आयु वर्ग के लोग शामिल हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त भी विभिन्न खेलों से संबंध भूतपूर्व खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर अपना संदेश देकर आमजनों को प्रतिभागी बनने के लिए प्रेरित किया है। एथलेटिक फेडरेशन के तकनीकी सहयोग से मैराथन का आयोजन वृहद स्तर पर किया जा रहा है। इस मैराथन रेस में महिलाओं और पुरुषों की चार श्रेणियां निर्धारित की गयी हैं। इन श्रेणियों में क्रमशः पूर्ण मैराथन (42.19 किलोमीटर), हाफ मैराथन (21.09 किलोमीटर)के साथ-साथ 10 किलोमीटर तथा 5 किलोमीटर की दौड़ शामिल है। फुल मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धावक को 3 लाख रुपये का नगद इनाम दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त भी कोल इंडिया द्वारा इस दौड़ में विभिन्न श्रेणियों को मिलाकर पुरस्कार स्वरूप कुल 29.7 लाख रुपये की राशि सुनिश्चित की गयी है।

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले धावक को 3 लाख रुपये का नगद इनाम

श्री श्याम मंदिर में विशेष पूजन का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में हिंदू नववर्ष प्रतिपदा से प्रतिदिन विशेष पूजन हो रहा है। श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि मंदिर में बासन्तिक नवरात्र का अनुष्ठान मंदिर के आचार्य संजय पांडेय द्वारा विधि विधान से किया जा रहा है।
बासंतिक नवरात्र के अवसर पर व प्रत्येक शनिवार को हो रहे श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया गया। मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी की देखरेख में भंडारे का प्रसाद निर्मित कर मंदिर में विराजमान सभी देवी -देवताओं व गुरुजनों को भोग अर्पित किया गया। अध्यक्ष सुरेश सरावगी, पूर्व सांसद अजय मारु, राजीव रंजन मित्तल ने मंदिर के अचार्यो को भंडारे का प्रसाद खिला कर भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया। भंडारा वितरण में राजीव रंजन मित्तल, प्रदीप राजगड़िया, श्रवण ढाढनियां, श्याम सुंदर शर्मा, अमित सरावगी, अन्नपूर्णा सरावगी, कविता मित्तल,रमा सरावगी, अनिल नारनौली, अनुज मोदी, आशीष डालमिया, स्नेह पोद्दार, श्याम सुंदर जोशी, राहुल मारु, अभिषेक सरावगी सहित अन्य स्वयंसेवकों ने भंडारा व्यवस्था वितरण में सहयोग किया।

मंगलवार को श्री सुंदरकांड

श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड़ के श्री श्याम मंदिर में 28 मार्च मंगलवार को सायं 4-30 बजे से 42 वां श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ का आयोजन होगा।

बापू वाटिका में कांग्रेस का सत्याग्रह आज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द होने के विरोध में पूरे देश में कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने की रूपरेखा तैयार की है। इसी कड़ी में रविवार को प्रदेश कांग्रेस के तत्वावधान में मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सत्याग्रह किया जायेगा। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने इस बाबत राज्य के तमाम जिलाध्यक्षों को भी अपने-अपने जिले में सत्याग्रह कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है। साथ ही रांची में आयोजित सत्याग्रह कार्यक्रम के लिए भी रांची महानगर एवं रांची ग्रामीण कांग्रेस को निर्देश दिया है। सत्याग्रह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने को कहा गया है। ठाकुर ने कहा है कि कन्याकुमारी से कश्मीर तक नफरत, महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ जनता का अपार समर्थन के साथ राहुल गांधी की ओर से तय की गयी लगभग 4000 किलोमीटर की लंबी भारत जोड़ो यात्रा तथा संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अडाणी के रिश्ते पर सवाल खड़ा करने के बाद मोदी सरकार पूरी तरह से बौखला गयी है। सदन में भी राहुल गांधी की आवाज को लगातार दबाया गया। देश के राजनीतिक इतिहास में पहली घटना घटी कि सत्ताधारी भाजपा के द्वारा ही लगातार सदन की कार्यवाही को बाधित किया गया, लेकिन हम इससे भी घबराने वाले नहीं हैं। कांग्रेस देश की जनता की आवाज के लिए हमेशा लड़ेगी।

डीएवी हेहल में शिक्षक प्रशिक्षण संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल रांची में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ वेद मंत्रों के पाठ के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की कक्षा इइडीपी से लेकर कक्षा 12वीं तक के लगभग 200 शिक्षकों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञों ने 'एक्सपेरिएंटीएल लर्निंग','स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस एंड आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग', 'स्कूल हेल्थ एंड वैलनेस प्रोग्राम' विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। डीएवी पब्लिक स्कूल्स झारखंड जोन-बी के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी एम के सिन्हा ने कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला शिक्षकों को नयी तकनीक के साथ पढ़ाने में मदद करती है। इस कार्यशाला के समन्वयक (कोऑर्डिनेटर) अनुज कुमार मिश्रा, प्राचार्य डीएवी सिल्ली ने कहा कि हम सभी बड़े भाग्यशाली हैं, क्योंकि शिक्षकों को रोज कुछ नया सीखने और सिखाने का मौका मिलता है। इस अवसर पर डीएवी, खलारी के प्राचार्य वीपी रॉय ने भी अपने विचार रखे।

युवाओं ने मोरहाबादी में किया प्रदर्शन

फूंका पुतला, कहा : 60-40 नाय चलतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में अब 60-40 नियोजन नीति लागू होने के बाद छात्रों में आक्रोश उमड़ पड़ा है। शनिवार को झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन के की तरफ से मोरहाबादी में बड़ी संख्या में छात्रों ने मुख्यमंत्री की शव यात्रा निकाली। उनका पुतला दहन किया। इस पुतला दहन के बाद छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि हम शुद्ध रूप से छात्र हैं। हम सरकार से वार्ता करना चाहते हैं। हमारे कई आंदोलन होने के बाद बौखलाई हुई सरकार का बाहरी प्रेम अब खुलकर दिखने लगा है। 23 मार्च को हुए विधानसभा घेराव में हमारे ऊपर लाठीचार्ज किया गया। हमारे कई साथी अब भी अस्पताल में इलाजरत हैं। इस हक मार नियोजन नीति के खिलाफ राज्य के सभी जिलों में मुख्यमंत्री पुतला दहन एवं कैंडल मार्च किया जायेगा।

छात्रों ने सरकार को 27 मार्च तक का अल्टीमेटम दिया

छात्रों ने सरकार को 27 मार्च तक का अल्टीमेटम दिया है। कहा है कि सरकार छात्रों के हक में 27 मार्च तक फैसला ले नहीं तो पूरे राज्य में छात्रों के द्वारा नाकेबंदी किया जायेगा।

सर जीडी पाटलिपुत्र हाइस्कूल, पटना के 80 बैच के पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह रांची में

रांची (आजाद सिपाही)। पटना के सुप्रसिद्ध स्कूल सर जीडी पाटलिपुत्र हाइस्कूल 1980 बैच के पूर्ववर्ती छात्रों का मिलन समारोह ए भी एन ग्रैंड, रांची में आगामी 7 अप्रैल (शुक्रवार) को आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति ने यह बताया की वैसे तो पटना में 2015 से ही पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन होता रहा है लेकिन पहली बार झारखंड के विभिन्न शहरों में रह रहे सहपाठियों के लिए यह आयोजन किया गया है।
उन्होंने यह भी बताया की पटना से बाहर रहने वाले सहपाठी किसी न किसी कारणवश पटना में आयोजित मिलन समारोह में शामिल नहीं हो पाते थे। इस बार झारखंड में रहने वाले सहपाठियों के लिए एक नई शुरूआत की गई है। इसलिए उनके पास सुनहरा मौका है इसमें शामिल होने का और वे अतिउत्साहित हैं कि उन्हें अपने सहपाठियों व उनके परिवार से मिलने का मौका प्राप्त होगा।

सीएमपीडीआइ के सीएमडी से मिलीं आशा मालवीय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआइ के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार से राष्ट्रीय एथलेटिक्स खिलाड़ी और प्रसिद्ध पर्वतारोही आशा मालवीय ने मुख्यालय, रांची में आकर भेंट कीं। श्री कुमार ने सुश्री मालवीय को महिला सुरक्षा और अधिकार के बारे में जागरूकता फैलाने के उनके प्रयास और समर्पण की सराहना की और बधाई दी। इस मौके पर सीएमपीडीआइ के महाप्रबंधक (तकनीकी/जनसम्पर्क) संजय कुमार दुबे और मुख्य प्रबंधक (भूविज्ञानी) राजीव कुमार सिंह उपस्थित थे। ज्ञात हो कि आशा मालवीय महिला सुरक्षा और महिला अधिकार पर जागरूकता फैलाने के लिए अखिल भारतीय सोलो साइकिलिंग कर रही हैं, जिसका उद्देश्य भारत के 28 राज्यों में 25000 किलोमीटर की दूरी तय करना है। मालवीय मध्यप्रदेश के जिला राजघर के अंतर्गत नाताराम ग्राम की रहनेवाली हैं। उन्होंने 1 नवंबर, 2022 को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से अपनी अखिल भारतीय सोलो साइकिलिंग यात्रा शुरू की थी।

पूर्वजों के रास्तों पर चल कर जल, जंगल, जमीन और प्रकृति की रक्षा करनी होगी: विजय शंकर नायक

जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आंदोलन तेज करेंगे: लोबिन हेंब्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड बचाओ मोर्चा के मुख्य केंद्रीय संयोजक सह विधायक लोबिन हेंब्रम ने शनिवार को मुख्य अतिथि के तौर पर बड़कागढ़ स्टेट सरहुल पूजा जगन्नाथपुर में खतियानी सरना स्थल में कहा कि झारखंड राज्य प्रकृति से जुड़ा भारत का वह राज्य है, जहां प्रकृति को हर तरीके से पूजा जाता है। जल, जंगल, जमीन से परिपूर्ण झारखंड राज्य में आज जल जंगल जमीन की लूट हो रही है। सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।

कहा- झारखंड में आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है, जंगल काटे जा रहे हैं

सीएनटी, एसपीटी एक्ट होते हुए भी झारखंड में आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है। जंगल काटे जा रहे हैं, मगर आज कोई देखनेवाला नहीं है। इसलिए हमें संकल्प लेना होगा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपने पूर्वजों की तरह ही राज्य में आज आंदोलन को गति देने की आवश्यकता है, ताकि हम जल जंगल जमीन की रक्षा कर सकें और अपने पूर्वजों के देखे गये सपनों को पूरा कर सकें। इस अवसर पर झारखंड बचाओ मोर्चा के केंद्रीय संयोजक विजय शंकर नायक ने कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति पर्व है और झारखंड राज्य के लगभग सभी जनजाति एंव मुलवासी समाज प्रकृति से बिल्कुल करीब होते हैं। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति को बचाने के लिए जो रास्ते दिखाये हैं, हमें उन रास्तों पर चल कर जल, जंगल, जमीन और प्रकृति की रक्षा करनी होगी, तभी हम आने वाले पीढ़ी को प्रकृति से परिपूर्ण झारखंड दे सकते हैं। इस अवसर पर बड़कागढ़ स्टेट सरहुल पूजा जगन्नाथपुर खतियानी सरना स्थल के अध्यक्ष अमित तांबा, विक्की पहान, उपाध्यक्ष आनंद तांबा, सचिव अनूप तांबा, संजीत तिर्की, कोषाध्यक्ष राजेश बाड़ा, संजय उरांव मौजूद रहे। बिरजू मुंडा ने इस दौरान सभी का पारम्परिक तरिके से स्वागत किया और सरइ फूल कान में लगाया।

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 26 मार्च, 2023
www.azadsipahi.in

अप्रैल में खत्म होगा रांची सहित 35 नगर निकायों का कार्यकाल

चुनाव नहीं होने के कारण मुख्यमंत्री से अवधि विस्तार की पार्षद करेंगे मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार के द्वारा ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही नगर निकाय चुनाव कराने का फैसला किया गया है। इस फैसले के बाद स्पष्ट हो गया है कि राज्य में फिलहाल नगर निकाय चुनाव नहीं होंगे। इस सबके बीच रांची नगर निकाय सहित झारखंड के 35 नगर निकायों का कार्यकाल अगले महीने यानी अप्रैल में खत्म हो रहा है। ऐसे में इन नगर निकायों पर जनप्रतिनिधियों के बजाय सरकारी बाबुओं का राज कायम हो जायेगा। हालांकि इस संबंध में राज्य सरकार के द्वारा अभी तक कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। बता दें कि रांची नगर निगम बोर्ड का कार्यकाल 27 अप्रैल को खत्म हो रहा है। इसी तरह से राज्य के अन्य 35 नगर निकायों का अप्रैल महीने में कार्यकाल खत्म होगा। इससे पहले 13 नगर निकायों का चुनाव साल 2020 से ही विभिन्न कारणों से लंबित पड़ा हुआ है। इस तरह से अप्रैल के बाद यानी मई महीने से राज्य के सभी नगर निकाय क्षेत्र जनप्रतिनिधि के अधिकार क्षेत्र से दूर होकर पदाधिकारियों के भरोसे काम करेगा।

अवधि विस्तार के लिए मुख्यमंत्री से मिलेंगे पार्षद : रांची नगर निगम सहित राज्य के अन्य नगर निकाय बोर्ड के कार्यकाल खत्म होने के बाद उत्पन्न होने वाली परिस्थिति को देखते हुए पार्षदों ने राज्य सरकार से अवधि विस्तार की मांग की है। रांची नगर निगम के वार्ड पार्षद अरुण झा के अनुसार इस संबंध में जल्द ही एक शिष्टमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर आम लोगों को होने वाली परेशानी को देखते हुए नगर निगम बोर्ड की अवधि विस्तार की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि पदाधिकारियों के भरोसे नगर निगम क्षेत्र में लोगों को साफ-सफाई, सड़क मरम्मत, वृद्धा पेंशन, पानी जैसी जन सुविधाएं मुहैया नहीं करायी जा सकती हैं। ऐसे में राज्य सरकार ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करें और वर्तमान निगम बोर्ड के कार्यकाल को अवधि विस्तार दे।

15वें वित्त आयोग की राशि मिलने में होगी परेशानी : नगर निगम बोर्ड का कार्यकाल खत्म होने के बाद इन नगर निगम क्षेत्रों में आम लोगों की परेशानी बढ़ने के साथ-साथ राज्य सरकार को भी केंद्रीय सहायता मद की राशि मिलने में परेशानी होगी। 15वें वित्त आयोग से झारखंड को करीब 16 सौ करोड़ रुपये मिलने हैं, जिसके जरिए शहरी क्षेत्रों में विकास कार्य होने हैं। चुनाव नहीं कराने या शक्तियों का हस्तांतरण नहीं होने से स्थानीय निकाय कमजोर होने के साथ-साथ वित्त आयोग की अनुशंसा पर मिलने वाली सहायता राशि पर भी ग्रहण लग सकता है।

महत्वपूर्ण न्यूज

राकेश रंजन की पुस्तक जन आक्रोश का विमोचन

रांची (आजाद सिपाही)। डॉ राकेश रंजन, एमबीबीएस के द्वारा लिखी गयी स्पर्धा प्रकाशन द्वारा मुद्रित कविता संग्रह 'जन आक्रोश' का विमोचन सेक्रेड चाइल्ड स्कूल कोकर के सभागार में कुशवाहा शिवपूजन मेहता, निवर्तमान विधायक, हुसैनाबाद के द्वारा किया गया। डॉक्टर राकेश रंजन के द्वारा रचित कविता संग्रह 'जन आक्रोश' में आज की समस्याओं एवं उनके निराकरण के संबंध में कविताएं लिखी गयी हैं। चाहे वह राजनीतिक समस्या, शैक्षणिक समस्या, बेरोजगारी, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, नारी सशक्तिकरण हो, दहेज हो, भ्रष्टाचार की बात हो, स्वतंत्र पत्रकारिता की समस्याएं हों या फिर ज्यूडिशियरी से जनता की परेशानियां हों, सभी क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं को लोगों तक अपनी कविताओं के माध्यम से पंहुचाने का प्रयास किया है और लोगों को जागरूक करने का काम किया है। इस विमोचन में विभिन्न बुद्धिजीवी शामिल हुए और अपने-अपने विचार रखे। उदित कुमार, श्याम सुंदर, जगदेव, सूरज, बंटी राज जी, पूजा सेन, नितेश, मनोज जी, शिव कुमार ने अपने अपने विचार रखे। राकेश रंजन ने कहा कि जन जन तक उनकी बातें पहुंचें, ताकि लोग अपने अधिकारों को समझ सकें और अपनी लड़ाई लड़ने के लिए सोच में परिवर्तन ला सकें। उन्होंने कहा कि उनकी अगली किताब जल्द ही प्रकाशित होगी, जो पूरे देश में व्यवस्था परिवर्तन की बात करेगी।

सरहुल शोभायात्रा में शामिल हुए युवा कांग्रेस नेता रोहित सिन्हा

रांची (आजाद सिपाही)। रांची में भव्य सरहुल शोभायात्रा निकाली गयी। इसमें जनजातीय समुदाय पारंपरिक वेशभूषा, पारंपरिक वाद्ययंत्रों व प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। हर चौक-चौराहों में श्रद्धालुओं का अभिवादन एवं स्वागत करने के लिए तोरणद्वार और स्वागत मंच बनाये गये थे। युवा कांग्रेस के महासचिव सह रांची विधानसभा प्रभारी रोहित सिन्हा ने भव्य सरहुल शोभायात्रा मे शामिल श्रद्धालुओं का अभिवादन व स्वागत किया और राज्य के लोगों को प्रकृति के महापर्व सरहुल की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इंसान का अस्तित्व प्रकृति से है। जनजातीय समुदाय प्रकृति के इस महान पर्व को मना कर यह संदेश देता है कि प्रकृति यदि संरक्षित रहेगी तभी इंसान सुरक्षित रहेगा। उन्होंने तमाम जनजातीय समुदाय के लोगों को सरहुल की शुभकामनाएं दी और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया. आयोजनकताओं द्वारा फूलों की बारिश और सरना धार्मिक-सामाजिक संगठनों के प्रनिधियों को सम्मानित किया गया। विभिन्न सरना संगठनों, मौजा व खोड़हा के लोग अपने बैनर, सरना झंडा लिए अपने-अपने जुलूस के आगे चल रहे थे। समूहों की अगुवाई मौजा के पाहन और धर्म अगुवा कर रहे थे। साथ ही युवा अपने खोड़हा व समूह को रस्सियों के सहारे सुरक्षा घेरा बनाकर आगे बढ़ रहे थे।

आरकेडीएफ विवि के विद्यार्थियों ने किया झारखंड विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण

रांची (आजाद सिपाही)। आरके डीएफ विश्वविद्यालय रांची के राजनीतिक विज्ञान विभाग और विधि विभाग के विद्यार्थियों द्वारा झारखंड विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। विधानसभा परिसर में अवस्थित पुस्तकालय का अवलोकन विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधानसभा स्पीकर रविंद्र नाथ महतो विद्यार्थियों से भेंट किये। विभागाध्यक्ष डॉक्टर रेणुका पोद्दार, आकाश मौजूद थे।

भाजपा के हाथों में लोकतंत्र और संविधान खतरे में, देश में अघोषित आपातकाल : भुवनेश्वर मेहता

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ट नेता सह हजारीबाग के पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने प्रेस बयान जारी कर कहा केंद्र की राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त कर केंद्र सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए हर हथकंडे अपना रही है। देश में कार्यपालिका विधायिका,न्यायपालिका और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ भी मोदी सरकार में प्रभावित हो रही है। सरकार के खिलाफ खड़े होने वाले, उनके खिलाफ बोलने वाले ,लिखने वाले सब उनके विरोधी खेमे में खड़े हैं। सब की आवाज को दबाने के लिए सीबीआई, ईडी ,न्यायालय सभी को अपने व्यक्तिगत एजेंसी के रूप में इस्तेमाल कर रही है। देश में आपातकाल की स्थिति पैदा हो गयी है। तमाम विपक्षी पार्टी के बड़े नेताओं से लेकर निचले तबके के लोगों को भी केंद्र की सरकार परेशान कर रही है। आने वाले दिन 2024 लोकसभा के चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए तमाम विपक्षी पार्टियों को एक मंच पर आने की जरूरत है। नेताओं ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के विरोध में पूरे देश में विपक्षी चट्टानी एकता के साथ सड़कों पर उतरना चाहिए। केंद्र सरकार के विरोध में बड़े लड़ाई की शंखनाद करनी चाहिए। केंद्र की मोदी सरकार के हाथ में देश की सुरक्षा ,लोकतंत्र और संविधान दोनों खतरे में हैं।

राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म होने पर कांग्रेस असहाय महसूस कर रही : आशा लकड़ा

रांची (आजाद सिपाही)। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री और रांची की मेयर डॉ आशा लकड़ा ने कहा कि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म होने के बाद कांग्रेस खुद को असहाय महसूस कर रही है। देश में लगभग हर जगह कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध-प्रदर्शन कर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। मेयर ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता सूरत कोर्ट के फैसले के आधार पर रद्द की गयी है। सूरत कोर्ट ने मानहानि मामले में राहुल गांधी को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनायी थी। इस फैसले के बाद लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की संसद की सदस्यता को रद्द किया है। जनप्रतिनिधि कानून के अनुसार, यदि सांसद और विधायक को किसी भी मामले में दो साल या उससे अधिक की सजा होने पर उनकी सदस्यता (संसद और विधानसभा से) रद्द हो जाती है। आशा लकड़ा ने कहा कि कांग्रेस को कानून और संविधान का सम्मान करना चाहिए। कुछ माह पूर्व झारखंड में रामगढ़ से कांग्रेस विधायक ममता देवी की विधानसभा सदस्यता भी कोर्ट के फैसले के आधार पर ही रद्द की गयी थी। उस समय कांग्रेस ने विधायक की सदस्यता रद्द होने पर चुप्पी साध ली थी, लेकिन जब राहुल गांधी की संसद की सदस्यता कोर्ट के फैसले के बाद रद्द कर दी गयी, तो कांग्रेस बेतुका बयानबाजी कर रही है।

गवरबेड़ा में संकटमोचन राममंदिर के वार्षिक धार्मिक अनुष्ठान में 501 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। बोंगईबेड़ा के गवरबेड़ा में शनिवार को संकटमोचन राममंदिर का तीन दिवसीय दूसरा वार्षिकोत्सव धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुआ। अनुष्ठान के पहले दिन 501 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। पांच की दूरी तय कर राढू नदी से जल का उठाव कर मंदिर में जलाभिषेक किया गया। कलश यात्रा में खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, विशिष्ट अतिथि भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जैलेंद्र कुमार, जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा, मुखिया हिरदू उरांव व पंसस संयोति देवी शामिल हुए। जलाभिषेक के बाद पचांग पूजन, प्रवेश पूजा किया गया। इस मौके पर भुवन महतो, किशोर महतो, भानू महतो, संजय महतो, चिंता देवी, जगरनाथ महतो, मधु उरांव, मनीनाथ महतो, अशोक महतो आदि उपस्थित थे।

उर्दू लाइब्रेरी गोदाम बन कर रह गया है : हदीब

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत की आजादी से पहले उर्दू की बेहतरी चाहनेवाले रांची के मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने उर्दू लाइब्रेरी की स्थापना वर्ष 1945 ई. में की थी। उससे पहले लाइब्रेरी चर्च रोड़ में चलती थी। खान बहादुर हबीबुर्ररहमान इस मुस्लिम उर्दू लाइब्रेरी ट्रस्ट के चेयरमैन और अब्बास हसन गजवी सचिव थे। बाद में इस लाइब्रेरी के लिए दस कट्ठा जमीन मल्लाह टोली में खरीदी गया। जब वहां मुस्लिम उर्दू लाइब्रेरी के संचालन में दिक्कत आई तो रांची नगरपालिका जो अब रांची नगर निगम है से जमीन लेकर फल विक्रेता वली मोहम्मद ने उर्दू लाइब्रेरी बनवाया। इनकी याद में लाइब्रेरी के हॉल का नाम वली मोहम्मद हॉल किया गया। इसके बाद लाइब्रेरी पब्लिक उर्दू लाइब्रेरी हो गयी।

नामचीन शायरों की किताबें थीं : उर्दू लाइब्रेरी के फाउंडर सेक्रेटरी अब्बास हसन गजवी के पोते एडवोकेट तनवीर अब्बास ने बताया कि इस लाइब्रेरी के संचालन का मकसद उर्दू जबान की तरक्की था। पांच अक्टूबर 1946ई को इसका बायलॉज बना। इसके अनुसार इसके चेयरमैन खान बहादुर हबीबुर्ररहमान और सचिव अब्बास हसन गजवी थे। इसके तीन सदस्य सैयद अनवर हुसैन, मौलवी सैयद राशिद अहमद और मोहम्मद हाशिम थे। उस समय यहां उर्दू के नामचीन शायरों मीर तकी मीर, मिर्जा गालिब और अल्लामा इकबाल की किताबों का संग्रह था। यहां उर्दू लिटरेचर की किताबें और इतिहास से संबंधित किताबें भी थी। अब यहां लोग सिर्फ अखबार पढ़ने आते हैं। पहले यहां समय-समय पर मुशायरा हुआ करता था।

अब वर्तमान में यह लाइब्रेरी गोदाम बन कर रह गया है। इसपर लगे होर्डिंग और दुकान से आ रहे किराये से चल रही है। इस लाइब्रेरी में जो बची हुई किताबें है। उन्हें लाइब्रेरी में रखी अलमारी में रख दिया गया है। उन्हें किसी को इश्यू नहीं किया जाता। वर्तमान में इस लाइब्रेरी ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहम्मद आबिद हैं।

उर्दू लाइब्रेरी आज ऐतिहासिक धरोहर के रूप में देखी जाती है। किताबें सड़ रही हैं और कोई भी ऐतिहासिक विरासत को बचाने की कोशिश नहीं कर रहा है।

वेदांता एल्युमिनियम का लांजीगड़ में रक्तदान शिविर

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। वेदांता लिमिटेड लांजीगड मेटलर्जिकल ग्रेड एल्युमिना भारत के प्रमुख उत्पादक है। उन्होंने ओडिशा ब्लड सेंटर कालहांडी जिले के सहयोग से लांजीगड में अपने व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें वेदांता एल्युमिनियम के कर्मचारी, परिवार और व्यापारिक भागीदार शामिल हुए और 200 यूनिट से अधिक रक्त दान किया गया। वेदांता एल्युमिनियम लांजीगड द्वारा किया गया रक्तदान शिविर में एकत्रित किया गया यह अब तक का सर्वाधिक है। रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, विशेषकर युवाओं में, शिविर में लोगों की भारी भागीदारी देखी गयी। जी 23 में, वेदांता एल्युमिनियम ने लांजीगड और उसके आसपास के स्थानीय ब्लड बैंकों को कर्मचारी स्वेच्छा से समर्थन देने के लिए 500 यूनिट से अधिक रक्त का योगदान दिया। रक्तदान शिविर के बारे में बोलते हुए जीजी पाल उप सीइओ - एल्युमिना बिजनेस वेदांता लिमिटेड ने कहा कि वेदांत एल्युमीनियम में सामुदायिक स्वास्थ्य हमारे सामाजिक प्रयासों के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। रक्तदान एक मानवीय कार्य है, जो जीवन बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। हमें इस प्रयास में अपनी विनम्र भूमिका निभाकर खुशी हो रही है।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान एक प्रतिभागी की मौत

भुवनेश्वर ब्रह्मपुर (आजाद सिपाही)। ओड़िशा पुलिस द्वारा कांस्टेबल भर्ती के लिए कराये गये शारीरिक परीक्षण के दौरान एक युवक की मौत हो गयी। घटना के अनुसार खलीकोट थाना क्षेत्र के श्यामसुंदरपुर गांव निवासी गौरहरि दास पुत्र दीप्ति रंजन दास ने सिपाही की नौकरी के लिए आवेदन किया और पुलिस विभाग द्वारा छत्रपुर थाना क्षेत्र में आयोजित शारीरिक परीक्षा में भाग लिया और 1600 मीटर दौड़ रहे थे। इसी बीच दौड़ते समय वह गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गये। तुरंत विभाग के अधिकारियों ने उसे उपचार के लिए छत्रपुर अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मंदिरों में हनुमान चालीसा बांट रहे अमरनाथ सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एचइसी आवासीय परिसर स्थित ए-149, सेक्टर टू निवासी अमरनाथ सिंह रामभक्ति की अद्भुत मिसाल पेश कर रहे हैं। उन्होंने हनुमान चालीसा में वर्णित दोहे के साथ-साथ संबंधित प्रसंग के चित्रों को भी हनुमान चालीसा में प्रकाशित कराया है। उनके द्वारा एचइसी आवासीय परिसर स्थित विभिन्न जगहों पर अवस्थित बजरंगबली के मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भव्य व आकर्षक हनुमान चालीसा की प्रतियां बांटी जा रही है।

श्री सिंह ने बताया कि वैसे तो कई जगहों पर हनुमान चालीसा की प्रतियां मिल जाएगी, लेकिन उनके द्वारा जो हनुमान चालीसा प्रकाशित कराई गई है, वह अलग प्रकार की है। दोहे के साथ-साथ संबंधित प्रसंगों के चित्रों को भी हनुमान चालीसा में दशाया गया है। यही उनके द्वारा प्रकाशित की गयी हनुमान चालीसा की विशेषता है।

विदित हो कि श्री सिंह विभिन्न धार्मिक-आध्यात्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। धर्म और अध्यात्म के क्षेत्र में उनकी सहभागिता की चहुंओर चर्चा की जाती है। उन्होंने बताया कि रामनवमी के पूर्व विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं के बीच हनुमान चालीसा की लगभग पांच हजार प्रतियां वितरित करने का लक्ष्य है। रामनवमी के बाद अयोध्या स्थित श्री रामलला और बनारस के राम मंदिर, संकटमोचन हनुमान मंदिर और पटना स्टेशन के सामने महावीर मंदिर में भी श्रद्धालुओं के बीच हनुमान चालीसा की प्रतियां वितरित करेंगे। इस बार रामनवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच अमरनाथ सिंह रामभक्ति की अद्भुत मिसाल पेश कर रहे हैं।

जनजातीय संरक्षण मंच का भुवनेश्वर में शक्ति प्रदर्शन, जनता मैदान में हुई विशाल जनसभा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जनजातीय संरक्षण मंच ने शनिवार को राजधानी भुवनेश्वर में शक्ति प्रदर्शन किया है। प्रदेश के कोने-कोने से आये हजारों की संख्या में आदिवासियों ने पारंपरिक नृत्य गीत के साथ राजधानी में तीन जगहों से रैली निकालकर जनता मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में भाग लिए। आदिवासियों से उनके अधिकार छीनने, वास्तविक जनजातियों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर आज यह विशाल प्रदर्शन राजधानी में किया गया है। खासकर आदिवासी समुदाय से धर्म परिवर्तन कर अन्य धर्म में शामिल होने वाले लोगों को जो जनजाति की सुविधा मिलती है उसे बंद करने की मांग की गयी है।

जनजाति सुरक्षा मंच का गठन 2006 में किया गया था। इसका

उद्देश्य है कि 1970 में कार्तिक ओरांव ने जो मांग संसद में रखी थी और जिस पर संयुक्त संसदीय कमेटी ने मंजूरी दिया था और धर्मांतरित जनजाति लोगों को आरक्षण की सुविधा ना मिले, मांग पारति की गई थी, यह मांग आज तक पूरी नहीं की गई है। इसकी के लिए जनजाति सुरक्षा मंच पूरे देश के जनजातियों को जोड़ते हुए जनजाति समाज के नेताओं का संगठन बनाया गया है, उसी की यह रैली है।

केंद्र सरकार से हम मांग रखते हैं कि जनजाति धर्मांतिरत लोगों को आरक्षण की सुविधा नहीं मिलनी चाहिए। इसी मांग को लेकर आज पूरे प्रदेश से 50 हजार से अधिक जनजाति लोग यहां आए हैं। 10 फरवरी को ऐसी ही रैली भोपाल में हुई थी, जिसमें 60 हजार लोग आए थे। रविवार को इसी मुद्दे को लेकर गुवाहाटी में एक लाख लोगों की रैली होने जा रही है। इस पर 12 बार संसद में लोकसभा एवं राज्यसभा चर्चा हो चुकी है। इस पर पिछले वर्ष सुरक्षा मंच के पदाधिकारी 450 सांसद से मिले थे और लगभग सभी सांसदों ने इस पर अपनी सहमति जतायी है। आज के प्रदर्शन के बाद एक मांग पत्र हम केन्द्र सरकार को भेंजेगे।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश बेताला के संयोजन में जनजाति सुरक्षा मंच के इस विशाल सभा में केन्द्रीय आदिवासी मंत्री विशेश्वर टुडु, पूर्व केन्द्री मंत्री तथा सुन्दरगड़ के सांसद जुएल ओरांव, भाजपा के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। आदिवासियों की पारंपरिक वेशभूषा में निकली इस रैली को राजधानी में जगह जगह स्वागत किया गया। वीरेन्द्र बेताला ने कहा कि यह रैली व्यवस्थित ढंग से सभा स्थल पर पहुंचे इसके लिए सुबह से ही हम सब कड़ी मेहनत कर रहे थे। राममंदिर से लेकर जनता मैदान तक एक टीम रैली का संयोजन कर रही थी।

आबकारी विभाग ने छापेमार कर 3 कार के साथ 300 किलो गांजा और चार को गिरफ्तार किया

भुवनेश्वर, ब्रह्मपुर (आजाद सिपाही)। राज्य के आबकारी आयुक्त और गंजाम के जिलाधिकारी ने छापेमार कर 300 किलो गांजा और 3 कार के साथ 4 लोगों को गिरफ्तार किया है. विभागीय सूत्रों के अनुसार उक्त गांजा गजपति जिले से झारखंड राज्य को चालन किया जा रहा था और उक्त कारोबारी में झारखंड राज्य के फिरोज खान व मोहम्मद साकिब के साथ गंजाम जिले के पुरुषोतमपुर थाना अंतर्गत शिकुलीपल्ली गांव के महेश पात्र और डेंगाउस्ता गांव के अजीत बेहेरा को गिरफ्तार कर कोर्ट फरुआड किया गया है। छापेमारी के दौरान पोकडीबंध चॉक पर दो गाड़ी से 300 किलो गांजा ले जाया जा रहा था और पुलिस ने उसी वाहन को खलीकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर एस्कट कर रही एक अन्य कार को रोका और जब्त किया।

बढ़ेगा राजनीतिक टकराव

मानहानि के एक मामले में सूरत कोर्ट का फैसला आने के बाद जिस तेजी से लोकसभा सचिवालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने का ऐलान किया, वह भारतीय राजनीति के लिए नयी चीज है। हालांकि जो हुआ, वह नियम-कानून के अनुरूप ही है। यह बात भी दिलचस्प है कि जिस कानून के तहत राहुल गांधी की संसद सदस्यता छिनी है, वह 2013 में खुद उन्हीं के हस्तक्षेप के बाद बना था। तब राहुल गांधी ने तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा लाये जा रहे इस कानून से राहत दिलाने से संबंधित अध्यादेश की कॉपी सार्वजनिक तौर पर फाड़ दी थी। इस लिहाज से विरोधी यह तर्क दे सकते हैं कि जिस कानून की हिमायत खुद राहुल गांधी ने इतनी शिद्दत से की थी, उसके लागू होने पर कांग्रेस इतनी हाय-तौबा क्यों मचा रही है। लेकिन यह सिक्के का सिर्फ एक पहलू है। लोकतंत्र में कानून की बारीकियों की अहमियत तो होती है, लेकिन यह सवाल भी कम महत्वपूर्ण नहीं होता कि आम लोग किसी मुद्दे को किस रूप में देखेंगे। और आम लोगों के नजरिये से इस सवाल को अनदेखा करना मुश्किल है कि अपराध चाहे जो भी हो, खुद अदालत ने भी सजा पर अमल से पहले इसके खिलाफ अपील के लिए राहुल गांधी को 30 दिनों की मोहलत दी थी। ऐसे में लोकसभा सचिवालय ने उनकी संसद सदस्यता रद्द करने में जो जल्दबाजी दिखायी है, उसका सरकार के साथ चल रही उनकी तनातनी से कोई रिश्ता नहीं है, यह बात लोगों को समझाना बीजेपी के लिए आसान नहीं होगा। कांग्रेस नेताओं की शुरुआती प्रतिक्रिया भी इस बात की पुष्टि करती है कि वे सबसे ज्यादा जोर इसी पहलू पर देंगे। इसके बरक्स बीजेपी का जोर यह बताने पर लगता है कि राहुल गांधी ने अपने बयान से पूरे ओबीसी समुदाय का अपमान किया है। जनता पर किसकी बात का ज्यादा असर होने वाला है, यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण ने विपक्ष की तमाम पार्टियों को राहुल गांधी के समर्थन के लिए मजबूर कर दिया है, वह बीजेपी के लिए एक अतिरिक्त चुनौती तो हो ही गया है। इसके अलावा इस पूरे प्रकरण का एक और अहम पहलू है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ध्यान रहे, राहुल गांधी के जिस बयान को लेकर संसद में गतिरोध का ताजा दौर शुरू हुआ, वह विदेश में दिया गया था और उसका सार यही था कि भारत में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। सरकार के लिए जरूरी था कि वह अपने व्यवहार से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनने वाली इस धारणा को अप्रासंगिक या निरर्थक साबित करे। चिंता की बात यह है कि सही हो या गलत, विपक्षी नेताओं पर कानून व्यवस्था का कसता शिकंजा लोकतंत्र की मजबूती का संदेश नहीं देता।

जनता पर किसकी बात का ज्यादा असर होने वाला है, यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन जिस तरह से इस प्रकरण ने विपक्ष की तमाम पार्टियों को राहुल गांधी के समर्थन के लिए मजबूर कर दिया है, वह बीजेपी के लिए एक अतिरिक्त चुनौती तो हो ही गया है।

अभिमत
आजाद सिपाही

गर्भस्थ शिशु जैसे जैसे अपना आकार प्राप्त करता जाता है, वैसे-वैसे उसकी जरूरतें भी बढ़ती जाती हैं। उसके लिए जरूरी है कि उसकी माता बनने के लिए महिला को अपना खानपान और रहन सहन बदलना है। इसकी जिम्मेदारी पिता बनने जा रहे पुरुष पर भी आती है कि वह वे सब साधन जुटाए और सभी प्रकार की एहतियात बरते जिससे कि अजन्मे शिशु को कोई कष्ट न हो।

अजन्मे बच्चे के अधिकार और भारतीय संस्कार

पूरन चंद सरीन

शिशु के गर्भ में रहने अर्थात उसके जन्म लेने तक उसके अधिकार हैं, यह हमारे देशवासियों के लिए कुछ अटपटा हो सकता है लेकिन असामान्य या बेतुका कतई नहीं है। बहुत से देशों में इसके लिए कानून भी हैं। इसके साथ ही उन्हें तरोताजा बनाये रखने के लिए प्रतिवर्ष 25 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गर्भ में पल रहे शिशु के लिए विशेष दिवस मनाये जाने की परंपरा है।

देखा जाए तो यह केवल अजन्मे बच्चे के अधिकारों की बात नहीं है बल्कि उस मां के अधिकारों का रक्षण है जो उसे 9 महीने तक अपने गर्भ में रखकर उसका पालन-पोषण करती है।

अजन्मे शिशु के अधिकार

गर्भस्थ शिशु जैसे जैसे अपना आकार प्राप्त करता जाता है, वैसे-वैसे उसकी जरूरतें भी बढ़ती जाती हैं। उसके लिए जरूरी है कि उसकी माता बनने के लिए महिला को अपना खानपान और रहन सहन बदलना है। इसकी जिम्मेदारी पिता बनने जा रहे पुरुष पर भी आती है कि वह वे सब साधन जुटाए और सभी प्रकार की एहतियात बरते जिससे कि अजन्मे शिशु को कोई कष्ट न हो। इस प्रक्रिया में सही समय पर डाक्टरी जांच और टीकाकरण तथा दवाइयों का सेवन आता है। यह बात केवल महिला ही जानती है कि उसके गर्भ में जो जीव पल रहा है, उसकी जरूरतें क्या हैं और उन्हें पूरा कैसे करना है?

हमारे आर्थिक संसाधन तब ही तक उपयोगी हैं, जब तक उन पर बढ़ती आबादी का जरूरत से ज्यादा दबाव नहीं पड़ता।

अब हम इस बात पर आते हैं कि हमारे देश में कानून तो बहुत हैं, लेकिन उनसे अधिक पारिवारिक संस्कारों, सामाजिक परंपराओं और न जाने कब से चली आ रही कुरीतियों को मान्यता देने का रिवाज अधिक है। इस प्रक्रिया में कानून या तो कहीं मुंह छिपा कर बैठ जाता है और अपनी पीठ के पीछे हो रही घटनाओं को अनदेखा करने को ही अपनी जिम्मेदारी निभाना समझ लेता है या फिर अपना डर दिखा कर धौंस जमाते हुए दंड देने लगता है। कानून की नजर में जो अपराधी है, चाहे परिवार और समाज के नजरिए से सही माना जाये, सजा तो पाता ही है।

अजन्मे बच्चे का पारिवारिक संपत्ति में जन्मसिद्ध कानूनी अधिकार है, इसलिए भी भ्रूण हत्या होती है और यह परिवार की परंपरा है कि केवल लड़कों को ही उत्तराधिकारी माना जायेगा, इसलिए अगर गर्भ में कन्या है तो उसे जन्म ही क्यों लेने दिया जाए, यह मानसिकता हमारे संस्कार हमें देते हैं।

इस बात की गंभीरता को समझने के लिए कुछ उदाहरण देने आवश्यक हैं। हम चाहे अपने को कितना ही पढ़ा-लिखा और आधुनिक कहें लेकिन जब यह बात आती है कि कन्या की जगह पुत्र ही होना चाहिए तो यह हमारे लिए बहुत सामान्य-सी इच्छा है।

अजन्मे बच्चे के अधिकारों का शोषण यहीं से शुरू हो जाता है। यह पता चलते ही कि गर्भ में कन्या है तो गांव देहात का परिवार हो या शहर कस्बे का, मन में उदासी छा जाती है। इस स्थिति में गर्भावस्था में सही देखभाल करने के स्थान पर भ्रूण हत्या करवाने के बारे में सोचा जाने लगता है। अब यह कानून सम्मत तो है नहीं इसलिए चोरी-छिपे गर्भपात कराने का इंतजाम कर लिया जाता है।

अजन्मे बच्चे का पारिवारिक संपत्ति में जन्मसिद्ध कानूनी अधिकार है, इसलिए भी भ्रूण हत्या होती है और यह परिवार की परंपरा है कि केवल लड़कों को ही उत्तराधिकारी माना जायेगा, इसलिए अगर गर्भ में कन्या है तो उसे जन्म ही क्यों लेने दिया जाए, यह मानसिकता हमारे संस्कार हमें देते हैं।

जहां अल्ट्रासाऊंड जैसी तकनीक से यह जाना जा सकता है कि गर्भस्थ जीव में कोई विकृति तो नहीं और यदि है तो गर्भपात का सहारा लेना ठीक भी है और कानून के मुताबिक भी तो फिर इसकी बजाय इस बात को क्यों प्राथमिकता दी जाती है कि कन्या अगर गर्भ में है, तो उसे इस प्रावधान का सहारा लेते हुए उसे जन्म न लेने दिया जाये।

अजन्मे शिशु का एक अधिकार यह भी है कि उसका सही ढंग से विकास होने के लिए गर्भावस्था के दौरान और प्रसव से पूर्व तक वे सब उपचार और सुविधाएं मिलें जो उसे इस संसार में स्वस्थ रूप में आने का रास्ता प्रशस्त कर सकें।

इस कड़ी में माता का निरंतर मैडीकल चेकअप, निर्धारित समय पर टीकाकरण और पौष्टिक भोजन और जन्म लेने से पहले एक सुरक्षित वातावरण जिससे न केवल मां उसे जन्म देने के लिए तैयार हो, बल्कि शिशु भी हृष्ट-पुष्ट अवस्था में जन्म ले।

जनसंख्या नियंत्रण

यह परिस्थिति एक और वास्तविकता को भी उजागर करती है और वह यह कि अजन्मे बच्चे के अधिकारों की सुरक्षा के लिए आबादी का बिना किसी हिसाब-किताब के बढ़ते जाना घातक है। इसके लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून की जरूरत है और उस पर स्वेच्छा अर्थात अपनी मर्जी और सहमति से अमल करना आवश्यक है।

हमारे आर्थिक संसाधन तब ही तक उपयोगी हैं, जब तक उन पर बढ़ती आबादी का जरूरत से ज्यादा दबाव नहीं पड़ता। गरीब के यहां ही अधिक संतान जन्म लेती है और पालन-पोषण की सुविधाएं न होने से उसके कुपोषित, अशिक्षित और समाज के लिए अनुपयोगी बने रहने का खतरा सबसे ज्यादा इसी तबके में होता है। यह भी अजन्मे बच्चे के अधिकारों का हनन है क्योंकि जब संतान के पालन-पोषण की व्यवस्था नहीं तो माता-पिता बनने का भी अधिकार नहीं।

जब हम अपने गली-मोहल्लों, चौराहों और सड़कों पर भीड़ देखते हैं तो यह अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि इसमें अधिकतर लोगों के पास कोई काम-धंधा, नौकरी या रोजगार नहीं है और ये सब उसी की तलाश में भटक रहे हैं या कहें कि दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। ये लोग ऐसा नहीं है कि पढ़े-लिखे नहीं हैं या मेहनत नहीं करना चाहते। परंतु जब स्थिति एक अनार और सौ बीमार वाली हो तो फिर उसे क्या कहा जाएगा?

यह विषय गंभीर है और इस बात की तरफ इशारा करता है कि संतान को लेकर एक ऐसे नजरिये से सोचा जाये, जिसमें सांस्कृतिक और पारंपरिक मान्यताओं को तो स्थान मिले लेकिन कुरीतियों का पालन न हो, लिंगभेद के कारण भेदभाव न हो और सभी संसाधनों पर सब का बराबरी का अधिकार हो। इससे गरीब और अमीर के बीच की खाई भी कम करने में मदद मिलेगी, परिवार एक कड़ी के रूप में बढ़ेगा और समाज समान रूप से विकसित हो सकेगा।

जमशेदपुर की खबरें

नयी दिल्ली में दूसरी बार संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित हुए विद्युतवरण महतो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

यह पुरस्कार मेरे लिए नही बल्कि संसदीय क्षेत्र के सभी नागरिकों के लिए गौरव का क्षण है : सांसद

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के सांसद विद्युत वरण महतो को लगातार दूसरी बार नयी दिल्ली केजी मार्ग स्थित न्यू महाराष्ट्र सदन में संसद रत्न पुरस्कार से नवाजा गया। शनिवार को संसद रत्न सम्मान समारोह में सांसद श्री महतो को शाल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बीते दिनों वर्ष 2023 के संसद रत्न का चयन करने के लिए गठित समिति ने चयनित सांसदों का घोषणा की थी।केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल व पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस कृष्णमूर्ति के नेतृत में नागरिक समाज व सांसदों के समूह ने सांसदों का चयन कर घोषणा की थी। सम्मान 13 सांसदों को दिया गया जिसमें 8 लोकसभा व 5 राज्य सभा के सदस्य शामिल हैं। इस अवसर पर पूर्वी सिंहभूम जिले के सांसद विद्युत वरण महतो को ओवरऑल परफारमेंस के आधार पर दूसरी बार चयनित किया गया। पुरस्कारों की घोषणा किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों को अपनी ओर से बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने सदन के अंदर संसदीय प्रक्रिया को समृद्ध करने की बात कही। पुरस्कार मिलने के उपरांत सांसद श्री महतो ने कहा यह मेरे लिए नही बल्कि पूर्वी सिंहभूम जिले के जनता के लिए गौरव और अनुभूति का क्षण है। उन्होंने कहा जनता ही सर्वोपरि है। जनता के द्वारा चुने गए सांसद होने के नाते आज यह पुरस्कार प्राप्त है। पुरस्कार मिलने से मुझे और जिम्मेदारी मिली है।उन्होंने कहा लोकसभा में जनहित से जुड़े सभी छोटे बड़े मुद्दों पर आगे और बेहतर काम करना है। मौके पर सांसद श्री महतो ने कहा यह पुरस्कार संसदीय क्षेत्र के सभी नागरिकों को समर्पित करते है। यह सम्मान जमशेदपुर सहित लोकसभा के देवतुल्य मतदाताओं का सम्मान है जिन्होंने अपनी जिम्मेवारी मुझे सौंपी है।

सेवा ही लक्ष्य सामाजिक संस्था ने जुगसलाई नगर परिषद को सौपा मांग पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई नगर परिषद का ध्यान आकृष्ट करने के लिए सेवा ही लक्ष्य सामाजिक संस्था के द्वारा 5 सूत्री मांग पत्र सौपा गया। शनिवार को माणिक मल्लिक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मांग पत्र सौपकर जल्द से जल्द समस्या का समाधान के लिए मांग की। मौके पर माणिक मल्लिक ने कहा विगत कई दिनों से जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र में समय पर साफ सफाई का कार्य नही हो रहा है। साथ ही जुगसलाई के विभिन्न क्षेत्रों में गंदगी का अंबार लगा है। उसकी सफाई, बरसात के पूर्व नालों की सफाई, जुगसलाई पार्क में अविलंब हाई मास्क लाइट लगाने की मांग,नगर परिषद अंतर्गत वीर कुंवर सिंह चौक से टाटानगर स्टेशन परिसर तक सौंदर्य कारण, स्ट्रीट लाइट की मरमती की मांग की गई है। उन्होंने कहा इन सभी मांगो को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग जुगसलाई नगर परिषद से की गयी है, ताकि आम नागरिकों को किसी भी परेशानियों का सामना ना करना पड़े। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा जल्द सुधार नहीं हुई तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

दिवा हादी बोंगा 2023 के आयोजन में शामिल हुए विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

पोटका। पोटका प्रखंड के हरिणा में दिवा हादी बोंगा 2023 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर शामिल असम के भूमिज प्रतिनिधियों ने बेहतर आयोजन के लिये पोटका विधायक संजीव सरदार का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर असम का गमछा देकर विधायक को सम्मानित किया। उन्होंने कहा हरिणा दिशुवा हादी बोंगा निश्चित रूप से भूमिज समाज का एक राष्ट्रीय आयोजन है, जिसे देखकर काफी प्रसन्नता और गौरवान्वित महसूस कर रहे है। इस तरह का आयोजन से देश के भूमिजों को जोड़ने का एक पहल है। इस इस तरह के आयोजन से आनेवाले दिनों में देश भर में एक पहचान बनेगी। इस मौके पर लगभग 30 हजार से ज्यादा लोग शामिल होकर शांतिपूर्ण एकजुटता व सक्रियता को दशार्या। उन्होंने आयोजन समिति, भूमिज समाज और पोटका विधायक संजीव सरदार को बधाई दी।

इस मौके पर असम के मकर सिंह भूमिज, लक्ष्मी भूमिज, रुक्मणी भूमिज, अनंत भूमिज, प्रवीण भूमिज, साजु भूमिज, नीतू भूमिज, मनीषा भूमिज, स्वर्णलता भूमिज, प्रतिभा भूमिज, लिपि भूमिज, रुमा भूमिज, मनोज भूमिज, विनीता भूमिज सहित भूमिज समाज के युधिष्टिर भूमिज, मनोरंजन सरदार, लाल सरदार एवं सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे।

ओड़िशा की खबरें

सम में बीएसकेवाइ से शिशु कन्या की सफल सर्जरी हुई

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। सम अल्टीमेट मेडिकेयर के एक सर्जन ने दुर्लभ जन्म दोष (टेसियर क्लेफ्ट) के कारण चेहरे के विभिन्न हिस्सों में छेद और अंतराल वाली 15 महीने की बच्ची का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया है। बच्ची स्मृति की आंखों और नाक में कई त्रुटि थे, उसके माता-पिता उसके इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में जा कर निराश हो गये थे। बाद में वे बच्चे को सम्मम लाए थे। यह एक जोखिम भरी सर्जरी था इसलिए कई अस्पताल इसके इलाज के लिए राजी नहीं हुए। प्लास्टिक सर्जरी विभाग, सम्मम के सलाहकार डॉ उन्मेश कुमार जेना के नेतृत्व में एक टीम ने सर्जरी की। टीम में एनेस्थिसियोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ दीपंकर पढ़िआरी, एनेस्थिसियोलॉजिस्ट डॉ सब्यसाची त्रिपाठी और प्लास्टिक सर्जरी विभाग की डॉ रोशनी शामिल थीं, जबकि इस दुर्लभ जन्म दोष को क्रानियोफेशियल क्लेफ्ट भी कहा जाता है, वर्तमान में दुनिया में ऐसे 50 से 60 मामले हैं और भारत में 15 से कम हैं। डॉ जेना ने कहा कि ओडिशा में यह तीसरा मामला है और जन्म दोष वाले एक लाख बच्चों में यह समस्या 1 से 4 लोगों में होती है। जन्म दोष वाली बच्ची का सावधानीपूर्वक और सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया था और अब वह धीरे-धीरे ठीक हो रही है। हालांकि अस्पताल ने बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना के तहत इस जोखिम भरी सर्जरी को करने का फैसला किया, लेकिन परिवार पर कोई आर्थिक बोझ नहीं डाला गया। डॉ जेना ने कहा कि बच्चे के 18 साल का होने के बाद उसकी नाक की दूसरी सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। अगर यह जीवन रक्षाकारी सर्जरी तुरंत नहीं की गई होती तो आंखों के संक्रमण के कारण बच्चे की दृष्टि शक्ति पूरी तरह से चली जाने की संभावना थी।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को लिखा पत्र

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा। वजह यह है कि ओड़िशा में एक नेशनल हाइवे का काम पांच साल से चल रहा है और पूरा नहीं हो पा रहा है। वह सड़क कटक-अंगुल-संबलपुर एनएच-55 है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि सड़क को फोर लेन बनाने का काम 2017 से शुरू हुआ है। यह अब तक खत्म नहीं हुआ है। इस पत्र में जिक्र है कि पिछले दो साल में उस सड़क पर 399 हादसे में 196 लोगों की मौत हुई है। राज्य सरकार की ओर से एनएचआइ अधिकारियों को इस बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया है। इस काम पर चर्चा के लिए उन्होंने कई बैठकें भी की हैं। ऐसे में कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाता है। नवीन ने मंत्री से आग्रह किया कि वे हस्तक्षेप करें और काम को जल्द पूरा करने के लिए कदम उठायें।

संबलपुर मंडल में तनाव प्रबंधन और प्रसन्नता की कला विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

संबलपुर। पूर्व तट रेलवे संबलपुर मंडल मे 25 मार्च 2023 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, संबलपुर के सभागार में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए तनाव प्रबंधन और प्रसन्नता की कला विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, संबलपुर, विनीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में तथा ब्रह्मकुमारी, संबलपुर के इवी गिरीश और सिस्टर दीपा वक्ता के रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा कि इस तरह के सेमिनार से प्रतिभागियों को तनाव प्रबंधन की कला सीखने का अवसर मिलेगा। वक्ता इवी गिरीश और सिस्टर दीपा ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन की विभिन्न तकनीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने तनाव मुक्त जीवन जीने के विभिन्न लाभों पर जोर दिया। इस अवसर पर संबलपुर के अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक आनंद सिंह समेत बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

पूर्व तट रेलवे ने माल लदान में एक नया मुकाम स्थापित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे (इसीआर) ने चालू वित्त वर्ष की समाप्ति से 11 दिन पहले अपने अधिकार क्षेत्र से 232.32 मिलियन टन माल लदान करके 2022-23 वित्तीय वर्ष के दौरान माल लदान में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। 2021-22 वित्तीय वर्ष में, पूर्व तट रेलवे ने इसी अवधि के दौरान 223.64 मिलियन टन माल का लदान किया था और 2021-22 वित्तीय वर्ष की पूरी अवधि में 232.13 मिलियन टन माल का लदान भी किया था। यहां यह उल्लेख किया गया है कि पूर्व तट रेलवे एकमात्र रेलवे है जिसने 220 मिलियन टन और 230 मिलियन टन के मील के पत्थर को पार कर लिया है और चालू वित्त वर्ष में 240 मिलियन टन के मील के पत्थर को पार करने के करीब पहुंच गया है। रेल मंत्रालय ने पूर्व तट रेलवे के लिए 240.60 मिलियन टन लोडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया है। कमाई के मामले में पूर्व तट रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में उपरोक्त अवधि के दौरान माल ढुलाई से 23872.69 करोड़ रुपये कमाये, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 22184.85 करोड़ रुपये था, जिसमें 7.6% की वृद्धि हुई है।

पूर्व तट रेलवे ने कई चुनौतियों और लोडिंग और ट्रेन संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की है।

रेलवे मंत्रालय द्वारा अभिनव कदमों और प्रमुख हस्तक्षेपों पर ध्यान केंद्रित करने के कारण पिछले वर्ष की तुलना में लोडिंग हासिल की गई है, जिससे इसे फास्ट-ट्रैक पर लाने में मदद मिली। पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक मनोज शर्मा ने इस उपलब्धि का पूरा श्रेय इसके तीनों मंडलों के मेहनती और समर्पित कर्मचारियों को दिया। कोयला खानों, बंदरगाहों, इस्पात संयंत्रों, सीमेंट, एल्यूमिना संयंत्रों, पेट्रोलियम कंपनियों और भारतीय खाद्य निगम के सभी हितधारकों के प्रयास और सहयोग से यह सफलता मिली है।

आटो पलटने से छह लोग घायल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। चालक द्वारा दूसरे को आटो चलाने सिखाने के क्रम में हुई लापरवाही में आटो पलट जाने से चार मैट्रिक के परीक्षार्थी सहित छह लोग घायल हुए। उक्त घटना शनिवार की दोपहर भवनाथपुर केतार मुख्यपथ में सिंघीताली में घटी। परीक्षार्थियों ने बताया कि आटो चालाक छात्राओं के साथ कुछ और महिला सवारी लेकर भवनाथपुर से चला एवं सिंघीताली पंहुचने से पहले से ही किसी दूसरे लड़के को आटो चलाने सिखाने लगा। इसी क्रम में आटो अनियंत्रित होकर पलट गया। आटो पर सवार छोटी देवी पति सुरेंद्र गुप्ता रूपांजलि कुमारी को गंभीर रूप चोट लगी है, जबकि परीक्षा देकर घर जा रही छात्रा काजल कुमारी पिता आशीष मेहता, खुशबू कुमारी पिता अरुण पाल, अर्चना कुमारी पिता अर्जुन मेहता एवं नीतू कुमारी पिता रामविचार पासवान भी घायल हुईं। उक्त आटो केतार का बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही भवनाथपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पंहुच सभी घायलों को भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया तथा टेंपू को जब्त कर थाना ले आयी।

आरके पब्लिक स्कूल की एक और शाखा का किया जा रहा शुभारंभ

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर प्रखंड के हूर गांव में आरके पब्लिक स्कूल के एक अन्य शाखा का शुभारंभ किया जा रहा है। जिसमें कक्षा एलकेजी से लेकर कक्षा 5 तक की पढ़ाई की शुरूआत की जा रही है। इच्छुक लोग अपने 3 साल से ऊपर के बच्चे - बच्चियों का नामांकन 28 मार्च 2023 से करा सकते हैं। विद्यालय में अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों से पढ़ाई कराई जाएगी। साथ ही विद्यालय में खेलकूद एवं योगा की भी व्यवस्था रहेगी। यह विद्यालय इंग्लिश मीडियम में संचालित होगा। जिसमें विद्यालय का अपना भवन, प्लेग्राउंड एवं विद्यालय का परिसर लगभग 10 एकड़ में है। बच्चों को हर जगह से लाने ले जाने के लिए विद्यालय की ओर से बस की व्यवस्था की जाएगी।

एक दिवसीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया

भंडरिया (आजाद सिपाही)। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ केंद्र भंडरिया में शनिवार को प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ जिप सदस्य हिरवंती देवी अंचला अधिकारी मदन महली प्रखंड प्रमुख रुकमणी देवी उप प्रमुख श्रद्धा देवी भंडरिया पंचायत के मुखिया विनय सिंह सांसद प्रतिनिधि रूप रंजन सिन्हा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विजय किशोर रजक सब इंस्पेक्टर संजय कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर की गई। स्वास्थ्य मेले में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित मलेरिया, टीवी, कुष्ट, कुपोषण, परिवार नियोजन, टीकाकरण, मातृत्व स्वास्थ्य जांच, दंत जांच, मोतियाबिंद, आयुष्मान भारत, मानसिक स्वास्थ्य जांच, युवा मैत्री केंद्र, योगा, अनुभवी चिकित्सक के द्वारा परामर्श कोविड सहित विभिन्न तरह के स्टाल लगाए गए थे। सभी स्टाल पर संबंधित बीमारी के स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे। जानकारी देते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विजय किशोर रजक ने कहा कि यह स्वास्थ्य मेला सरकार के निर्देश पर गरीबों के बीच निशुल्क इलाज के लिए आयोजित की गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग इस मेले मे शामिल हो कर इसका लाभ ले सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इलाज अनुभवी चिकित्सक के परामर्श से ही कराएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिप सदस्य हिरवंती देवी ने कहा कि यह क्षेत्र काफी पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से यहां के लोगों के लिए स्वास्थ्य मेला काफी लाभकारी होगा। अभी भी लोक स्वास्थ्य विभाग से कोसों दूर हैं। स्वास्थ मेले में लोग बेझिझक अपनी बीमारी बताकर अनुभवी चिकित्सक से परामर्श लेकर इलाज करा सकते हैं। मौके पर लेखा प्रबंधक सुनील कुमार स्वास्थ्य कर्मी विभा तिग्गा, रूप लता मींज, कंचन बाला, मेलविना कुजूर, असरिता मिंज, संगीता कुमारी, संतोष टोप्पो,अजींता तिर्की, सिकंदर चन्द्रवंशी,इनदेश कुमार सहित काफी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी व सहिया उपस्थित थे।

रामनवमी पूजा के अवसर पर बह रही भक्ति की धारा, प्रवचन कथा सुननेवालों की बढ़ी भीड़

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल मुख्यालय स्थित श्री रघुनाथ अखाड़ा हनुमान मंदिर के प्रांगण में श्री राम नवमी पूजा के शुभ अवसर पर नवाह्न परायण महायज्ञ में श्री राम चरित मानस पाठ मंत्रोच्चारण से रंका अनुमंडल क्षेत्र भक्तिमय हो गया है वहीं रात्रि में श्रीराम कथा वाचिका अराधना चतुवेर्दी के द्वारा श्री राम कथा प्रवचन से भक्ति की अविरल धारा बह रही है। जिसका रसपान करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। श्री राम कथा प्रवचन के तीसरे दिन कथा वाचिका अराधना चतुवेर्दी ने श्री राम जन्म के कारणों के बारे में ?बताते हुए कहा कि भगवान श्री राम के अवतार के अनेकों कारण हैं। जिसमें उन्होंने कहा कि जब धरती पर मानवता और समानता खत्म होने लगती है, दुष्ट पापियों के द्वारा मानव धर्म, महिलाओं और देवताओं पर अत्याचार जब बढ़ जाता है तब भगवान विष्णु को अनेकों रूप धारण कर उन्हें धरती पर अवतार लेना पड़ता है और राक्षसों का संहार कर धरती की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि घमंड और अभिमान नहीं करना चाहिए । इस अवसर पर कथा वाचिका अराधना चतुवेर्दी ने प्रभू श्रीराम का जन्म कराया और पालने में उन्हें झूलाया तथा श्रद्धालुओं के बीच चौकलेट व हलवा मोहनभोग प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री राम नवमी पूजा कमिटी के अध्यक्ष सुलपानी सिंह, उपाध्यक्ष विवेक कुमार चौधरी, सचिव दीनानाथ प्रसाद, कोषाध्यक्ष सोनू कुमार मद्धेशिया, उप सचिव रामबाबू ठाकुर, मिडिया प्रभारी अमरेंद्र कुमार, व्यवस्थापक रानू राज कमल सिंह, संजय कुमार, अमित पांडेय, विवेक सोनी, राजमुनी सिंह, सोनू तिवारी, पंकज तिवारी, विक्की कुमार, शुभम झा, ओमप्रकाश गुप्ता सहित अन्य लोग सराहनीय भूमिका निभा रहे हैं।

रंका प्रखंड की आठ पंचायतों में मिशन अंत्योदय सर्वे को लेकर ग्राम सभा का आयोजन

रंका (आजाद सिपाही)। रंका बीडीओ देवानंद राम के द्वारा प्रेषित पत्र के आलोक में शनिवार को प्रखंड के 8 पंचायतों में मिशन अंत्योदय सर्वे 2022-23 में प्राप्त आंकड़े सत्यापित कराने को लेकर पंचायत भवनों में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 21 विभागों से संबंधित 216 प्रश्नों के जवाब दिये गये और उन्हें ग्रामसभा से सत्यापित कराया गया। यह प्रखंड के आठ पंचायतों में किया गया। जिसमें खपरों, खरडीहा, कंचनपुर, रंकाकला, मानपुर, बाहाहारा एवं तमगेकला पंचायत का नाम शामिल है। इस अवसर पर झारखंड राज लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की सक्रिय महिलाओं के द्वारा एकत्रित किये गये मिशन अंत्योदय के आंकड़ों का सत्यापन कराया गया। साथ ही फोटोग्राफी, वीडियो एवं ग्राम सभा की कारवाही प्रतिवेदन प्रखंड कार्यालय को उपलब्ध कराया गया।इस अवसर पर कंचनपुर पंचायत भवन में मुखिया प्रतिमा देवी की अध्यक्षता में सभा का आयोजन हुआ। जिसमें मुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर कुमार,पंचायत सचिव पंकज तिवारी, रोजगार सेवक कुमार विजेंद्र, स्वयंसेवक नंदू राम, उप मुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर तिवारी, सामुदायिक समन्वयक, आइपीआरपी सहित काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष जनता उपस्थित थे।

नहाय खाय के साथ गढ़वा में शुरू हुआ चैती छठ पर्व

व्रतियों ने किया प्रसाद ग्रहण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढवा। जिला मुख्यालय में चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को होने वाले लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान नहाये खाय के साथ आज शनिवार से शुरू हो गया है। छठ महापर्व के लिए छठ व्रती तैयारियां शुरू कर दी है। चैती छठ व रामनवमी को लेकर जिला मुख्यालय पूरा भक्तिमय हो गया है। इस दौरान छठ व्रतधारियों ने पहले दिन घरों की साफ-सफाई के बाद स्नान कर पूरे विधि विधान के साथ भगवान भास्कर की आराधना की। तत्पश्चात कद्दू भात का प्रसाद बनाकर भगवान सूर्य को अर्पित करने के बाद व्रती खुद प्रसाद स्वरूक उसे ग्रहण किया। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्य भी कद्दू भात को भोजन स्वरूप प्रसाद ग्रहण किये। चैती छठ महापर्व को लेकर छठ व्रत धारियों के साथ-साथ लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। ऐसे तो कार्तिक माह में होने वाले छठ महापर्व को मुख्य माना जाता है। इसमें अधिक लोग छठ पूजा करते हैं लेकिन चैत माह में होने वाले चैती छठ पर्व कम लोग करते हैं। मौके पर छठ व्रतियों ने बताया कि सूर्य देव की पूजा-अर्चना की जाती है। यह पर्व में पूरी तरह से स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाता है। छठ व्रत अत्यंत ही पवित्र त्यौहार माना गया है। खासकर शरीर मन और आत्मा की शुद्धि का व्रत है। उन्होंने बताया की चैती छठ में 36 घंटे का निर्जला उपवास करना काफी कठिन होता है। क्योंकि अप्रैल माह में होने वाले छठ में भीषण गर्मी रहता है। उसके बाद भी छठ महापर्व में भगवान सूर्य देव की आराधना की जाती है। जबकि मौके पर गढ़ देवी मंदिर के पुजारी राजन पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि चैती छठ 25 मार्च शनिवार को नहाय खाय 26 मार्च रविवार को खरना 27 मार्च सोमवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य शाम 06 बजकर 36 मिनट तक 28 मार्च मंगलवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य के साथ ही पारण के बाद व्रत का समापन होगा।

सुप्रसिद्ध सूर्यनारायण मंदिर परिसर में छठ महापर्व की तैयारी अंतिम चरण में

केतार (रविकांत चंद्रवंशी)। गढ़वा जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर सुदूरवर्ती प्रखण्ड केतार अंतर्गत मुकुंदपुर गांव स्थित सूर्य नारायण मंदिर परिसर में सैकड़ों वर्षों से छठ महापर्व धूमधाम से मनाया जाता है। यह सूर्य मंदिर छठ महापर्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां वर्ष में दो बार कार्तिक एवं चैत माह में मेला का आयोजन होता है। यहां प्रतिवर्ष हजारों छठ व्रतियों द्वारा छठ व्रत किया जाता है। जिसके कारण सूर्य नारायण मंदिर परिसर में छठ के समय तीन दिनों तक श्रद्धालुओं से गुलजार रहता है। यहां झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार व उत्तर प्रदेश के कई जगहों से श्रद्धालु वाहनों से पहुंचते हैं और छठ व्रत के दिन पूरी रात नारायण वन स्थित जंगल में बने विशालकाय मंदिर के समीप भगवान सूर्य की पूजा-अर्चना करते हैं। साथ ही मंदिर के समीप स्थित जल कुंड में स्नान कर अस्ता चलगामी एवं उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। विकास कमेटी के पदाधिकारियों में अध्यक्ष के रूप में योगेंद्र सिंह, संरक्षक अजय वर्मा, उपाध्यक्ष दीपक वर्मा, सचिव रविकांत चंद्रवंशी, उपसचिव नगीना वियार, कोषाध्यक्ष धनंजय तिवारी, उपकोषाध्यक्ष शिव भरोश सिंह, धर्मेंद्र सिंह अनुशासन समिति के पदाधिकारी आचार्य सौरभ भारद्वाज,रामेश्वर प्रसाद सिंह, राम प्रवेश वर्मा, डॉ अशर्फी मेहता, अरुण सिंह, मंगल सिंह, रिशु सिंह, सूर्यनाथ बियार, उमेश गुप्ता सहित अन्य सदस्य।

समाजसेवी ने किया लकड़ी वितरण

गढ़वा। जिला में महिला समाजसेवी नगर परिषद अध्यक्ष पद की भावी प्रत्याशी संध्या सोनी ने चैती छठ पूजा में छठव्रतियों के बीच आम की लकड़ी का वितरण की। शनिवार को संध्या सोनी एवं उनके पति समाजसेवी दौलत सोनी ने घर घर जाकर छठ व्रत के लिए आम की लकड़ी का निःशुल्क वितरण किया। मौके पर संध्या सोनी ने बताया कि छठ महापर्व हिंदुओं की आस्था का महापर्व है। इस महापर्व के लिए छठव्रतियों का सहयोग करना बहुत ही सौभाग्य की बात है।

पॉस्को और एनडीपीएस एक्ट पर सेमिनार का आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। शनिवार को सेमिनार हॉल न्याय सदन व्यवहार न्यायालय गढ़वा में पॉस्को एवं एनडीपीएस एक्ट पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन प्रधान जिला सत्र एवं न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा पुलिस अधीक्षक सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा एवं जिला सत्र न्यायाधीश पंचम सह विशेष पॉस्को न्यायाधीश गढ़वा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सभा को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक सह सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने कहा कि जिले के सभी पुलिस पदाधिकारि इस सेमिनार से सीखे समझे और अपने कार्य को गति दें

प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश ने कहा कि सही तरीके से अनुसंधान करते हुए वाद निष्पादन यदि हो जाए तो समाज में शांति व्यवस्था बढ़ेगी एवं अपराधियों के मन में भय कायम होगा न्यायपालिका पुलिस मीडिया आदि का काम एक ही है कि समाज में कैसे न्याय व्यवस्था सुदृढ़ हो और कोई भी अपराधी सजा से वंचित ना हो इसके लिए समेकित रूप से कैसे प्रयास किया जाए यह सुनिश्चित होना चाहिए उसके बाद सत्र के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम सह विशेष पॉस्को न्यायाधीश के द्वारा पास्को के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई सत्र में अमित भगत एनसीबी रांची के द्वारा एनडीपीएस एक्ट के बारे में विस्तृत चर्चा एवं सभी को एनडीपीएस एक्ट के बारे में जानकारी दी गई इस कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा कुमार विपुल जेजेबी शरद निशिकांत कुजुर न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार दास सहित पीएलवी लोग उपस्थित रहे।

निधन पर शोक सभा का आयोजन

कांडी (आजाद सिपाही)। सोनभद्र आदर्श इंटर कॉलेज कांडी के पूर्व सचिव स्वर्गीय अजय कुमार दुबे की धर्मपत्नी चित्रा दुबे के निधन को लेकर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कॉलेज परिवार के लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। इस दौरान प्राचार्य वीरेंद्र कुमार तिवारी, आशुतोष मिश्रा, शोभा मिश्रा, सत्येंद्र पाठक, इसरार आलम, बबन चौबे, बबन पांडेय, अनुज कुमार श्रीवास्तव, सत्येंद्र कुमार दुबे, अलखनाथ तिवारी, सतीश कुमार, शक्ति देव दुबे, जंग बहादुर यादव, शिवनाथ राम सहित कई लोग उपस्थित थे।

कथा के चौथे दिन सती के पार्वती के रूप में दूसरा जन्म तथा शिव विवाह का व्याख्यान हुआ

गढ़वा (आजाद सिपाही)। रामकथा आयोजन समिति द्वारा नरगिर आश्रम मे चल रहे कथा के चौथे दिन पूज्य संत श्री प्रपन्नाचार्य जी ने गुरु की महिमा, सती के पार्वती के रूप मे दूसरा जन्म तथा शिव विवाह का सुन्दर विश्लेषण किया। इस अवसर पर शिव विवाह की झांकी भी प्रस्तुत की गयी जिसे उपस्थित दर्शक श्रद्धालुओं ने खुब सराहा। गुरु महिमा का वर्णन करते उन्होने कहा कि गुरू की महिमा भगवान से भी बढ़करमाना गया है। स्वयं भगवान राम, भगवान श्री कृष्ण अवतार लेकर जब धरती पर आये, उन्होंने भी गुरुओं की सेवा की, गुरुओं के चरणों में सिर झुका कर ज्ञान प्राप्त किया। गुरू की क्षमता पर सन्देह करनेवालों को कभी ज्ञान प्राप्त नहीं हो पाता है। गुरू की हर आज्ञा शिरोधार्य योग्य होती है। पिता द्वारा अपमानित सती ने योग अग्नि मे जलाकर स्वयं को समाप्त कर दिया। इसके बाद शिवगणों ने दक्ष के यज्ञ मे तांडव मचा दिया। भगवान शिव के क्रोध से उत्पन्न वीरभद्र ने राजा दक्ष का सिर धड़ से उखाड़ कर अलग कर दिया। और यज्ञ कराने वाले पुरोहितों को भी क्रूरता से दंडित किया। सती के वियोग मे भगवान शिव मे वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे चौरासी हजार वर्षों के लिए समाधिस्थ हो गए। सती का पुनर्जन्म हिमाचल के घर हुआ। उनका नाम पार्वती रखा गया। उन्होने शिव को प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या का रास्ता चुना। आहार के रूमे विल्ववृक्ष की पत्तियां खाती रही जिसके कारण उनका नाम अपर्णा पड़ा। देवाताओं एवम ब्रह्मा जी के कहने पर वे विवाह को राजी हुए। इसके बाद शिव विवाह का रोचक वर्णन महाराज द्वारा किया गया। शिवजी के गण और बाराती भूत, प्रेत पिशाच, विचित्र शारीरिक बनावट वाले थे। दूल्हा का भी बड़ा ही भयानक रौद्र श्रृंगार था। उनके उस भयानक रूप को देखकर माता मैना बेहोश हो गई। बाद मे विष्णु जी द्वारा सौम्य श्रृंगार किया गया और उनका नाम चंद्रशेखर दिया गया। कथा मे प्रमुख रूप से उपस्थित हुए समिति के अध्यक्ष चंदन जायसवाल सहित पदाधिकारी विनोद प्रसाद, (करीमन), संजय सिंह, भरत केशरी, नितेशकुमार,अरविंद पटवा,सुदर्शन मेहता,गुड्डू हरी, रविंद्र पटेल, दीनानाथ बघेल,धर्मनाथ झा (टूना बाबा), जयशंकर बघेल, सोनू बघेल, गौतम चंद्रवंशी, आकाश बघेल, सांतनु केशरी, मुन्ना बघेल, देव बाबू, गोलू बघेल, मोनू बघेल, नीरज चंद्रवंशी आदित पंचोली, डॉ मुरली गुप्ता, उमाकांत तिवारी, शशि शेखर, सुखवीर पाल, सत्यम जी, मनीष कमलापुरी, द्वारिका पांडेय, दिलीप पाठक, उमेश कश्यप, पुष्परंजन, रासबिहारी तिवारी, अजय शुक्ला, सतीश सिन्हा, धनंजय पांडेय, अजय केशरी, श्रीपति पांडेय, अमित पाठक, विनोद पाठक, राजेंद्र प्रसाद, पंकज मिश्र, दिलीप श्रीवास्तव, अशोक पटवा उपस्थित थे।

विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से युवक घायल

कांडी (आजाद सिपाही)। मकान ढलाई के लिए मिक्कर मशीन सेटिंग करने के दौरान बगल से गुजर रहे 11 हजार विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से मिकचर मशीन चालक मजदूर झुलस कर बुरी तरह घायल हो गया। घायल मजदूर की पहचान कांडी थाना क्षेत्र के चटनियां के सुगवादामर गांव निवासी गिरिवर रजवार के 25 वर्षीय पुत्र अरविंद रजवार के रूप में हुई। घटना स्थल पर उपस्थित लोगों व परिजनों के द्वारा आनन-फानन में घायल मजदूर को एम्बुलेंस द्वारा कांडी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जंहा से बेहतर ईजाल के लिए मझिआंव रेफरल अस्पताल भेजा गया। घटना के संबंध में घायल की बहन गुड्डी देवी ने बतायी कि मेरा घायल भाई अरविंद रजवार लोहगाड़ा गांव के लगन चौधरी पिता नन्दु चौधरी के मकान ढलाई करने वाला मिक्सचर मशीन चलाने के लिए हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के महुआधाम गांव गया था। वहीं दूसरी ओर घटना की जानकारी देते हुए मिक्कर मशीन मालिक ललन चौधरी ने बताया कि हमारे मशीन पर अरविंद रजवार हरिहरपुर निवासी चुल्हाई साह का मकान महुआधाम में ढलाई करने के लिए मिक्कर मशीन को सेट कर जैसे ही उतरने लगा, इसी बीच बगल से गुजरा 11,000 हजार विद्युत प्रवाहित तार के चपेट में आकर गिर गया और बुरी तरह घायल हो गया। जिसे बेहतर ईलाज के लिए मझिआंव रेफरल अस्पताल में लाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों में भागीदारी पार्टी पी के जिलाध्यक्ष देवेंद्र प्रजापति, ग्रामीण जयपाल कुमार रवि सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

डीसी ने परीक्षा केंद्रों और प्रखंड कार्यालय का किया निरीक्षण

बलराम शर्मा

मेराल (आजाद सिपाही)। उपायुक्त शेखर जमुआर ने शनिवार को मेराल प्रखंड मुख्यालय में चल रहे तीन परीक्षा केंद्रों तथा प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले प्लस टू उच्च विद्यालय पहुंचकर परीक्षा का जायजा लिया, इसके बाद आदर्श मध्य विद्यालय मेराल एवं कन्या मध्य विद्यालय मेंराल परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र के प्रत्येक कक्षा में घूम घूम कर करीब आधे घंटे तक परीक्षा का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपस्थित परीक्षा ऑब्जर्वर, दंडाधिकारी, पर्यवेक्षक सभी को कदाचार मुक्त परीक्षा लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में केंद्र पर परीक्षा में अनियमितता नहीं बरती जाये। सूचना मिलने पर कदाचार करने वाले एवं कराने वाले के विरुद्ध सख्त करवाई की जायेगी। निरीक्षण के बाद उन्होंने सभी केंद्र पर शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा होने की बात कही। राजकीय कन्या मध्य विद्यालय में निरीक्षण के दौरान उपयुक्त के अतिरिक्त, डीएसइ, बीडीओ प्रवेश कुमार साव, दंडाधिकारी नवनीत प्रसाद, महिला पर्यवेक्षिका एकता नाथ,

प्रधानाध्यापिका दमयंती कुमारी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रखंड सह अंचल कार्यालय का भी किया निरीक्षण

परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने मेराल प्रखंड सह अंचल कार्यालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में प्रखंड से चल रहे योजना 15वें वित्त, मनरेगा, पीएम आवास आदि योजनाओं के बारे में भी जानकारी ली। इसकी जानकारी देते हुए बीडीओ प्रवेश कुमार साव ने बताया कि उपायुक्त द्वारा शनिवार को मेराल के तीनों परीक्षा केंद्र के साथ-साथ मेराल प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों के साथ-साथ कार्यालय के कार्य प्रणाली पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने प्रखंड से चलायी जा रही योजनाओं के साथ-साथ आय, जाति, निवास एवं दाखिल खारिज संबंधित ऑनलाइन की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उपायुक्त प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर का साफ-सफाई तथा रखरखाव पर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान उपायुक्त ने बीडीओ से प्रखंड मुख्यालय के आसपास डिग्री कॉलेज के लिए 5 एकड़ भूमि 1 सप्ताह के अंदर उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिया है। उस मौके पर बीडीओ प्रवेश कुमार साह, सीआई कपिलदेव माझी, प्रधान सहायक मुरारी मिश्र, नजीर सुनील कुमार, सहायक रिजवान अख्तर, बीपीओ फिरोज अंसारी, राजस्व उपनिरीक्षक बिंदेश्वर कुमार, जॉनसन गिद्धी एवं मनरेगा कर्मी उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल लातेहार

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– : 17/2022–23

1. विभाग का नाम :– भवन निर्माण विभाग
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंड़ल, लातेहार
3. परिमाण विपत्र प्राप्ति हेतु आवेदन की अंतिम तिथि एवं समय :– 10.04.2023 के 1.00 बजे अपराह्ण तक ।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 11.04.2023 के 3.00 बजे अपराह्ण तक ।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 11.04.2023 के 3.30 बजे अपराह्ण तक ।
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– 1. अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–02 रॉची के द्वारा प्राधिकृत स्थान एवं प्रतिनिधि के द्वारा। 2. पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार।
7. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– 1. पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, लातेहार।
कार्य का नाम एवं अन्य सूचना :–

क्र.सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि रु0	अग्रधन राशि रु0	परिमाण विपत्र का मूल्य रु0	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड मनिका के पंचायत कोपे में उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोपे में कक्षा संचालन हेतु 1 ACR भवन निर्माण	905300/ -	18500/ -	1250/ -	03 (Three) Months
2	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड बालूमाथ के पंचायत बालूमाथ में कन्या मध्य विद्यालय बालूमाथ में एक अतिरिक्त कमरा निर्माण	905300/ -	18500/ -	1250/ -	03 Three)Months
3	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड बालूमाथ के पंचायत भगेया में उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिरम में कक्षा संचालन हेतु 2 ACR भवन निर्माण	1610400/ -	32500/ -	5000/ -	03 (Three) Months
4	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड हेरहंज के पंचायत सलेया में उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय हेरहंज में कक्षा संचालन हेतु 2 ACR भवन निर्माण	1610400/ -	32500/ -	5000/ -	03 (Three) Months
5	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड गारू के पंचायत कारवाई में उत्क्रमित उच्च विद्यालय कारवाई में कक्षा संचालन हेतु 2 ACR भवन निर्माण	1610400/ -	32500/ -	5000/ -	03 (Three)Months
6	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड गारू के पंचायत बारेसाढ़ में उत्क्रमित उच्च विद्यालय बारेसाढ़ में कक्षा संचालन हेतु 2 ACR भवन निर्माण	1610400/ -	32500/ -	5000/ -	03 (Three) Months
7	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड चन्दवा के पंचायत चकला में उत्क्रमित मध्य विद्यालय नगर में कक्षा संचालन हेतु 2 ACR भवन निर्माण	1610400/ -	32500/ -	5000/ -	03 (Three) Months
8	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड लातेहार के पंचायत परसही में उत्क्रमित मध्य विद्यालय परसही में कक्षा संचालन हेतु 3 ACR भवन निर्माण	2469000/ -	50000/ -	5000/ -	03 (Three) Months
9	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड चन्दवा के पंचायत जमीरा में उत्क्रमित उच्च विद्यालय रोल में कक्षा संचालन हेतु 3 ACR भवन निर्माण	2469000/ -	50000/ -	5000/ -	03 (Three) Months
10	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड लातेहार के पंचायत पेशरार में उत्क्रमित उच्च विद्यालय रिघुघुटा में कक्षा संचालन हेतु 3 ACR भवन निर्माण	2469000/ -	500 00/ -	5000/ -	03 (Three) Months
11	Renovation of I.T.I Building at Chandwa, Latehar	2488610/ -	50000/ -	5000/ -	03 (Three) Months
12	Construction of Office Building at S.T. Residential Boys High School, Mahuadanr, Latehar	2283650/ -	46000/ -	5000/ -	03 (Three) Months

नियम एवं शर्त कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhand.gov.in पर देखें ।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंड़ल, लातेहार ।

PR.NO.293594 Building(22-23):D

मारंगहादा में आयोजित स्वास्थ्य मेला में एक हजार मरीजों की की गयी जांच

स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लेकर करें स्वस्थ समाज का निर्माण: डीडीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। प्रखंड के मारंगहादा गांव में शनिवार को प्रखंड स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। जिसमें एक हजार से अधिक ग्रामीणों ने इलाज कराया। 50 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का इलाज किया। मोबाइल यूनिट के माध्यम से भी लोगों की जांच की गई। मौके पर साथ ही यहां आयुष्मान कार्ड के लिए भी विशेष शिविर लगाया गया। इस अवसर पर मातृत्व शिशु स्वास्थ्य, हृदय रोग, मोबाइल केयर, आंख, चर्म रोग, दांत, न्यूरो से संबंधित गंभीर

स्वास्थ्य मेले में शारीरिक जांच कराने पहुंचे लोग।

रोगों का इलाज किया गया। साथ ही ग्रामीणों के बीच 130 चश्मा का भी वितरण किया गया। शिविर में दिव्यांग जनों के बीच विभिन्न उपकरणों का वितरण भी किया गया। इस दौरान सिकल सेल एनीमिया शिविर में 60 लोगों की जांच की गई। इसमें तीन मरीज सिकल सेल पॉजिटिव पाए गए। इस दौरान लोगों को सिकल सेल एनीमिया की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त (डीडीसी) नीतीश कुमार सिंह ने लोगों को स्वास्थ्य का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला सक्रिय प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान ने कहा कि इस पहल का लाभ लें और स्थानीय स्तर पर मिल रही सुविधा लेकर स्वस्थ और सशक्त समाज का निर्माण करने में सहायक बने। हेल्थ कैंप में आने वाले लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था दाल भात योजना के तहत की गई थी। इस दौरान आपूर्ति विभाग के माध्यम से फोटीर्फाइड चावल व सोना सोबरन धोती साड़ी योजना का लाभ दिया गया। साथ ही कृषि विभाग द्वारा बीज वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त समाज कल्याण शिविर के माध्यम से मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, अन्नप्राशन और गोदभराई कराई गई।

हक-अधिकार पाने के लिए मजदूरों को एक होना होगा : कमलेश सिंह

जनता मजदूर संघ ने परियोजना में की गेट मीटिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। कोल इंडिया के वर्तमान प्रबंधन को मजदूरों के आंदोलन क्षमता के बारे में जानकारी नहीं है। इसलिए 19 फीसदी एमजीबी लागू करने एवं 11वां वेतन समझौता मामले को लटका रखा है। मजदूरों को भी यह समझना होगा कि थोड़ी भी लापरवाही बरतने पर मजदूरों का बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता है। उक्त बातें जनता मजदूर संघ (जमसं) के सीसीएल अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने कही। वे शनिवार को केडीएच पीट कार्यालय पर आयोजित एक गेट मीटिंग को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 19 फीसदी एमजीबी पर संघ ने पहले भी आपत्ति जताई थी। बावजूद इसके श्रमिक संगठनों की सामूहिक सहमति को देखते हुए मान गई थी, लेकिन अगर कोई संगठन इसकी आड़ में कोयला मजदूरों के हक अधिकार को गिरवी रखने का प्रयास करेगा तो हमलोग चुप नहीं रहेंगे। उन्होनें 27

गेट मीटिंग कर प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन करते जमसं कार्यकर्ता।

मार्च को सीसीएल मुख्यालय पर होने वाले प्रदर्शन में मजदूरों को शामिल होने की अपील की। साथ ही कहा कि सभी संगठन और दलगत भावना से उपर उठकर कोयला मजदूर के रूप में इसमें भाग लेकर प्रबंधन को अपनी एकता का परिचय दें। आने वाला समय और भी कठिन होने वाला है। इसलिए एकता जरूरी है। जमसं ने नेडकरा, चुरी,पुरनाडीह और रोहिणी में भी गेट मीटिंग कर मजदूरों को प्रदर्शन की जानकारी दी। केडीएच में अजय चौहान,रोहिणी संजय कुमार, पुरनाडीह बिरेन पासवान और डकरा में प्रभु गंझू ने मीटिंग की अध्यक्षता की। जबकि संचालन गोल्टेन प्रसाद यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन डीपी सिंह ने किया। इस अवसर पर संबंधित शिफ्ट के सभी कामगार मौजूद थे।

एनके एरिया से 500 मजदूर शामिल होंगे

डकरा। जनता मजदूर संघ के एनके एरिया अध्यक्ष गोल्टेन प्रसाद यादव ने बताया कि 27 मार्च को होने वाले प्रदर्शन में एनके-पिपरवार एरिया से 500 से अधिक कोयला मजदूर शामिल होंगे। इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। महामंत्री के आह्वान पर मजदूरों में भी उत्साह है।

आजाद सिपाही में छपी खबर पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने लिया संज्ञान नाली निर्माण का निर्देश

बुंडू (आजाद सिपाही)। नाली शीघ्र बनाने की मांग नामक शीर्षक से आजाद सिपाही के 18 मार्च के अंक में खबर प्रकाशित की गई थी। इसमें लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। उक्त खबर के प्रकाशन के बाद इस पर संज्ञान लेते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश उरांव शनिवार को नगर पंचायत कार्यालय के संवेदक को बुलाकर जल्द से जल्द नाली को पूर्ण करने का निर्देश दिया। कहा कि लोगों की समस्याओं का निदान करना उनकी प्राथमिकता में है।

लोक अदालत में 15 मामलों का निष्पादन, 6.52 लाख का हुआ सेटलमेट

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में खूंटी व्यवहार न्यायालय में शनिवार को लोक अदालत मध्यस्थता विषय पर विशेष कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। अपने संबोधन में डालसा के सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि सभी सुलहनीय और दीवानी मामले को लोक अदालत मध्यस्थता के माध्यम से सुलह कराती है। लोक अदालत में विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए पांच बेंचो का गठन कर दीवानी और फौजदारी न्यायालय में लंबित सुलहनीय

प्रकृति के मामले, एनआइ एक्ट और बिजली से संबंधित मामलों का निस्तारण किया गया। डालसा सचिव के अनुसार लोक अदालत में पांच बेंचों के माध्यम से न्यायालय में लंबित 15 मामलों का निष्पादन किया गया। साथ ही छह लाख 52 हजार 314 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। इस अवसर पर जिला जज प्रथम संजय कुमार, जिला जज द्वितीय सत्यकाम प्रियदर्शी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सत्यपाल, एसडीजेएम दिनेश बाउरी, न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, स्थायी लोक अदालत के सदस्य, डालसा कर्मचारी अवनीश भारद्वाज, डीएलएसए के पीएलवी नरेश कुमार महतो आदि उपस्थित थे।

राय पंचायत में धूमधाम के साथ निकाली सरहुल शोभायात्रा, मेले का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। कोयलांचल क्षेत्र के राय पंचायत में सरहुल शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गयी। शोभायात्रा में पंचायत से काफी संख्या में लोग शामिल हुए, जो पूरे पंचायत का ढोल मांदर के साथ नाचते-गाते हुए भ्रमण किया। यह शोभायात्रा राय बस्ती, राय बाजार होते हुए अंबेडकर फुटबॉल मैदान पहुंचा, जहां सरहुल मेले का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन समाजसेवी नागेश्वर महतो और मुखिया शीला देवी ने संयुक्त रूप से किया। मेला में दूरदराज से ग्रामीण शामिल हुए

सरहुल शोभायात्रा में शामिल लोग।

और मेला का आनंद उठाया। इस अवसर पर नागपुरी आर्केस्ट्रा का भी आयोजन किया गया, जिसमें बाहर से आए कलाकारों द्वारा कार्यक्रम पेश किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्राम प्रधान विजय पहान, गणेश महतो, दुर्गा महतो, दीपक महतो, रूपेश महतो, विनोद महतो, भरत राम, प्रदीप उरांव, सुरेश महतो, बबलू महतो, संतोष महतो आदि की भूमिका सराहनीय रही।

शहीद रघुनाथ महतो का शहादत दिवस 5 अप्रैल को

सिल्ली (आजाद सिपाही)। किता चापाटांड़ में शहीद रघुनाथ महतो के शहादत स्थल पर पांच अप्रैल को शहादत दिवस सह श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। इसे लेकर शनिवार को चापाटांड़ में समिति की बैठक हुई। जिसमें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा एवं विभिन्न कार्यक्रमों के भव्य आयोजन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में गूंज के अध्यक्ष सुनील सिंह, प्रो श्रीकांत महतो, रतन महतो, कालीचरण महतो, बुद्धीमान महतो, फुल चांद महतो, कैलाश महतो आदि ने अपने-अपने विचार रखे। इस अवसर पर आजसू के संगठन सचिव सह गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह ने सभी सदस्यों को कार्यभार सौंपा एवं कई निर्देश दिए।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन, हजारीबाग चैंपियन

सिल्ली (आजाद सिपाही)। ड्रामेटिक क्लब के तत्वाधान में शुक्रवार को राजा उपेंद्र नाथ सिंह देव की जयंती पर एक दिवसीय दिवा-रात्रि वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें में रांची, कांके, धनबाद, बड़कीपोना, जैप, हजारीबाग, पातकुम, नवाडीह, सोनाहातु, दंगल, सुईसा, गागी, सिल्ली टाउन, ड्रामाटिक क्लब, रॉयल राजपूत, सिक्स स्टार क्लब समेत कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। देर शाम तक चली प्रतियोगिता में विधायक सुदेश महतो, जयपाल सिंह समेत अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। जिसमें धनबाद को 22-25, 25-23 एवं 25-22 से हराकर हजारीबाग चैंपियन बना। विजेता टीम को समिति के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र सिंह देव एवं उप विजेता टीम को संजीत सिंह देव ने ट्रॉफी और नकद राशि देकर पुरस्कृत किया। वहीं विधायक सुदेव महतो ने राजा उपेंद्र नाथ सिंह देव एवं राजा बीरेंद्र नाथ सिंह देव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रतियोगिता के आयोजन में रंजीत चंद, विनय चक्रवर्ती, भरत देव साय, प्रदीप सिंह, विमल दे, सुधाकर सिंह देव, संदीप सिंह देव, रुद्राक्ष सिंह देव, दीपक सिंह, अरजीत आश, कमल दे, परमेश्वर स्वर्णकार समेत क्लब के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

चार दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सह वैदिक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन

सिल्ली (आजाद सिपाही)। छातांटांड़ मैदान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सह वैदिक संस्कृत महोत्सव का शुक्रवार को समापन हुआ। चार दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिदिन पूजा, आरती, भजन कीर्तन वह श्रीमद् भागवत कथा एवं महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। अंतिम दिन देरशाम विधायक सुदेश महतो, गूंज के संयोजक जयपाल सिंह, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी समेत कई लोग शामिल हुए।

बेंती में कल होगा सरहुल मेला का आयोजन

पिपरवार (आजाद सिपाही)। प्रकृतिक पर्व सरहुल पूजा के अवसर पर पिपरवार क्षेत्र के बेंती ईमली ग्राउंड में 27 मार्च को सरहूल मेला एवं खोड़हा नृत्य का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर सरहुल पूजा समिति की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है। समिति के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम में बाहर से आ रहे कलाकारों द्वारा संगीत प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं, मेले को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। समिति के सदस्यों ने क्षेत्र के सभी लोगों से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

सांसद प्रतिनिधि के निधन पर शोक व्यक्त

पिपरवार (आजाद सिपाही)। भाजपा चतरा जिला के कद्दावर नेता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सांसद प्रतिनिधि अजय सिंह का हरिद्वार में निधन हो गया। उनके निधन पर भाजपा पिपरवार मंडल के अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा सहित कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने शोक प्रकट किया है।

मुरहू में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपित गिरफ्तार

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिले के मुरहू थाना क्षेत्र में विगत दिनों एक नाबालिग लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले की जांच कर रही पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जबकि एक आरोपित अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है। यह जानकारी खूंटी एसडीपीओ अमित कुमार ने दी। उल्लेखनीय है कि मेला देखने के लिए घर से गई पीड़िता के साथ पिछले दिनों कुछ युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान पीड़िता के साथ युवकों ने मारपीट भी की थी। गुरुवार को मामला प्रकाश में आने के बाद मुरहू थाना में एक मामला दर्ज किया गया था।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सरहुल, जुलूस में उमड़ी भारी भीड़

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्लू लुपुंग टोला काली मंदिर के समीप सरहुल पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव, रामानंद बेदिया, पूर्व प्रमुख कमलनाथ मांझी, थाना प्रभारी आकाश दीप, डॉ जे कच्छप, लखीराम बेदिया, रविंद्र करमाली, मुखिया लालू उरांव, सरिता मुंडा, रेखा देवी, जितनी देवी, शर्मिला कुमारी, जितनी देवी, सावन देवी, भरत मुंडा आदि शामिल हुए। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नही, बल्कि झारखंड के गौरवशाली प्राकृतिक धरोहर का नाम है। यही धरोधर मानव सभ्यता संस्कृति एवं पर्यावरण का रीढ़ भी है। यह एक ऐतिहासिक पर्व भी है। इस संस्कृति को बचाये रखना हम सभी का कर्त्तव्य है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे लुपुंग मुखिया सीमा कुमारी ने कहा कि सरहुल महोत्सव में महिलाओ की भागीदारी अहम होती है। समारोह का संचालन गोंदुरा उरांव ने किया। समारोह के पूर्व सिल्ली बजार में सरहुल जुलूस निकाली गई। जिसमें मोदीडिह, खापचाबेड़ा, फुलवेर, पिस्का, छाताटांड़, सिल्ली निचेटोला, बुढ़ागुजु, कमलामाइल, काशीपीड़ी, छोटामुरी आदि गांव के लोग शामिल हुए। डीजे की धुन पर महिला-पुरुष नृत्य करते हुए लुपुंग टोला सरना स्थल पहुंचे। मौके त्रिदेव मांझी, रेशमी कुमारी, शुशील उरांव, शंकर उरांव, मंगरा मुंडा, भवानीत मुंडा आदि थे।

बचरा छठ घाट की सफाई की गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल और आस पास के ग्रामीण इलाकों में चैती छठ पूजा को लेकर तैयारी जोर शोर से की जा रही है। शनिवार को भारतीय युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष रवि भारद्वाज के नेतृत्व में कई युवकों ने बचरा सपही नदी छठ घाट की सफाई की। इस दौरान नदी के अगल-बगल मांस मछली बेचने वाले दुकानदारों को गंदगी नहीं करने की हिदायत दी गई। साथ ही नदी को साफ सुथरा रखने की अपील की गई। प्रखंड अध्यक्ष रवि भारद्वाज ने कहा कि चैती छठ पूजा से पूर्व छठ घाट के अगल-बगल

छठ घाट की साफ सफाई करने पहुंचे युवक।

मांस मछली के दुकानों को बंद करा दिया जाएगा। साथ ही श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी नहीं हो इसके लिए नदी में साफ सफाई भी की जा रही है। इस मौके पर उनके साथ कुमार दीनानाथ सहित कई युवा मौजूद थे।

कोड़ाकेल तेजस्विनी क्लब में पोषण पखवाड़ा का आयोजन

दैनिक जीवन में करें अधिक से अधिक मोटे अनाज का प्रयोग : मिथिलेश सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तेजस्विनी क्लब, कोड़ाकेल की ओर से मुरहू प्रखंड कार्यालय में शनिवार को पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बीडीओ, मिथिलेश कुमार सिंह और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर डीडीसी ने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन है कि मिलेट उत्पाद के मामले में हमारा देश लागातर अग्रसर हो और हमारे गांव के लोग दैनिक जीवन में अधिक से अधिक मोटे आहार जैसे मूंग, बाजरा आदि का उपयोग करें। ये आनाज काफी पौष्टिक होते हैं। वहीं, मुरहू के अंचल अधिकारी

मोटे अनाज की उपयोगिता की जानकारी देते बीडीओ मिथिलेश सिंह।

मोनिया लता ने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने हैंड वॉश के सभी स्टेप के बारे विस्तृत जानकारी दी। मौके पर प्रमुख, मुरहू एलिसा गुड़िया ने कहा कि पोषण पखवाड़ा मनाने का कार्यक्रम मात्र एक ही दिन का नहीं है, बल्कि हम सभी को हर रोज इस कार्यक्रम को मनाना चाहिए। उन्होंने भोजन की चर्चा करते हुए कहा कि हम सभी को अपने दैनिक जीवन में सात तरह के भोजन का उपयोग करना चाहिए। उप प्रमुख, मुरहू अरुण साबू ने कहा कि पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम तभी सफल होगा, जब हमारे गांव एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों के लोग अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता एवं पौष्टिक आहार को शामिल करेंगे। उन्होंने तेजस्विनी परियोजना के लोगों से पोषण पखवाड़ा की मुहिम को शत-प्रतिशत सफल बनाने भी अपील की। इस दौरान तेजस्विनी की किशोरियों एवं युवतियों के बीच पोषण पखवाड़ा विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में तेजस्विनी परियोजना प्रबंधक छगन लाल शर्मा, जोनल टीम के राजेंद्र शर्मा, ग्राम पंचायत मुखिया मरियम होरो, वार्ड सदस्य सोनी देवी, तेजस्विनी परियोजना कर्मी एव परियोजना से जुड़ी सभी किशोरी एवं महिला उपस्थित थी।

दो दिवसीय स्व. रामदास घटवार स्मृति मेला सांस्कृतिक महोत्सव कल से

सिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रखंड के गोराडीह पंचायत के खेरबेडा गांव में दो दिवसीय स्व रामदास घटवार स्मृति मेला सांस्कृतिक महोत्सव सोमवार से आयोजन होने जा रहा है। आयोजन समिति के संरक्षक मुरलीधर घटवार ने बताया कि इस महोत्सव में पहले दिन मुर्गा लड़ाई एवं फुटबॉल खेल प्रतियोगिता आयोजित होगा।

मायापुर में वन अधिकार कानून को लेकर बैठक

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। मायापुर पंचायत भवन में शनिवार को वन अधिकार अधिनियम 2006 एवं संशोधित नियम 2012 एवं पेसा अधिनियम 1996 के तहत ग्राम सभा को सशक्त करने के लिए एवं सांस्कृतिक पहचान को बचाने के लिए बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता कलमतिया भोगता ने की। बैठक में झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन से सूर्यमणि भगत, हजारी प्रसाद, विजय भगत एवं अलेक सुयश टोप्पो मौजूद थे। बैठक में वन अधिकार कानून को लेकर कई जानकारियां दी गई। साथ ही ग्राम सभा मंच में नए सदस्यों को जोड़ने का निर्णय लिया गया। बैठक में कलमतिया भोगता लालमणि भोगता, रिझू गंझू,हीरामणि देवी, बांधनी देवी, बुटन देवी, रूबी देवी, मंजू देवी, सुकरमणि देवी, मैनो देवी, बिलासो देवी, कोशिला देवी, सुषमा देवी, रवि भोगता, भोला गंझू, मिठू गंझू, जगदीश भोगता और राजेश गंझू आदि मौजूद थे।

डीडीसी ने अमृत सरोवर योजना के तहत चल रहे तालाब जीर्णोद्धार कार्य का किया निरीक्षण

चान्हो (आजाद सिपाही)। भूमि संरक्षण एवं जिला परिषद के तहत चल रहे अमृत सरोवर योजना को लेकर डीडीसी दिनेश कुमार यादव ने चान्हो प्रखंड अंतर्गत बलसोकरा एवम करम टोली गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव में भूमि संरक्षण एवं जिला परिषद अमृत सरोवर योजना के तहत चल रहे तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर उप विकास आयुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी से चान्हो प्रखंड में अमृत सरोवर कार्यक्रम के तहत किये जाने वाले कार्यो की जानकारी ली वहीं उन्होंने वैसे सभी तालाब जिनका निर्माण कराया जाना है एवं जिन का जीर्णोद्धार कराया जाना है से संबंधित कार्यों का नियमित निरीक्षण कर ससमय कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। मौके बीडीओ, सुलेमान मूनडरी प्रोजेक्ट ऑफिसर मनीष कुमार, पंचायत के मुखिया बीपीओ गुंजन कुमार एवं प्रखंड के पदाधिकारियों कर्मी के साथ ग्रामीण उपस्थित थे। अमृत सरोवर का निर्माण भूमि संरक्षण एवम जिला परिषद के द्वारा किया जा रहा है उपविकास आयुक्त के द्वारा जिला अभियंता मिथिलेश पांडे और कनीय अभियता जिला परिषद, बाली उरांव एवं कनीय अभियता भूमि संरक्षण आलोक कुमार एवं लाभुक समिति के सदस्यो को सरोवर की संरचना, इनलेट आऊटलेट ड्रेसिंग कार्य में सुधार के लिए निर्देश दिया गया साथ ही सरोवर की उपयोगिता, जीविकोपार्जन से संबधित जानकारी दी।

रामनवमी पूजा कमेटी का गठन किया

लापुंग (आजाद सिपाही)। सापुकेरा पंचायत की फतेहपुर में मनोज कुमार साहू की अध्यक्षता में महाबीर मंदिर प्रांगण में बैठक कर रामनवमी पूजा समिति का गठन किया गया। इस पूजा कमेटी की बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर नयी कमेटी का गठन किया गया। रामनवमी पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्नीलाल साहू, सचिव विष्णु साहू, कोषाध्यक्ष मिथिलेश साहू, महामंत्री रामप्रसाद साहू, उपाध्यक्ष अघनु महतो, भुनेश्वर साहू, मनमोहन साहू, हरिश्चंद्र राम, संरक्षक राम किशोर साहू, राजेश कुमार साहू मनोज साहू, रामचंद्र साहू, दिनेश राम, महाबीर साहू को बनाया गया। जुलूस का सफल संचालन के लिए गांव के युवाओं को कार्यकर्ता नियुक्त किया गया है। जुलूस में सभी को अखाड़ा में भाग लेकर अपने अस्त्र शस्त्र चालन के लिए सभी को आने का निर्देश दिया गया।

सरहुल पूजा महोत्सव संपन्न

इटकी (आजाद सिपाही)। प्रकृति पर्व सरहुल पूजा महोत्सव की शोभायात्रा रंग गुलाल खेलते एवं नाचते गाते नववर्ष का स्वागत शनिवार को धूमधाम से शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। शोभायात्रा में क्षेत्र के दर्जनों गांव के पहानो ने खोरहा के साथ भाग लिया। जिसमें कुंदी, बारीडीह, मुकुंदा, मोरो, बोरिया, रानीखटंगा, लोयो, नारी, कुंबटोली, झिंझरी, बचीला एडचोरो, लद्दा, चोली, टुरुगुरु, कुमाटोली,कोराम्बी, शकरपादा, टिकराटोली, सियार टोली सहित कई गांव के पहानो ने भाग लिया। शोभायात्रा तीरबिंथा चौक, मौसी बाड़ी, बाजार टाड होते हुए सरना स्थल झखरा पहुंचा। सभी पहान एक साथ सरना स्थल का परिक्रमा किया और पूजा अर्चना कर सभी खोरहा के द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। शोभायात्रा में प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम प्रसाद साहू ,अंचल पदाधिकारी रश्मि लकड़ा, पूर्व जीपएस लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव थाना प्रभारी रजनी रंजन-रामनवमी महावीर मंडल के अध्यक्ष कृष्णा राम तिवारी सरहुल पूजा समिति के अध्यक्ष वीरा उरांव अपने विचार रखे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुका उरांव राजकुमार तिर्की, सुधीर प्रधान, बिंदेश्वर उरांव चंदन, सूरज, संजय, रंजीत सहित काफी संख्या में लोगों ने अपना सहयोग दिया।

गेतलसूद में सरहुल पूजा में शामिल लोगों ने क्षेत्र की शांति और समृद्धि के लिए की प्रार्थना

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। मानव सरना समिति द्वारा शुक्रवार को गेतलसूद स्थित करंजटोली सरना में सरहुल पूजा की गई। पूजा हरि पाहन ने की। मुख्य अतिथि भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार थे। सभी ने क्षेत्र की शांति व समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर जैलेंद्र कुमार ने सरना स्थल में चबूतरा निर्माण में होने वाले सामग्री को दिये जाने की घोषणा किये। इस अवसर पर मुखिया शांति मुंडा, गौरीशंकर मुंडा, सीताराम मुंडा, उपमुखिया शंकर बैठा, अनिल मुण्डा, शिकारी महतो, संजय नायक, गणेश लोहरा, मंशू मुण्डा, लखींद्र मुंडा, महेंद्र मुंडा, दिलीप मुंडा, रामचंद्र मुंडा आदि उपस्थित थे। खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने अनगड़ा, सालहन, नारायण सोसो, जानुम, गेतलसूद सहित विभिन्न सरना स्थानों में हुई सरहुल पूजा में शामिल हुए। इधर सरहुल पूजा के बाद अनगड़ा चौक में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में आसपास के कई सरना समिति के लोग गाजे-बाजे के साथ शामिल हुए। सभी का स्वागत अनगड़ा के पूर्व मुखिया मधुसूदन मुंडा, ग्रामप्रधान लोकनाथ पाहन, पुशनाथ मुण्डा, संजीव सिंह उर्फ मुन्ना, घनेनाथ महतो, जगेश्वर महतो, मनोज भटटाचार्य, अघनू महतो आदि ने स्वागत किया। सालहन सरना में सरहुल पूजा में जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुण्डा एवं भाजपा नेता रामसाय मुण्डा, नवागढ़ सरना में जिला परिषद सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा, टाटी में मुखिया रामानंद बेदिया शामिल हुए, तुरूप में बलराम मुंडा, श्रद्धा सरना समिति गेतलसूद में राजदेव पाहन एवं अजय उरांव, सिकिदिरी सरना में सांसद प्रतिनिधि सुजीत कुमार, विधायक प्रतिनिधि अजगुत करमाली शामिल हुए।

पाहनों को किया गया सम्मानित

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रकृति पर्व सरहुल के अवसर पर पहल सेवा संस्था रांची के तत्वावधान में ग्राम सहेदा एवं बुमरू (हुरवा पंचायत) नामकुम रांची में दोनों ग्राम के सभी पाहनों को अंगवस्त्र (दो धोती, पगड़ी एवं गंजी) पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव दिलीप ठाकुर ने धर्मगुरु पाहनों को राज्य एवं देश के हित में पूर्व की तरह आगे भी प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षण ईश्वर से प्रार्थना करने का आह्वान किया जिसे पाहनों ने प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के लिए पूजा करने का संकल्प लिया। मौके पर दिलीप ठाकुर की अध्यक्षता में संस्था के अध्यक्ष इल्ताफ हुसैन एवं मुख्तार खान ने भी अपने-विचार रखे। इस कार्यक्रम में समाजसेवी अभिनीत सिंह, योगेंद्र राम नेजाम अंसारी, शाहनवाज खान, देलाक्रूश होरो, समद अंसारी, ग्रामप्रधान पवन मुंडा, वार्ड सदस्य वीणा लिंडा सहित लगभग दो सौ लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिसके लिए पहल सेवा संस्था उनका हार्दिक अभिनंदन करती है।

बेड़ो की करांजी की घटना का जताया विरोध

दुकानदारों ने स्वतः दुकानें बंद रखीं

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। थाना क्षेत्र के करांजी गांव में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर की आवाज को लेकर हुए विवाद के बाद बेड़ो में शनिवार को दुकानदारों ने अपनी दुकानें स्वतः बंद रखा। वहीं पुलिस, पदाधिकारी, शांति समिति, रामनवमी पूजा महासमिति एवं सरहुल पूजा महासमिति के लोगों ने सड़क पर दुकानदारों से दुकानें खोलने की अपील किया। इसके बाद दुकानदारों ने अपनी दुकानें खोल दिया। गौरतलब है कि बेड़ो थाना क्षेत्र के करांजी गांव में दो धार्मिक स्थलों पर बजने वाले लाउडस्पीकर की आवाज को लेकर शुक्रवार की रात में दो समुदाय के लोग आमने सामने हो गये थे। इसके बाद पुलिस और पदाधिकारियों ने समझा बुझाकर दोनों पक्ष के लोगों को शांत किया और घर भेज दिया था। इधर उक्त घटना के बाद बेड़ो शहरी क्षेत्र की सभी दुकानें व सब्जी बाजार स्वतः बंद हो गईं। वहीं डीएसपी रजत मणिक बाखला, बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार, सीओ सुमंत तिर्की, थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता, शांति समिति के सदस्य, रामनवमी पूजा महा समिति एवं सरहुल पूजा महा समिति के लोगों ने बेड़ो शहरी क्षेत्र में घूम-घूम कर दुकानदारों एवं सब्जी बाजार खोलने की अपील किया। वहीं पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों ने शनिवार को आहुत सरहुल पूजा शोभायात्रा के मद्देनजर आम लोगों से शांति व्यवस्था बनाकर शोभायात्रा में शामिल होने तथा किसी भी तरह की अफवाहों या घटनाओं पर तुरंत पुलिस प्रशासन को खबर करने की अपील किया।

पुलिस पदाधिकारी, शांति समिति, रामनवमी पूजा महासमिति एवं सरहुल पूजा महासमिति के लोगों ने दुकानें खोलने की अपील की, इसके बाद दुकानें खुलीं

चप्पे-चप्पे पर पुलिस सशस्त्र बल तैनात

वहीं आम नागरिकों को प्रशासन द्वारा आश्वस्त किया गया कि उपद्रवियों एवं असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए चप्पे चप्पे पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस सशस्त्र बल तैनात किये गए हैं। बीडीओ ने कहा कि आप सभी सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों पर ध्यान न दें व सरहुल शोभायात्रा को खुशी से सफल बनायें। साथ ही करांजी गांव में स्थानीय पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी सशस्त्र बलों के साथ कैंप कर रहे हैं। इधर पुलिस पदाधिकारी उपद्रवी और शरारती तत्वों पर कड़ी नजर बनाये हुए हैं।

मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की से मिल कर चीक बड़ाइक समाज ने जताया आभार

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। चीक बड़ाइक समाज का प्रतिनिधि मंडल समाज के केंद्रीय अध्यक्ष प्रभुदयाल बड़ाइक के नेतृत्व में मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के पैतृक आवास बनहोरा जाकर उन्हें चीक बड़ाइक समाज के खतियानी त्रुटि को दूर करने से संबंधित मामला को विधानसभा के पटल पर जोरदार ढंग से उठाने के प्रति आभार जताया। चीक बड़ाइक समाज के द्वारा बुने अंग वस्त्र और बुके देकर सरहुल की बधाई एवं धन्यवाद दिया। इस मौके पर समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को उदाहरण स्वरुप बताया कि खतियानी त्रुटि लिपिकीय भुल के कारण हुआ है। कई ऐसे परिवार में अगर दो खतियान हैं तो दोनों में कौम अन्तर है। किसी में बड़ाइक तो किसी का चीक बड़ाइक है। और किसी किसी में तो केवल चीक ही दर्ज है। इस पर विधायक शिल्पी तिर्की ने ने कहा कि निश्चित रूप से यह खतियानी त्रुटि है। इस त्रुटि को दूर कराने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर समाज के केंद्रीय महासचिव सतीश बड़ाइक, जेठू बड़ाइक, नारायण बड़ाईक, उमाशंकर बड़ाइक, उपाध्यक्ष प्रेमचंद बड़ाईक, महासचिव अनूप बड़ाइक, शंकर बड़ाइक, योगेंद्र बड़ाइक, अनिता बड़ाइक, सुभद्रा बड़ाइक, उमेश बड़ाइक, बबलू बड़ाइक, रोशन बड़ाइक, बबलू बड़ाइक, संतोष बड़ाइक, विजय बड़ाइक, अशोक बड़ाइक सहित सिमडेगा, कोलेबिरा गुमला के प्रतिनिधि शामिल थे।

सरहुल मिलन समारोह का आयोजन किया

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। केंद्रीय सरना समिति ठाकुरगाव के द्वारा मंडा ताड़ में सरहुल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जिप परिसद अध्यक्ष निर्मला शांति भगत व विशिष्ट अतिथि रामकेश मिना मिंज, जिप सदस्य मनोज महतो उपस्थित हुए। जिप अध्यक्ष अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति पर्व सरहुल आपसी भाईचारगी को जोड़ता हैं। इस मिलन समारोह में बुढ़मू, रातू, पिठोरिया, कांके समेत दर्जनों गांवों के खोड़ा अपने पारंपरिक भेसभुसा रीतिरिवाज के साथ उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम को सफल आयोजन में मुखिया जयंती देवी सचिन पाहन अध्यक्ष बबलू उरांव, मदन महली, शिवशंकर रामेश्वर उरांव रूपेश पाहन समेत अन्य लोग शामिल थे।

नामकुम में रामनवमी पर निकालेगी 30 अखड़ा और झांकियां

नामकुम (आजाद सिपाही)। श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति नामकुम बाजार की बैठक शुक्रवार को समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, आखड़ा अध्यक्ष अनिल वर्मा, उपाध्यक्ष बीकू सिंह राजा साहब व अशोक मुंडा की अध्यक्षता में की गयी। इस दौरान सभी अखड़ाधारियों व झांकियों के सदस्यों एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारी पर चर्चा कर आमंत्रण दिया। मौके पर मनोज कुमार सिंह व अनिल वर्मा ने संयुक्त रूप से सभी अखड़ाधारियों एवं झांकियों से शांतिपूर्ण अपने-अपने गणतव्य से निर्धारित समय पर पहुंचने एवं अस्त्र-शस्त्र का प्रर्दशन करने की अपील की। समिति के उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बिक्कू सिंह ने कहा कि रामनवमी में इस वर्ष करीब 30 अखड़ा एवं झांकियां पहुंचेगी। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध करते हुये कहा कि रामनवमी गुरूवार को है। गुरुवार को यहां बाजारहाट लगता है जिसे न लगवाने की अपील की। इस दौरान समिति की ओर से अखड़ाधारियों व झांकियों के सुविधा के लिये सैकड़ों की संख्या में वॉलिटियर के साथ-साथ डॉक्टर की टीम सहित अन्य सभी प्रकार की व्यवस्था रहेगी। इस मौके पर रिंकू राय, मुन्ना बड़ाइक, बबलू सिंह, मंटू राय, शारदा देवी, रूपा चौहान, अनिल कुमार, बबलू सिंह, इंदर सिंह, विमल सिन्हा, अखिलेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सरहुल पर जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने की कामना की

मांदर की थाप पर खूब झूमे लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। श्रद्धा सरना समिति गेतलसूद के तत्वावधान में शनिवार को सरना स्थल पर सरहुल पूजा सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की की अध्यक्षता मे आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि विधायक राजेश कच्छप थे जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में प्रमुख दीपा उरांव, जिप सदस्य अनुराधा मुण्डा, भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार, ग्रामप्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाइक, मुखिया शांति मुण्डा, रोशनलाल मुंडा, पूर्व प्रमुख अनिता गाड़ी आदि उपस्थित हुए। इससे पहले पाहन पूजारी राजदेव पाहन ने सरना स्थल में विधि-विधान से पूजा- अर्चना कर कार्यक्रम को शुरू कराया। पूजा के दौरान प्रकृति के प्रति जल, जंगल एवं जमीन के साथ अन्न-धन, सुख-समृद्धि और क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। समारोह में आसपास सहित दुरदराज से दर्जनों की संख्या में खोड़हा की सांस्कृतिक टीमें नाचते-गाते हुए शामिल हुए। वहीं समारोह में अतिथिगण और गांव के लोगों नें मांदर की थाप पर जमकर थिरके। मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति में अपने जीवन का एक सौंदर्यपूर्ण संबंधों को समेटे हुए है एक नये साल की शुरूआत करता है। उन्होंनें सबों को सरहुल पर्व की बधाई दी। कार्यक्रम में राजेंद्र मुण्डा, एतवा उरांव, शिवदास गोस्वामी, सबीता देवी, सरिता देवी, अजय महतो, लक्ष्मण भगत बाबा, कमलाकांत मुंडा, हेमनाथ महतो, संजय नायक, रामसाय मुंडा आदि उपस्थित थे।

गुड़ीडीह जोन्हाः हुंडी सरना समिति की ओर से शनिवार को हुंडी सरना स्थल गुड़ीडीह जीदू जराटोली जोन्हा में सरहुल पहान सह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष हरदयाल मुंडा ने किया। इस अवसर पर पाहन बरतु पहान एवं घासी पहान के द्वारा क्षेत्र की खुशहाली के लिए सिंगबोंगा की पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ हीं सरना मां से वर्ष की खुशहाली और अच्छी बारिश के लिए कामना की गई। मौके पर विभिन्न खोड़हा समूहों द्वारा मांदर एवं ढोल नगाड़े की थाप पर थिरकते रहे वहीं अतिथियों ने भी लोगों के साथ मिलकर रिझ-रंग किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रिझुवा मुंडा, राजु उरांव, बिरू उरांव, खिरू उरांव, कृष्णा मुंडा, विजय उरांव, रामकुमार मुंडा, गणपति भोगता, सुरेश लकड़ा, दीपक कुमार मुंडा, जगदीश मुंडा, दिनेश उरांव, सुकरा मुंडा, मधु लोहरा, शनिचरवा मुंडा, रविचंद्र उरावं, रमेश मुंडा, शशि प्रकाश लिंडा, मनसा भोगता, चारी टोप्पो, अशोक एक्का आदि का योगदान रहा।

प्रमाण पत्र वितरण के साथ प्रशिक्षण का हुआ समापन

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। भारतीय स्टेट ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बाढ़ू, रांची की ओर से आयोजित गुरुवार को कृत्रिम आभूषण निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 35 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के निदेशक समीर कुमार सुरेन ने बताया कि यह प्रशिक्षण संस्थान जनपद के द्वारा प्रायोजित एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संरक्षित प्रशिक्षण संस्थान है। जहां पर स्वरोजगार मूलक लगभग 61 तरह के प्रशिक्षण दिए जाते हैं। जिसमें सिलाई कढ़ाई, ड्रेस डिजाइनिंग, ब्यूटी पार्लर, सॉफ्ट टॉय मेकिंग, डेरी फार्मिंग, वर्मी कंपोस्ट बनाना, मोटर ड्राइविंग, जैम.जेली, मुरब्बा बनाना, कंप्यूटर अकाउंटिंग, एग्री क्लीनिक, मोबाइल एवं टीवी रिपेयरिंग आदि स्वरोजगार मूलक प्रशिक्षण दिए जाते हैं जो कि पूर्णतया निःशुल्क है। इस मौके पर संस्थान के निदेशक समीर कुमार सुरेन, इंद्रजीत कुमार, बीरवल कुमार, सुचित्रा देवी एव रघुनंदन कुमार भी उपस्थित थें। इस कार्यक्रम में सभी उतीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान के द्वारा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

बेड़ो में निकाली गयी सरहुल की शोभयात्रा, उमड़ा जनसैलाब

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान झांकियों के साथ जुलूस का अद्भुत नजारा दिखायी दिया। जहां हजारों की संख्या में आदिवासी युवक-युवतियों ने मांदर की धुन पर नाचते गाते बेड़ो में शोभायात्रा निकाली गई। इससे पूर्व सरहुल पूजा महासमिति के अगुवाई में सरना स्थल में पूजा अर्चना कर वन विभाग रोड से अध्यक्ष सुका उरांव संरक्षक राकेश भगत व जुगेश उरांव की अगुवाई में शोभायात्रा निकाली गई। जो देवी मंडप की परिक्रमा करते हुए बाजार टांड़, बेड़ो बस्ती होते हुए छोटा सरना स्थल पहुंची जहां बुधवा पहान एवं बुदा उरांव, पूजार पंचम तिर्की राकेश भगत एवं राजेश भगत ने परंपरागत तरीके से पूजा अर्चना और सामुहिक प्रार्थना कर सुख-समृद्धि की कामना की। वही सरना स्थल का परिक्रमा करते हुए शोभा यात्रा गुमला रोड होते हुए महादानी मंदिर मैदान पहुंची और एक समारोह में बदल गई। शोभायात्रा में प्रखंड के गांवों से आए दर्जनों खोड़हा दलों के लोगों ने अपनी सहभागिता निभायी। इसमें शामिल हर उम्र के लोगों ने पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे युवाओं ने नृत्य की मस्ती बिखेर और संस्कृति के लिए अपना लगाव व्यक्त किया। शोभायात्रा में भाजपा के युवा नेता सन्नी टोप्पो, शिशिर लकड़ा सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय मुखिया सुशांति भगत, अनिल टोप्पो, प्रभात टोप्पो, मंगा पहान, रंजीत टोप्पो, अनिल उरांव, दिलीप उरांव समेत आदिवासी समुदाय के सैकड़ों प्रबुद्धजन शामिल होकर एक-दूसरे को अबीर एवं गुलाल लगाये और एक दूसरे को गले लगकर बधाई दी। शोभा यात्रा में युवा-युवतियां कलश के साथ झूमर नृत्य किये जो समारोह व प्राकृति पर्व को और खूबसूरती बढ़ा रहे थे। साथ ही जगह-जगह शिविर लगाकर पानी,शरबत,चना व गुड़ का वितरण किया गया। वही थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। शोभायात्रा को सफल बनाने में सुशील उरांव, अनिल उरांव, प्रदीप भगत, मनोज लकड़ा,पंचम तिर्की, शंकर कच्छप, सुका उरांव, प्रभात लकड़ा, रंजीत टोप्पो, राकेश भगत, बुधराम उरांव, सुनील कच्छप, साजर तिर्की, जुगेश उरांव, मंगा पहान, अनिल उरांव, सुजीत कुमार, राजेश भगत, सुका उरांव, सुशील भगत, शंभू कच्छप, शंकर कच्छप, बुधवा उरांव, शंकर कच्छप, विनोद कच्छप, मनोज कच्छप ने अहम भूमिका निभायी।

डीडीसी ने अमृत सरोवर तालाब का निरीक्षण किया

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। रांची के डीडीसी दिनेश कुमार यादव ने शनिवार को बुढ़मू प्रखंड के भांटबोडेया तथा कोराबार गांव में बने अमृत सरोवर तालाब का निरीक्षण किया। मौके पर डीडीसी ने उक्त तालाबों से अधिक से अधिक संख्या में किसानों द्वारा सिंचाई करने की बात कही। साथ ही उन्होंने तालाबों के मेड़ में मनरेगा से पौधरोपण करने का निर्देश भी दिया। इस अवसर पर पानी पंचायत के लाभुकों ने उपविकास आयुक्त से इन तालाबों को गहरीकरण करने की मांग भी किया। इस पर डीडीसी ने उपस्थित भूमि संरक्षण विभाग के अभियंता को प्राक्कलन बंनाने का निर्देश भी दिया। विदित हो कि भांटबोडेया में भूमि संरक्षण विभाग तथा कोराबार में जिला परिषद से अमृत सरोवर तालाब का निर्माण किया गया है। मौके पर बीडीओ नम्रता जोशी, बीपीओ निशिकांत ठाकुर,अभियंता शाहबाज, अमित कुमार, मुखिया दशरथ उरांव, कुशेंद्र पाहन, कलेश्वर महतो समेत अन्य मौजूद थे।

नहाय-खाय के साथ चैती छठ शुरू, खरना आज

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में में सूर्य उपासना का महा पर्व चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शनिवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गया। पहले दिन छठ व्रत करने वाले पुरुषों और महिलाओं ने अंतःकरण की शुद्धि के लिए पवित्र जलाशयों में स्नान कर अरवा चावल,चना दाल, कद्दू और सेंधा नमक से बने खाने को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। इस दौरान व्रतियों के घर दोपहर बाद प्रसाद खाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। वहीं दूसरे दिन रविवार को खरना पूजा होगी। जिसमें वर्ती शाम में स्नान करने के बाद पूरे नेम निष्ठा व विधि-विधान से अरवा चावल,दूध और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद तैयार करते है।इसके बाद भगवान सूर्य की आराधना कर प्रसाद ग्रहण किया जाता है। इसके बाद से उनका 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। वहीं सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। जबकि मंगलवार की सुबह व्रति उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देंगे, तब पारण करेंगे।

इंटर बटालियन क्रिकेट टूर्नामेंट में 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की टीम बनी विजेता

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। विगत 20 मार्च से शुरू हुए इंटर बटालियन क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शुक्रवार 26वीं वाहिनी और 32वीं वाहिनी के बीच खेला गया। 26वीं वाहिनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। 26 वीं वाहिनी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और 29 रन के अंदर उसके 7 विकेट गिर गये। लेकिन टीम के कप्तान कमांडेंट एसडी शेरखाने एवं द्वितीय कमान अधिकारी सचिन कुमार ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए टीम को उबारा तथा 32वीं वाहिनी को जीत के लिए 20 ओवर में 98 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी 32वीं वाहिनी की टीम 82 रनों पर हीं ढेर हो गई और इस तरह से 26वीं वाहिनी 16 रनों से इस फाइनल मुकाबले को अपने नाम किया। मैच के दौरान 26वीं वाहिनी टीम के दिनेश कुमार उपकमांडेंट ने दो बेहतरीन कैच भी लपके जो टीम की जीत का टरनिंग प्वाइंट था। टूर्नामेंट में सर्वाधिक स्कोर करने वाले विजेता टीम के रविकांत को श्रेष्ठ बल्लेबाज तथा सबसे अधिक विकेट लेने वाले उपविजेता टीम के केपी रवि को श्रेष्ठ वॉलर वहीं विजेता टीम के मुनेंद्र को 'मैन ऑफ दी सिरिज' के खिताब से नवाजा गया। मौके पर 26वीं वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी सचिन कुमार, उपकमांडेंट अनुराग सिंह, आलोक सिंह, सहायक कमांडेंट अजीत कुमार उपाध्याय सहित जवान व ग्रामीण उपस्थित थे।

रामनवमी को लेकर रेहला में शांति समिति की बैठक, सरकारी निर्देशों के पालन का लिया गया निर्णय

रामनवमी पर सभी मिल कर लें शांति-सौहार्द्र बनाये रखने की नैतिक जिम्मेदारी : एसडीपीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। रेहला थाना परिसर में शनिवार को रामनवमी त्योहार को लेकर शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें दोनों समुदाय के सैकड़ों लोग शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता विश्रामपुर के एसडीपीओ सुरजीत कुमार और संचालन प्रो नंदलाल शुक्ला ने किया। बैठक में शामिल दोनों समुदाय के लोगों ने रामनवमी पूजा महोत्सव को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का निर्णय लिया। एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने कहा कि जुलूस के दौरान कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए पूजा कमेटी व स्थानीय लोगों को पुलिस का सहयोग करना चाहिए। पुलिस शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखेगी। बैठक में शामिल दोनों समुदाय के लोगों से उन्होंने सरकार की ओर से जारी निर्देश का पालन और पहले से तय मार्गों से ही जुलूस निकालने की अपील की। कहा कि रामनवमी पर सभी समुदाय के लोग मिलकर शांति और शौहार्द बनाए रखने की नैतिक जिम्मेदारी लें। कहा कि तय मानकों के तहत ही कार्यक्रम का आयोजन होना चाहिए। उन्होंने स्थानीय पुलिस के अधिकारियों को क्षेत्र की हर गतिविधियों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया। एसडीपीओ ने कहा कि समाज के सभी लोगों का संवैधानिक दायित्व है कि किसी भी सामाजिक आयोजन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर उसे सफल बनायें। क्योंकि समाज के हरेक व्यक्ति प्रशासन का एक अभिन्न अंग होता है। बैठक में बीडीओ प्रशांत हेंब्रम, इंस्पेक्टर अजय कुमार, रेहला थाना प्रभारी नेमधारी रजक, भाजपा के वरीय नेता सुशील चौबे उर्फ टिकैत चौबे, एएसआई रामचंद्र चौधरी, प्रखंड़ प्रमुख रंभा कुमारी, पूर्व जिला पार्षद फिरोज खान, सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय, भाजपा नेता ललन चौबे, आलोक शुक्ला, नरेंद्र राम, एमएम एस्ले, रविशंकर चौबे, दिनेश शुक्ला, मुखिया राधाकृष्ण साव, मखिरण तिवारी, गोरख पांडेय, नजमुद्दीन नूरी, डॉ अलाउद्दीन अंसारी, डॉ डीपी शुक्ला, कृष्ण मुरारी सिंह, डॉ बीपी शुक्ला, गुलामनबी, अनुज चौधरी, मनोज शुक्ला, किशोर कुमार, एनामुल हक, मजमुद्दीन अंसारी, सचिदानंद तिवारी, सुभाष हेम्ब्रम आदि थे।

शांति समिति की बैठक में उपस्थित गणमान्य लोग।

नागरिक सुविधाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकता: नगर अध्यक्ष

शशि कुमार और वार्ड पार्षद ने किया नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को एक नया आयाम देते हुए नगर अध्यक्ष शशि कुमार व वार्ड पार्षद सुनीता देवी ने शनिवार को शहर के वार्ड नंबर 14 में राइन भवन से हरही नदी तक बनने वाले पीसीसी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। नगर अध्यक्ष शशि कुमार ने कहा कि वार्ड नंबर 14 में नाली निर्माण से लोगों को काफी सहूलियत होगी। शहर में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए एक साथ कई योजनाओं पर कार्य किए जा रहे हैं। शहर के सभी वार्ड के सर्वांगीण विकास की योजना बनाई गयी है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के साथ शहर में सड़क, नाली व स्वच्छता समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। वहीं, वार्ड पार्षद सुनीता देवी ने कहा कि हुसैनाबाद नगर पंचायत विकास की ओर निरंतर अग्रसर है। वार्ड 14 के लोगों की नागरिक सुविधाओं को लेकर कटिबद्ध हैं। इस मौके पर जाकिर अली, शमीम, इकबाल कुरैशी, मुस्लिम राइन, आरिफ राइन, डॉ अजय कुमार, असगर उर्फ मिथुन आदि मौजूद थे।

नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास करते नगर अध्यक्ष, वार्ड पार्षद व अन्य।

पूर्व मंत्री ददई दुबे की बड़ी बहू का निधन

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे की बड़ी बहू और पूर्व विधायक प्रत्याशी स्वं अजय दुबे की पत्नी चित्रा दुबे का शनिवार को निधन हो गया। दिल का दौरा पड़ने पर तुरंत रिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना से ददई दुबे पर दुखों का पहाड़ टूट गया है। इससे पहले 2019 मे उनके बड़े पुत्र अजय दुबे की भी मौत हो गई थी। बिश्रामपुरप्रखंड कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार शुक्ला (गुड्डू) ने शोक व्यक्त किया। कहा कि ये हम सबों के लिए बहुत ही दुखद घटना है। शोक व्यक्त करने वालों वरीय जिला उपाध्यक्ष संतोष चौबे, सुधीर चौबे, इरफान खा, प्रखंड अध्यक्ष शिक्षा विभाग रविंद्र चौबे, प्रखंड उपाध्यक्ष आलोक चौबे, सचिव कपिल देव शुक्ला,सत्य प्रकाश चौबे, सुधा चौबे,भरत यादव, आनंद चौबे,कोषाध्यक्ष शैलेंद्र चौबे, महेंद्र शर्मा, पुनीत शुक्ला शामिल थे।

बेतला महोत्सव शुरू कराने का होगा प्रयास : सुनील सिंह

चतरा के सांसद ने की दिवंगत व्यास सिंह के परिजनों से मुलाकात

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। चतरा सासंद सुनिल कुमार सिंह शनिवार को पूर्व आइएएफस अधिकारी दिवंगत व्यास सिंह के मेदिनीनगर स्थित आवास पर पहुंचे और उनके परिजनों से मुलाकात की। जहां उनके परिजनों ने दिवंगत व्यास सिंह द्वारा रचित पुस्तक बाघ बायलिन और बंदूक की प्रति भेंट की। चतरा सासंद ने कहा कि दिवंगत व्यास सिंह ने अपने सेवाकाल में पलामू व्याघ्र परियोजना के बेतला को सजाने संवारने में सक्रिय भूमिका निभायी थी। बेतला सहित उसके आसपास इलाके में पर्यटन विकास की असीम संभावना है। इसके लिए केंद्र सरकार के पहल पर काम भी हो रहा है। जिससे इस इलाके में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चतरा सासंद का दात्यिव मिलने के बाद उनकी यह कोशिश रही है न सिर्फ बेतला बल्कि धार्मिक पर्यटन को भी बढावा मिले इसे ध्यान में रखकर चतरा इटखोरी में स्थापित भद्र काली मंदिर महोसत्व की भी शुरूआत करायी गयी है। इसी तर्ज पर आने वाले दिनों में वह बेतला महोत्सव की शुरूआत कराने का प्रयास करेगें। यही दिवंगत व्यास सिंह के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि व्यास सिंह भाजपा किसान मोरचा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ज्योतिरीश्वर सिंह के पिता थे। इस परिवार से उनका आत्मीय लगाव रहा है। सत्र होने की वजह से वह श्राद्ध कार्यक्रम में भाग नहीं ले सके। मौके पर अनूसूचित आयोग के पूर्व अध्यक्ष शिवधारी राम, ओमप्रकाश सिंह, पूर्व जिप सदस्य सत्या सिंह, श्याम बाबू, भाजयुमों के पलामू जिलाध्यक्ष ज्योति पांडेय, अमरनाथ जायसवाल मौजूद थे।

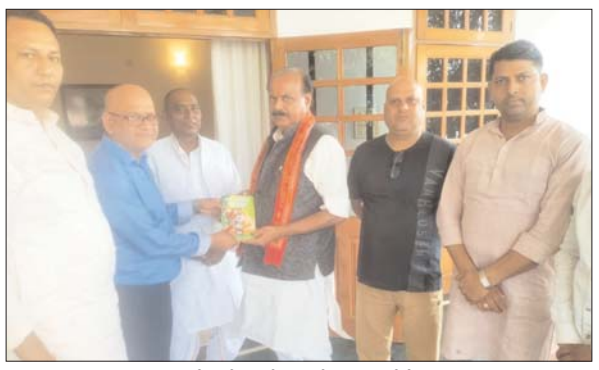

धार्मिक अनुष्ठान से क्षेत्र में आती है सुख-समृद्धि : शिव शंकर यादव

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। प्रखंड के महूदंड पंचायत के कुरदाग गांव में हनुमान मंदिर स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा की शुरूआत मंदिर परिसर से की गई। गाजे बाजे के साथ परंपरागत ढंग से निकाले गये कलश यात्रा में महूदंड पंचायत के मुखिया पति शिवशंकर यादव समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यात्रा में शामिल लोग महूदंड पंचायत के कई गांव का भ्रमण करते हुए विसहिया नदी पहुंचे, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जलभराई की गई। शिव शंकर यादव ने कहा कि इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान से क्षेत्र में सुख समृद्धि आती है। इस मौके पर महुडंड पंचायत समिति सदस्य रमेश पासवान, महूदंड ओपी प्रभारी तुलेश्वर रजक, उपेंद्र यादव, प्रमोद यादव, आनंद पासवान, अजय सिंह, ज्वाला सिंह, गुप्ता सिंह, रविंद्र सिंह, अनिल गुप्ता, रामसरूप यादव और विकाश यादव आदि थे।

युवक पर शादी की नियत से नाबालिग छात्रा को भगाने का आरोप, मामला दर्ज

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र स्थित एक गांव की नाबालिग छात्रा को शादी की नियत से बहला फुसलाकर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। छात्रा के पिता ने रामाबांधी गांव निवासी रामस्वरूप राम के बेटे श्रवण राम के विरुद्ध हुसैनाबाद थाना में लिखित आवेदन दिया है। बताया कि उसकी बेटी मैट्रिक की परीक्षा देने के लिए 22 मार्च की सुबह नौ बजे घर से सरस्वती विद्या मंदिर परीक्षा केंद्र गई थी। पर वापस नहीं लौटी। शाम होने पर भी जब घर नहीं पहुंची तो उसकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच पता चला कि रामस्वरूप के बेटे श्रवण राम बेटी को भगा ले गया है। उधर, थाना प्रभारी जगरनाथ धान ने बताया कि लड़की के पिता द्वारा लिखित आवेदन मिला है। जांच कर जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

पांच साल से फरार वारंटी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करेत हुए वर्षों से फरार 17 सीएल एक्ट के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसकी पहचान मुकेश पासवान उर्फ राहुल के रूप में हुई है। वह जपला के देवरी रोड बगीचा का रहने वाला था। इस संबंध में हुसैनाबाद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी जगन्नाथ धान ने बताया कि पलामू एसपी के निर्देश पर छापामारी अभियान चलाया गया। इस दौरान सूचना मिली की वर्षो से फरार मुकेश पासवान अपने घर आया हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम ने उसके घर पर छापामारी करने पहुंच गई। पर पुलिस को देखते वह भागने की कोशिश लगने लगा। लेकिन पुलिस के मुस्तैद जवानों ने उसे दबोच लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि उसके खिलाफ हुसैनाबाद थाना में 17 सीएल एक्ट का मामला दर्ज है। वह पिछले पांच वर्षों से फरार चल रहा था। इस अभियान में एसआई सौरभ कुमार, एएसआई धर्मेंद्र कुमार व पुलिस के कई जवान मौजूद थे।

प्रकृति की रक्षा के लिए हर व्यक्ति एक-एक पेड़ जरुर लगाये: शशि भूषण मेहता

सतबरवा/पलामू(आजाद सिपाही)। आदि कुडुख सरना समाज सतबरवा के तत्वाधान में बीआरसी के निकट सरना स्थल पर प्रकृति पर्व सरहुल पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पाकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता भी शामिल हुए। उन्होंने पाहन के साथ साल वृक्ष की पूजा की। कहा कि सरहुल पूजा प्रकृति का पर्व है। यह केवल आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि धरती पर रहने वाले सभी लोग का कर्तव्य है कि प्रकृति की रक्षा करें। एक पेड़ कटने या सूखने पर पांच-पांच पेड़ घर के सभी सदस्य लगाएं। उन्होंने नीलांबर पितांबर की आदम कद प्रतिमा का अनावरण भी किया। नीलांबर पितांबरपुर पहुंचने का सभी को निमंत्रण नहीं दिया। साथ ही कमेटी को 21000 नगद का सहयोग भी किया। इधर प्रखंड के अलग-अलग गांव से आए टोलियों ने मांदर की थाप पर थिरकती आदिवासी महिलाएं पूरे सतबरवा गांव का भ्रमण करते हुए पुनः सरना स्थल पहुंचे जहां कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया। मौके जिला परिषद सुधा कुमारी आदि उपस्थित थीं।

टीएसपीसी के एरिया कमांडर समेत पांच उग्रवादी गिरफ्तार

गिरफ्तार उग्रवादियों में नावाहाजार ईंट-भट्ठे में आगजनी का आरोपी भी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के कंडा में एनएच 98 से सटे इंट भट्टे पर विगत 20 मार्च को पांच ट्रैक्टरों में आगजनी करने वाले उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के पांच उग्रवादियों को नावाबाजार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें एक एरिया कमांडर भी शामिल है। उनकी पहचान बसंत भुइयां (26), रंजय कुमार (21), बीरेन्द्र कुमार (20), छोटु दास (34) और सुधीर कुमार मेहता (47) के रूप में हुई है। उनके पास से 16 नक्सली पर्चा, मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल बाइक बरामद हुई है। इसकी जानकारी पलामू एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने दी। वे शनिवार आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आगजनी की घटना के बाद सीआरपीएफ और जिला पुलिस की अलग-अलग टीम कार्रवाई में जुटी थी। इसी बीच एक टीम अलग से लगाई गई थी। सबसे पहले टीएसपीसी के एरिया कमांडर को पकड़ा गया। वह सिविल में था। हालांकि उसके पास से पर्चे बरामद हुए। उसकी निशानदेही पर आगजनी में शामिल चार अन्य उग्रवादियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना को टीएसपीसी के शशिकांत, निशांत और रंजन का दस्ते ने मिलकर अंजाम दिया था। घटना के वक्त तीनों मौके पर मौजूद भी थे। एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि ईंट भट्टा के मालिक सत्यानंद मेहता द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर अनुसंधान के तहत पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इन्हें अलग-अलग थाना क्षेत्रों से पकड़ा गया हैं। यह गिरफ्तारी अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग के मार्ग दर्शन में हुई है। गिरफ्तार उग्रवादियों के आपराधिक इतिहास नहीं हैं और ये पहली बार गिरफ्तार हुए हैं। इस हमलावर दस्ते को पकड़ने के लिए तरहसी, नावाजयपुर, छतरपुर, पड़वा और बिहार के गया जिले भदवर थाना क्षेत्र में छापामारी की गई। एसपी ने इस सफलता के लिए छापामारी टीम में शामिल आइपीएस ऋषभ गर्ग, एसडीपीओ सुरजीत कुमार व उसने सहयोगियों को बधाई दी है।

गिरफ्तार उग्रवादियों की जानकारी देते पुलिस के आला अधिकारी।

स्पोर्ट्स

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच ऑकलैंड में तीन वनडे सीरीज के पहले मैच खेला गया। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 198 रन के विशाल अंतर से हरा दिया। अगला मैच 28 मार्च को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

श्रीलंका के 8 खिलाड़ी नहीं छू पाये दहाई का अकड़ा, शिप्ले ने झटके 5 विकेट

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 198 रन से हराया

एजेंसी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड ने तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका को 198 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। ऑकलैंड में खेले गए मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 274 रन बनाए और श्रीलंका को 275 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 19.5 ओवर में महज 76 रन पर ऑल आउट हो गई। इस तरह न्यूजीलैंड ने पहला वनडे 198 रनों के विशाल अंतर से जीत लिया। न्यूजीलैंड के लिए हेनरी शिप्ले ने पांच विकेट झटके। श्रीलंकाई टीम के 8 बल्लेबाज दहाई (10 रन) का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 28 मार्च को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। शिप्ले को प्लेयर ऑफ थे मैच चुना गया।

न्यूजीलैंड के लिए एलेन ने खेली अर्धशतकीय पारी

श्रीलंका ने टॉस जीत कर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड टीम के लिए फिन एलेन ने 51, डेब्यू कर रहे रचिन रवींद्र ने 49 और डेरिल मिचेल 47 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रीलंका के लिए चमिका करुणारत्ने ने कुल 4 विकेट हासिल किए, जबकि कसुन रजिथा-लहिरू कुमारा ने 2-2 सफलता और दिलशान और शानका को एक-एक सफलता मिली।

श्रीलंकाई टीम की पारी

275 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका टीम की शुरूआत खराब रही। श्रीलंका के दोनों ओपनर महज 14 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटे। इसके बाद कुसल मेंडिस बिना खाता खोले आउट हो गए। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन ऐंजेलो मैथ्यूज ने बनाए। उन्होंने 25 गेंदों पर 18 रन बनाए, जिसमें 3 चौके शामिल रहे। वहीं, न्यूजीलैंड के लिए हेनरी शिप्ले ने 5 विकेट झटके, डेरिल मिचेल और ब्लेयर टिकनर को 2-2 सफलता मिली।

जपला में सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित हुई जागरूकता रैली

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय सेवा योजना एके सिंह कॉलेज की जपला इकाई की ओर से गोद लिए गांव कोरिया डी, देवरी कला पंचायत में विशेष शिविर के चौथे दिन सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर के जागरूकता विषय पर विचार गोष्ठी और रैली का आयोजन किया गया। जपला देवरी मेन रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था को स्वयंसेवकों ने संभाला और बिना हेलमेट और जूते के बाइक चला रहे चालकों से हेलमेट और जूता पहनने की अपील की। साथ ही आम लोगों से अनुरोध किया कि गाड़ी चलाते समय हेलमेट लाइसेंस और गाड़ी के कागजात जरूर रखें। वहीं, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें, ताकि होने वाले दुर्घटना से बचा जा सके। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी सह पलामू जिला के नोडल पदाधिकारी प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह जंतु विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राहुल कुमार सिंह, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर आलोक रंजन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मौके पर प्रोफेसर अजय कुमार सिंह, अरुण सिंह, सुनील सिंह, चंदन सिंह, अशोक कुमार देव, अशोक सिंह, बबन प्रसाद सिंह, अभिषेक कुमार गॉड आदि ने सम्मिलित होकर स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया।

गोप बाबू जैसे लोग किसी भी शहर के लिए धरोहर के समान हैं: महापौर

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। महापौर अरुणा शंकर और बॉलीवुड के अभिनेता प्रयांशु चटर्जी ने शुक्रवार की शाम गोपा बाबू स्मृति पार्क का शिलान्यास किया। गोपा बाबू का पूरा नाम अमिय कुमार घोष था जो पलामू के पहले विधायक होने के साथ साथ संविधान सभा के सदस्य भी थे। महापौर ने कहा कि गोपा बाबू जैसे शख्स किसी भी शहर के लिए धरोहर समान है। उन्हें याद करना शहर की जिम्मेवारी है। निगम यह प्रयास कर रहा है कि गोपा बाबू सहित शहर के सभी विभूतियों के नाम अमर हो इसलिए उनके स्मृति में सड़क, चौक, पार्क आदि बनाए जाए। वहीं, उप मेयर मंगल सिंह ने कहा कि शहर को हर हाल में खूबसूरत बनाना निगम की पहली प्राथमिकता है। वहीं, हिंदी फिल्म की शूटिंग को लेकर पलामू में मौजूद अभिनेता प्रियांशु चटर्जी को बंगाली समिति ने सम्मानित किया। बंगाली समिति के तरफ से महापौर अरुणा शंकर, वरीय सदस्य देवेश मोइत्रा, मुनमुन चक्रवर्ती आदि ने उन्हें सम्मानित किया। अभिनेता ने कहा कि समिति द्वारा जिस तरह से उन्हें सम्मानित किया गया उन्हें हमेशा याद रहेगा। मौके पर वार्ड पार्षद जयश्री गुप्ता, फिल्म निमार्ता निर्देशक राहुल शुक्ला, बंगाली समिति के अध्यक्ष प्रभाष रंजन दशगुप्ता, देवेश मोइत्रा, गौतम घोष, आशीष दाशगुप्ता, देवाशीष सेनगुप्ता, डॉ कौशिक मल्लिक, गौतम बोस, जया चक्रवर्ती, अर्पिता दाशगुप्त, मुनमुन चक्रवर्ती, अमर भांजा आदि थे।

गोल्फ ग्राउंड में दस दिवसीय गांधी शिल्प बाजार 28 मार्च तक

धनबाद (आजाद सिपाही)। गोल्फ ग्राउंड में 17 से 28 मार्च तक आयोजित 10 दिवसीय गांधी शिल्प बाजार महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। देश के लगभग 20 राज्यों के शिल्पकार सफलता की राह पर है। संपूर्ण भारतवर्ष के हस्तशिल्प के अनोखे संगम को धनबाद जिले के शिल्प के कद्रदान मेले के स्टॉल के कलात्मक एवं रचनात्मक उत्पादों का अवलोकन करते हुए उत्पादों की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार इसके प्रायोजक और ऑल इंडिया परिवर्तन सेवा समिति बाजार द्वारा आयोजित गांधी शिल्प बाजार में हस्तशिल्पियों को बाजार उपलब्ध कराया गया है। शिल्प बाजार में शिल्पकार और ग्राहक के बीच बिचौलिए नहीं रहने के कारण शिल्पकारों को उनके उत्पादन का सही मूल्य मिल रहा है। दूसरी ओर इस बाजार में आए आगंतुकों को किफायती दर पर वस्तुएं मिल रही हैं। गांधी शिल्प बाजार में जुट, डोकरा,बांस,टेराकोटा,काष्ठ शिल्प,कारपेट, भागलपुरी सिल्क, साउथ इंडियन डिजायनर साड़ी, फर्नीचर, कशिदाकारी सूट,राजस्थानी जूती, गुजराती सूट-साड़ी, शांति निकेतन बैग, मधुबनी आर्ट्स पेंटिंग आदि स्टॉल लगे हैं, जहां बिक्री हो रही है।

न्याय सदन सभागार में जिला स्तरीय मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल पर कार्यशाला का आयोजन

पीड़ित परिवार को ससमय मुआवजा राशि का भुगतान करना होनी चाहिए प्राथमिकता : न्यायाधीश

कहा- सड़क दुर्घटना से संबंधित का पुलिस करें त्वरित निष्पादन, ताकि मिले न्याय

आजाद सिपाही संवाददाता

जिला स्तरीय मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारी।

बोकारो। न्याय सदन सभागार में शनिवार को जिला स्तरीय मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार की अध्यक्षा कुमारी रंजना अस्थाना, डीसी सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के उपाध्यक्ष कुलदीप चौधरी, एसपी सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्य चंदन झा, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पवन कुमार, प्रिसाइडिंग अधिकारी (लेबर कोर्ट) अनुज कुमार, डीएलएसए सचिव निभा रंजना लकड़ा, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिमेष कुमार चौधरी आदि ने संयुक्त रू से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुमारी रंजना अस्थाना ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों को चिकित्सीय सुविधा पहुंचाने एवं मृतकों के परिजनों को मुआवजा राशि भुगतान करने की पूरी प्रक्रिया में पुलिस की भूमिका अहम होती है। ऐसे मामलों में पुलिस को अनुसंधान में त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि दुर्घटना में मौत के बाद मृतक के परिजनों को ससमय मुआवजा राशि का भुगतान किया जा सके। यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने बीमा कंपनी से संबंधित नोडल पदाधिकारी/अधिवक्ताओं को भी मामलों के निष्पादन में गंभीरता बरतने और सुनवाई के क्रम में सभी जरूरी दस्तावेजों को कोर्ट के समक्ष पेश करने को कहा। बताया कि पांच लाख तक की बीमा राशि संबंधित मामलों का निष्पादन एक माह में ही कर देना है। लेकिन बीमा कंपनियां इसमें रुचि नहीं लेती हैं। उन्होंने संबंधित अधिवक्ताओं को अपनी कंपनियों को इससे अवगत कराते हुए इसे सुनिश्चित कराने को कहा।

वहीं, डीसी कुलदीप चौधरी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार डीएलएसए/सड़क सुरक्षा समिति की ओर से सड़र दुर्घटना एवं इससे संबंधित जागरूकता अभियान चलाया जाता है। प्रतिमाह सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कर सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए प्रयास किये जाते है। स्वास्थ्य, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग/राज्य मार्ग/सड़क से संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सड़क दुर्घटना को कम करने एवं सड़क दुर्घटना के बाद के कार्यों को त्वरित गति से निष्पादन करने, घायलों को अस्पताल ले जाने वाले गुड सेमरीटन को सम्मानित/पुरस्कृत किया जाता है। आन लाइन पोर्टल पर इंट्री, मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने के लिए ससमय पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य दस्तावेज आदि भी समर्पित किए जाने के काम की सतत निगरानी भी की जाती है। डीसी ने कार्यशाला में बताई जाने वाली बातों को सभी संबंधितों को गंभीरता से लेने, उन्हें जानने/बिना संकोच किसी भी बात को पूछने और भविष्य में उस पर अमल करने की बात कहीं।

दुर्घटना बीमा क्लेम प्रक्रिया से सभी को जागरूक होने की जरूरत : एसपी

एसपी चंदन झा ने कहा कि सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमित बैठक होती है। दुर्घटना बीमा क्लेम प्रक्रिया से सभी को जागरूक होने की जरूरत है। विशेषकर ट्रैफिक पुलिस से संबंधित अधिकारी/नोडल पदाधिकारी ससमय मुआवजा राशि का भुगतान पीड़ित परिवार को हो सके इसकेव लिए कार्यशाला में बताई गई बातों का अनुकरण करें। वहीं, कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन सह जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वन पवन कुमार ने सड़क दुर्घटना एवं मोटर एक्सीडेंट क्लेम से संबंधित कानूनी धाराओं/प्रावधानों के संबंध में विस्तार से बताया। जबकि रिसोर्स पर्सन आनंद वर्धन ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार मोटर वाहन अधिनियम में जोड़ें गए अध्यादेश के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि पुलिस कि जिम्मेवारी काफी बढ़ गई है। सभी कार्यों को ससमय एक निश्चित टाइम फ्रेम में पूरी करनी है। साथ ही, इसकी जानकारी मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल एवं स्टेट लीगल अथॉरिटी को देनी है। इस अवसर पर मध्यस्थता केंद्र के अधिवक्ता ने भी अपने वादों के निष्पादन से संबंधित अनुभवों को साझा किया। कार्यशाला में जिला परिवहन पदाधिकारी संजीव कुमार, डीएसपी (मुख्यालय) मुकेश कुमार, सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, सभी थानों के थाना प्रभारी, न्यायिक पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

कतरास कांग्रेस ने केंद्र सरकार का पुतला फूंका

बाघमारा/कतरास (आजाद सिपाही)। कतरास नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में शनिवार को कतरास थाना चौक पर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ केंद्र सरकार का पुतला दहन किया। इसकी अध्यक्षता कतरास नगर अध्यक्ष रंजीत पांडेय ने की। वक्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार देशहित से जुड़े मुद्दों को उठाने से विपक्षियों को रोक रही है। उन्हें डरा-धमका रही है। सरकार न जेपीसी जांच के लिए तैयार है। न अडानी से मोदी जी का क्या रिश्ता है उस पर बात करने को तैयार है। पुतला दहन के मौके पर अशोक लाल, विनोद शर्मा, योगेंद्र रजक, कमला देवी, प्रखंड अध्यक्ष बलराम महतो, अजय पासवान, रोहित वाही, रोबिन पाल, शिवेश सिन्हा, ब्रजेश पाण्डेय, अजय सिंह, दिगम्बर सिंह, कारू भुइंया, प्रखंड युवा अध्यक्ष शंकर महतो, 20 सूत्री सदस्य सुदेश दास, पिंटू पांडेय, कमलेश पाठक,गोपाल सिंह सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

सोनोत संथाल समाज के लोगों ने फूंका रांची के भाजपा विधायक का पुतला

धनबाद (आजाद सिपाही)। सोनोत संथाल समाज केंद्रीय समिति के सचिव अनिल कुमार टुडू के नेतृत्व में धनबाद जिले के विभिन्न आदिवासी संगठनों के अगुआ, आदिवासी बुद्धिजीवी वर्ग के लोग, आदिवासी छात्र और छात्रसंघ के सदस्यों ने शनिवार को रणधीर वर्मा चौक पर भाजपा विधायक सीपी सिंह का पुतला दहन किया। अनिल टुडू ने कहा कि रांची के विधायक सीपी सिंह ने हमारी संथाली भाषा ओलचिकी का अपमान किया है। रांची विधायक को संथाली भाषा का ज्ञान नहीं है। हम संथाली समुदाय के लोग चाहते है की वे सार्वजनिक रूप से मांफी मांग। ऐसा नहीं करने पर आदिवासी समाज चुप नहीं बैठेगा। इस मौके पर लखींद्र हांसदा, मैनेजर हेम्ब्रम, अलसा सोरेन, शंकर हेम्ब्रम, अनिल टुडू, बिरजू सोरेन, अरुण हेम्ब्रम, सुधीर हेम्ब्रम, सुरेश हेम्ब्रम, प्रवीण हेम्ब्रम, उमेश टुडू, विद्याधर मुर्मू, निर्मल हेम्ब्रम, रविशंकर बास्की, लखन टुडू, मालती टुडू, शीला टुडू, सरोजिनी देवी, चांद मनी टुडू, मंगली टुडू, रामकिशून टुडू, गोपीनाथ हांसदा, सुशील सोरेन, मटू हांसदा, विजय टुडू, बिनोद टुडू, कश्मीर, सुरेंद्र हेम्ब्रम, शिवकुमार सोरेन, शेखर मुर्मू, जीतराम हांसदा, टुडू,मीना सोरेन, रविना टुडू, सुमित्रा मुर्मू, अजय टुडू, नरेश टुडू, सुनीता हांसदा, ललिता मुर्मू, विनीता टुडू, पुर्णिमा मुर्मू, बबलू सोरेन और परवीन हांसदा आदि उपस्थित थे।

पीड़ितों की मदद करना पहली प्राथमिकता : सुभाष वसन

बढ़ते महिला उत्पीड़न एवं बाल अपराध को लेकर मानवाधिकार आयोग की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग झारखंड के प्रदेश निदेशक अनुप सिंह के निर्देशानुसार बढ़ते बाल अपराध, घरेलू हिंसा से उत्पन्न पारिवारिक विवाद, कलह एवं केंद्र व राज्य सरकार द्वारा पंचायतों को दिये गये महत्वकांक्षी योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर धमाबांध ओपी क्षेत्र स्थित बिलबेरा कार्यालय में शनिवार को बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता धनबाद महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष सुमन वसन ने की। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य दबे, कुचले, पिछड़े, शोषित एवं महिला उत्पीड़न और मानव अधिकार को लेकर आवाज बुलंद करना है। इसी कड़ी में धनबाद जिला इकाई द्वारा बैठक की गई, जिसमें कई विषयों पर चर्चा की गई। उन विषयों पर प्रदेश कमेटी जल्द विचार करेगी। उसे बेहतर तरीके से धरातल पर उतारने का प्रयास रहेगा। बता दें कि संस्था के उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए धनबाद में 50 से अधिक सदस्य एवं कई अधिवक्ता, मीडिया के सदस्य सहित अवकाश प्राप्त पुलिस अधिकारी जुड़ चुके हैं। धनबाद जिला के जिला एडवोकेट अमित भगत एवं जिले के कई समाजसेवी, झारखण्ड पुलिस से अवकाश प्राप्त सब इंस्पेक्टर सुभाष वसन जैसे लोग सदा सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष समिद खान, प्रदेश महासचिव सुभाष वसन, रविंद्र वीजन, सावित्री कुमारी,सरिता कुमारी सिन्हा, नीलु शर्मा, मोनी देवी, बबिता मिश्रा, मुन्नी खातून, अफजल इदरीश आदि मौजूद रहे। उक्त जानकारी धनबाद जिला महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ने दी।

जरीडीह बाजार में मुस्लिम कारीगर रमजान में भी बना रहे हैं रामनवमी के लिए ध्वज

शमशेर आलम

आपसी भाईचारे की मिशाल

जरीडीह बाजार/बेरमो (आजाद सिपाही)। बेरमो कोयलांचल हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब का उद्गम स्थल रहा है। यहां हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग आपसी भाईचारे के साथ हर त्योहार को मनाते हैं। ऐसा ही प्रत्यक्ष नजारा देखने को मिला। जहां रमजान का पावन महीने में मुस्लिम कारीगर हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहारों में से एक रामनवमी के लिए ध्वज बना रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ हिंदू समाज के कई लोग ईद और उर्स के मौके पर इससे संबंधित सामानों की बिक्री कर रहे हैं। इसी क्रम में कारीगर अब्दुल अजीज ने बताया कि उनका परिवार पिछले 60 वर्षों से रामनवमी के अवसर पर भगवा झंडा बनाते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले उनके पिता और मौसा झंडा बनाया करते थे। पर उनके गुजर जाने के बाद अब वे खुद अपने बेटे के साथ मिलकर झंडा तैयार करते हैं। हमारे पास रामनवमी के झंडे सिलवाने के लिए पूरे बेरमो कोयलांचल के कई इलाकों से लोग आते हैं। वहीं, मोहम्मद अजीज ने बताया कि उर्स की तरह हमें रामनवमी का भी इंतजार रहता है। ऐसे में मजहबी नफरत की खबरों से हमें काफी दुख भी होता है।

मजदूरों का हक नहीं दिया गया, तो होगा अनिश्चितकालीन चक्का जाम : पप्पू सहाय

तेतुलमारी/कतरास (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल क्षेत्र संख्या 5 के मोदीडीह कोलियरी अंतर्गत तेतुलमुडी कोल डंप के समीप शनिवार को कोलियरी श्रमिक संघ के बैनर तले असंगठित मजदूरों ने एक दिवसीय धरना दिया। इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा के स्थानीय नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पप्पू सहाय, संचालन दिनेश पासवान और धन्यवाद ज्ञापन विष्णु महतो ने किया। पप्पू सहाय ने कहा कि पिछले छह माह में 92000 टन कोयला उठाव होने के बावजूद भी मजदूरों को मात्र तीन बार ही मजदूरी दी गई है। मजदूरों को एक समान नियमावली बनाकर नियमित रोजाना, साप्ताहिक, अर्द्धमासिक या मासिक पेमेंट किया जाय, अन्यथा अनिश्चित कालीन धरना देने को मजबूर होंगे। मौके पर मजदूर नेता मुकेश गुप्ता, विष्णु महतो, दिनेश पासवान, आजाद आलम आदि मौजूद थे।

बीएसएल के प्रमुख विभागों और झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस को मिला प्रतिष्ठित इस्पात सुरक्षा पुरस्कार

बोकारो (आजाद सिपाही)। रांची में हाल ही में आयोजित 74वें ज्वाइंट कमिटी ऑन सेफ्टी, हेल्थ एंड एनवायरनमेंट के वार्षिक सम्मेलन में कैलेंडर वर्ष 2020 एवं 2021 के दौरान शून्य घातक दुर्घटना के लिए बोकारो स्टील प्लांट के कोल, कोक, एवं केमिकल, रोलिंग मिल्स, परियोजनाएं और सेंट्रलाइज्ड मेंटेनेंस, यूटिलिटीज, सर्विसेज, रेल एंड रोड ट्रैफिक जोन व कैलेंडर वर्ष 2021 एवं 2022 के दौरान शून्य घातक दुर्घटना के लिए बोकारो स्टील प्लांट के कोल, कोक, एवं केमिकल तथा रोलिंग मिल्स जोन को क्रमशः इस्पात सुरक्षा पुरस्कार -2022 एवं इस्पात सुरक्षा पुरस्कार -2023 से नवाजा गया है। इसी तरह बीएसएल के झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस को कैलेंडर वर्ष 2021 में शून्य घातक दुर्घटना के लिए इस्पात सुरक्षा पुरस्कार 2022 और कैलेंडर वर्ष 2022 में शून्य घातक दुर्घटना के लिए इस्पात सुरक्षा पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है। शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम में झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के अधिशासी निदेशक (माइंस) जे दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (ऑपरेशंस) सुधीर शर्मा, महाप्रबंधक (आर पी एंड ई एंड सेफ्टी) एमकेटीपी दत्ता और सहायक महाप्रबंधक (ई एंड एल) हीना परवीन ने बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश से मुलाकात कर उन्हें इस उपलब्धि से अवगत कराया। साथ ही ज्वाइंट कमेटी ऑन सेफ्टी, हेल्थ एंड एनवायरनमेंट के वार्षिक सम्मेलन में मिले अपने अनुभव को साझा किया। एक अन्य कार्यक्रम में इस्पात सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त करने वाली बीएसएल के विभिन्न विभागों की टीम ने अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी से मुलाकात कर उन्हें इस उपलब्धि से अवगत कराया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं कर्मी भी उपस्थित थे। इस उपलब्धि के लिए निदेशक प्रभारी और अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने बीएसएल एवं झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस की टीमों को बधाई दी है।

बाघमारा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर का परीक्षा फल प्रकाशित

कतरास (आजाद सिपाही)। बाघमारा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कक्षा अरुण से नवम एवं एकादश (2022-23)का वार्षिक परीक्षाफल प्रकाशित किया गया। साथ ही पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। मंचासीन अतिथियों द्वारा वार्षिक परीक्षा में कक्षाशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और शिशु वर्ग, बाल वर्ग व किशोर वर्ग (नवम एवं एकादश) में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन एवं सर्वाधिक उपस्थिति भैया-बहनों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंधकारिणी समिति के सचिव महोदय ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि परिश्रम कर निरंतर आगे बढ़ते रहें। मौके पर विशु रवानी समेत मड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

कार्रवाई : कोयला लदी पिकअप वैन भी जब्त

कोयले के अवैध धंधे को लेकर दो गुटों मे मारपीट,तीन गिफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

अवैध कोयला लदा जब्त वाहन।

धनसार। थाना क्षेत्र के हल्दीपट्टी गांधी रोड में शुक्रवार की रात कोयले के अवैध धंधे को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान पिस्टल भी लहराया गया। इसकी सूचना मिलते ही धनसार पुलिस मौके पर पहुंच गई और कोयला लदे एक पीकअप वैन को जब्त कर लिया। साथ ही कोयले के अवैध कारोबारी आकाश रवानी के साथ ही वाहन चालक और खलासी को भी गिरफ्तार कर लिया। हालांकि मौके पर मची अफरा तफरी और अंधेरे का लाभ उठाकर अन्य लोग फरार हो गए। वहीं, स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन दिनों हल्दीपट्टी, गांधी रोड, चांदमारी कांटा, न्यू क्वार्टर बेडा, इस्ट भगतडीह दो मोहल्ला के पास अवैध कोयला का धंधा धड़ल्ले से जारी है। रात होते ही चोरी के जमा कोयला को वाहन और पीकअप वैन में लादा जाता है। इस दौरान अक्सर दो गुटों मं झड़प होती ही रहती है। उधर, जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की रात हल्दीपट्टी में आकाश नाम का एक धंधेबाज पीकअप वाहन में कोयला लोड करा रहा था। तभी वहां दूसरे गुट का हरेराम वहां आ धमका। वह अपना इलाका बताते हुए कोयला लोड करते मजदूर को रोक दिया। इसके बाद आधी रात में दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने लगे। इसकी सूचना मिलते ही धनसार पुलिस पहुंच गई। पुलिस को देखते ही आपस में लड़ रहे लोग भागने लगे। पर पुलिस ने तीन लोगों को धर दबोचा। उधर, धनसार थाना प्रभारी राजकपूर ने भी चोरी का कोयला लोड करते एक वाहन को जब्त करने के साथ ही धंधेबाज आकाश रवानी समेत तीन लोगों को पकड़े जाने की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने मारपीट की घटना से इन्कार किया है।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –31/2022–23

1) विभाग का नाम :–पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल,रॉची पूर्व रॉची ।
3) परिमाण विपत्र की बिकी की अंतिम तिथि एवं समय :– 01..04.2023 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 03.04..2023 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 03.04.2023 अपराहन 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान :– 1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी

	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Annual Repair and maintenance of Domestic/Commercial RO/Water Purifier with Cooler of different models installed at different location of High Court building, Judge Bungalow, Registrar's Quarter, Judge's Guest House & High Court Pool quarters etc. under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi for the yr.23-24.	788595.00	15800.00	1250.00	12 Months
2.	Annual Repair and Maintenance for different models of Geyser installed at different location of High Court building, Judge Bungalow, Registrar's Quarter, Judge's Guest House & High Court Staff quarters etc. under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi for the Yr.23-24.	710537.00	14300.00	1250.00	12 Months
3.	Repair and Maintenance of Iron cum Turbidity Removal filter plant, Carbon Filter plant with multiple valves and necessary water supply pipe and its allied work at Different location of High Court Bungalow and other high court pool Qtr. Doranda Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi for the Yr.23-24.	608951.00	12200.00	1250.00	12 Months
4.	Repair and Maintenance of Iron & Turbidity Removal filter plant with Alum pot, Oxidization Chamber Filter with multiple valves, and necessary water supply pipe and its allied work at Different location of High Court Bungalow and other high court pool Qtr. Doranda Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi for Yr.2023-24.	781189.00	15700.00	1250.00	12 Months
5.	Day by day maintenance of plumbing fixtures, cleaning of toilet and bathroom at Hon'ble Judges Bunglow and other Jharkhand High Court poo 1 quarters Doranda under D.W.&S .Division Ranchi East Ranchi.(Six Month)	2494201.00	49900.00	5000.00	06 Months
6.	Annual maintenance work for gardening at Forest Bunglow No.-1, (Bunglow of Hon'ble Minister, D.W.& S. Department) of Jharkhand under D.W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi. (For year 2022-23)	1190001.00	23900.00	2500.00	12 Months
7.	Repair and Maintenance of Kent RO Water Purifier System, Geyser and Iron & Turbidity Removal filter plant with Alum pot, Oxidization Chamber Filter with multiple valve, and necessary water supply pipe and its allied work at Different location of MLA Bungalow, Staff Quarters, and Other Govt. Residential Bungalow/Quarters Doranda Ranchi under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi for Yr. 23-24.	973986.00	19500.00	1250.00	12 Months
8.	Annual Repair and maintenance of Geyser of different models installed at Vidhyak Awas, Vidhan sabha Guest House & Vidhan Sabha Pool Quarters etc.under D.W. & S. Division, Ranchi East Ranchi for the Yr.-2023-24.	730559.00	14700.00	1250.00	12 Months

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची ।

PR.NO.293604 Drinking Water and Sanitation(22-23):D

एम्स भुवनेश्वर में मनाया गया विश्व टीबी दिवस

एम्स में हर महीने 60 टीबी पॉजिटिव केस पाये जाते हैं

कोविड के बाद स्वास्थ्य देखभाल के सामान्य होने से नये निदान किये गये टीबी मामलों में तेजी आयी है

एम्स भुवनेश्वर टीबी जागरूकता के लिए समुदाय तक पहुंचता है

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के पोस्ट-कोविड सामान्यीकरण ने नये निदान किये गये टीबी मामलों में तेजी लायी है। एम्स भुवनेश्वर में पिछले वर्ष के 521 मामलों की तुलना में वर्ष 2022 में 674 नए टीबी मामले पाये गये हैं। राष्ट्रीय संस्थान में कल विश्व टीबी दिवस के अवलोकन के अवसर पर विशेषज्ञों ने एम्स भुवनेश्वर में प्रति माह औसतन 60 नये टीबी मामलों का पता लगाया जा रहा है।

शुरुआती पहचान और उचित उपचार से टीबी के बोझ को कम किया जा सकता है। संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ आशुतोष बिस्वास ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत एम्स भुवनेश्वर में टीबी रोगियों के लिए पोषण संबंधी सहायता प्रदान की गयी है। इसी तरह निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी के मरीजों को इलाज जारी रहने तक 500 रुपये प्रति माह। डॉ बिस्वास ने कहा कि एमडीआर (मल्टी ड्रग रेसिस्टेंस) टीबी टीबी को खत्म करने की लड़ाई का मुकाबला करने में एक चुनौती है। पिछले साल, लगभग दो दशकों में पहली बार, डब्ल्यूएचओ ने मौतों में वृद्धि के साथ-साथ टीबी और दवा प्रतिरोधी टीबी से बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि की सूचना दी। कार्यक्रम का संचालन पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के प्रमुख और डीन एम्स भुवनेश्वर डॉ पीआर महापात्र ने कहा कि तपेदिक दुनिया के शीर्ष संक्रामक हत्यारों में से एक है, जिससे हर साल 1.6 मिलियन मौतें होती हैं और लाखों लोग प्रभावित होते हैं, परिवारों और समुदायों पर भारी प्रभाव पड़ता है। सशस्त्र संघर्ष, खाद्य असुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता जैसे चल रहे संकटों के साथ मिलकर कोविड-19 ने टीबी के खिलाफ लड़ाई में की गयी प्रगति को उलट दिया है।

माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. बैजयंतीमाला मिश्रा ने एम्स भुवनेश्वर में निःशुल्क डीएनए टेस्ट यानी सीबीएनएएटी और टू-एनएटी की जानकारी दी। अन्य लोगों में कुलसचिव बी बी मिश्रा के साथ वरिष्ठ संकाय, छात्रों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन चिकित्सा अधिकारी डॉट्स सेंटर डॉ सारदा प्रसन्ना मिश्रा, टीबीएचवी डॉट्स सेंटर अर्पण मिश्रा ने किया। सामुदायिक चिकित्सा और परिवार चिकित्सा विभाग, एम्स भुवनेश्वर ने समुदाय तक पहुंचकर टीबी को खत्म करने के लिए बेहरा बस्ती (वार्ड नंबर -25), नयापल्ली में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ बिनोद कुमार बेहरा डॉ प्रजना परमिता गिरि ने टीबी के लक्षणों और टीबी से संबंधित कलंक पर स्वास्थ्य शिक्षा दी और दृश्य चार्ट की मदद से तपेदिक के उपचार और निदान पर चर्चा की। स्थानीय पार्षद मानसी रानी सुंदरे और आशा कार्यकर्ता रस्मिता प्रुष्टी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मां मंगला और ओम शांति महिला आरोग्य समिति की सदस्याओं, शहरी स्लम के स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। अवलोकन एक टीबी चैंपियन प्रमोद नायक की वास्तविक जीवन कहानी के साथ समाप्त हुआ। टीबी चैंपियन ने अपने उपचार की अवधि के दौरान सामना किए गए विभिन्न सामाजिक कलंकों के बारे में बताया। टीबी का सफलतापूर्वक इलाज पूरा करने के बाद चैंपियन सामान्य जीवन जी रहा है।

मेघालय के राष्ट्रीय सम्मेलन में डीएसपीएमयू के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने भागीदारी की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। 23 से 25 मार्च तक मेघालय में आयोजित कुलपति राष्ट्रीय सम्मेलन 2023 में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने भाग लिया। यह सम्मेलन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नयी दिल्ली और यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय के संयुक्त सौजन्य से मेघालय में आयोजित किया गया था। इस उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह के मुख्य अतिथि असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और विशिष्ट अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी थे, जिन्होंने इस सम्मेलन को सार्थक बताते हुए अपने विचार व्यक्त किये। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश

के विभिन्न प्रांतों के कुलपतियों ने भागीदारी की और अपने विचार व्यक्त किये। विशेष तौर पर कुलपतियों के लिए आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय था Transformative Higher Education For Atmanirbhar Bharat. इस सम्मेलन में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने शिक्षाविदों के आपसी संवाद सत्र में उपरोक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की गयी नयी शिक्षा नीति 2020 में वह सारे अवयव मौजूद हैं, जो वर्तमान उच्च शिक्षा को आत्मनिर्भर भारत की ओर अतिशीघ्र रूपांतरित कर देगा। उन्होंने इस संवाद सत्र में इस बात पर विशेष बल दिया कि नयी शिक्षा नीति के पाठ्यक्रमों में पारंपरिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त व्यवसायिक पाठ्यक्रमों पर फोकस है जो विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सफल प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा और आत्मनिर्भर भारत विषय पर आधारित यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन से कई अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी तथ्य निकल कर सामने आये हैं, जो विभिन्न शिक्षाविदों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों में लागू किए जायेंगे। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश सिंह ने दी।

भारत के प्रथम बॉक्साइट सीआरएम का विमोचन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत सरकार, खान मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के नवरत्न लोक उद्यम तथा देश का अग्रणी एल्यूमिना और एल्यूमिनियम निर्माता और निर्यातक नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के सहयोग से बॉक्साइट प्रमाणित संदर्भ सामग्री (सीआपएम) - बीएआरसी बी1201 को सफलतापूर्वक विकसित किया है। यह भारत में अपनी तरह का पहला और दुनिया में 5वां सीआरएम है। बीएआरसी बी1201 को औपचारिक तौर पर विमोचन 24 मार्च को एमपी मिश्रा, निदेशक (परियोजना एवं तकनीकी), नालको तथा डॉ एसी सहायम, विभाग प्रमुख, नेशनल सेंटर फॉर कम्पोजिशनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ मिनरल नालको एवं भापअकें के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण की उपस्थिति में नालको अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, भुवनेश्वर में किया गया। श्रीधर पात्र, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नालको ने इस उत्पाद को विकसित करने में लगी पूरी टीम को उनके प्रयास हेतु बधाई देते हुए कहा कि भापअकें के सहयोग की परिणति इस अनूठे उत्पाद के रूप में हुई, जिसकी आवश्यकता हमारे प्रयोगशालाओं में होती है। उल्लेखनीय है कि यह नया उत्पाद उद्योगों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा प्रयोगात्मक एवं विश्लेषणात्मक तरीकों, उपकरणों के प्रदर्शन और बॉक्साइट के नियमित विश्लेषण में आकड़ा गुणवत्ता नियंत्रण के मूल्यांकन के प्रयोग हेतु आयात विकल्प को प्रतिस्थापित करेगा।

फर्जी सर्टिफिकेट को लेकर छापामारी, आठ आरोपी हिरासत में

बलांगीर (आजाद सिपाही)। बलांगीर में फर्जी सर्टिफिकेट से पोस्टाल में नौकरी के लिए आवेदन करने के मामले में पुलिस ने आठ आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने कॉलेज चौक स्थित रिलायंस कोचिंग सेंटर पर छापा मार कर सैकड़ों फर्जी सर्टिफिकेट जब्त किये हैं। यहां पर फर्जी सर्टिफिकेट बनाये जा रहे थे। ग्रामीण डाक सेवा आवेदन में फर्जी सर्टिफिकेट देने की घटना के बाद फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का मामला सामने में आया था। डाक विभाग के निरीक्षण के दौरान 37 से अधिक फर्जी प्रमाण पत्र जब्त किये गये।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**